DELHI CRIME 17 june 2022:Layout 1 6/16/2022 6:42 PM Page 1

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र विचार व अपराध निरोधक मुख्य हिन्दी राष्ट्रीय समाचार पत्र

दिल्ली क्राईम व भ्रष्टाचार विरोधी मोर्चा

DELHI CRIME WA BHRASHTACHAR VIRODHI MORCHA

Website- Delhicrimepress.in
Email-info@delhicrimepress.in

RNI No. DELHIN/2005/15378 | DCP Lic. No. F-2(D-9)PRESS/2005 | वर्ष-01 | शुक्रवार 17 जून 2022 | पीडीएफ अंक-58 | पृष्ठ-8 | मूल्य-निःशुल्क

मौसम

अधिकतम –35 सूर्योदय – 5 : 23
न्यूनतम – 29 सूर्यास्त – 7 : 20

सोना चांदी

सोना – 52445.00 प्रति 10 ग्र चांदी – 60000.00 किलो

अर्थसार

सैंसेक्स – 51495.79 निफ्टी – 15360.60
रु/यूएस डॉलर – 78.05 रु/यूरो – 81.30

न्यूज फ्लैश

प्रधानमंत्री ने आसियान देशों के विदेश मंत्रियों से की मुलाकात

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को दक्षिण पूर्वी एशियाई राष्ट्रों के संगठन (आसियान) देशों के विदेश मंत्रियों और प्रतिनिधियों से मुलाकात की। प्रधानमंत्री मोदी ने गुरुवार को मुलाकात की तस्वीर ट्विटर पर साझा करते हुए कहा, जब हम भारत-आसियान सहयोग के 30 साल पूरे होने का जश्न मना रहे हैं, तो आसियान देशों के विदेश मंत्रियों और प्रतिनिधियों के साथ अच्छी बातचीत हुई। नई दिल्ली् में आज से आसियान-भारत विदेश मंत्रियों की दो दिवसीय विशेष बैठक शुरू हुई। बैठक में प्रशांत क्षेत्र में सहयोग और व्यापार बढ़ाने के साथ ही रणनीतिक संबंधों को मजबूत करने पर चर्चा हुई।

धर्मशाला दौरे पर आये सुप्रीम कोर्ट के जज शाह को सीने में दर्द, भेजा गया दिल्ली

धर्मशाला। धर्मशाला निजी दौरे पर आये सुप्रीम कोर्ट के जज एमआर शाह को गुरुवार सुबह सीने में दर्द होने के बाद उन्हें टांडा के डॉ. राजेंद्र प्रसाद मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। यहां चेकअप के बाद उन्हें दिल्ली भेज दिया गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. गुरदर्शन गुप्ता ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश एमआर शाह को अचानक सीने में दर्द होने के चलते उन्हें गुरुवार सुबह जोनल अस्पताल लाया गया जहां उनको प्राथमिक उपचार देने के बाद टांडा के डॉ राजेंद्र प्रसाद मेडिकल कॉलेज में भर्ती किया गया। टांडा में चेकअप के बाद चिकित्सकों ने उनका उपचार किया तथा उनके स्वास्थ्य पर पूरी नजर रखी गई लेकिन बाद में उन्हें दिल्ली भेज दिया गया। मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ भानु अवस्थी ने बताया कि टांडा में उनकी जांच करने के बाद उन्हें दिल्ली शिफ्ट कर दिया गया है।

प्रदेश के 5 लाख युवाओं को खुशखबरी देने जा रही योगी सरकार

-टैबलेट और स्मार्टफोन की आपूर्ति 2 माह में होगी

लखनऊ। उत्तरप्रदेश की योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली सरकार जल्द ही 5 लाख युवाओं को खुशखबरी देने जा रही है। शिक्षा को तकनीक से जोड़ने के लिए योगी सरकार युवाओं को लैपटॉप और स्मार्टफोन उपलब्ध करा रही है। यूपी में 2021-22 में 31 मार्च तक 12,31,983 डिवाइसों की आपूर्ति की गई थी। इसके अलावा शेष 5,38,017 टैबलेट और स्मार्टफोन की आपूर्ति अगले 2 माह में करने के निर्देश दिए हैं। इन टैबलेट और स्मार्टफोन को युवाओं में मुफ्त वितरित की जाएगी। बता दें कि योगी सरकार लगातार युवाओं को मुफ्त में लैपटॉप और स्मार्टफोन दे रही है। सरकार का अगले 5 सालों में दो करोड़ टैबलेट और स्मार्टफोन देने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रही है। योगी सरकार लगातार इसके लिए प्रयासरत है। इसके लिए योगी सरकार ने बीच बिड्स प्रकाशित किए थे। जेम पोर्टल पर बिड्स 25 लाख टेबलेट और 25 लाख स्मार्टफोन के लिए भी प्रकाशित की गई थी। आपूर्ति करने वाली संस्था ने 7.02 लाख टेबलेट और 10.50 लाख के स्मार्टफोन 90 दिनों में देने के लिए प्रतिबद्धता जाहिर की थी, लेकिन 31 मार्च 2022 तक कुल 12,31,983 डिवाइस की ही आपूति हुई है। इसके बाद जिन छात्रों को लैपटॉप पर स्मार्टफोन नहीं मिला है, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर अब देने की योजना पर काम हो रही है।

राहुल गांधी की याचिका पर झारखंड हाई कोर्ट में सुनवाई 27 जून को

रांची। झारखंड हाई कोर्ट में राहुल गांधी की ओर से दायर याचिका पर 27 जून को सुनवाई होगी। कोर्ट ने इसके लिए अगली तारीख दी है। मामले की सुनवाई गुरुवार को अपरिहार्य कारणों से नहीं हो सकी। मामला जस्टिस एसके द्विवेदी की कोर्ट में चल रहा है। कोर्ट ने राहुल गांधी पर किसी भी तरह की पीड़क कार्रवाई पर रोक जारी रखा है। राहुल गांधी के खिलाफ निचली अदालत में याचिका दाखिल की गई थी। इसमें उनके एक बयान का हवाला देते हुए आरोप लगाया गया था कि उन्होंने कहा कि सभी मोदी नाम वाले चोर होते है। इस बयान से एक जाति विशेष के लोगों की भावनाएं आहत हुईं। लिहाजा मोदी सरनेम वाले याचिकाकर्ता ने मानहानि का मुकदमा दाखिल कर दिया। निचली अदालत ने इस याचिका का संज्ञान ले लिया, जिसके खिलाफ राहुल गांधी ने हाई कोर्ट में याचिका दाखिल की।

पुलवामा में सड़क किनारे मिली प्रेशर कुकर आईईडी, बम निरोधक दस्ते ने किया डिफ्यूज

पुलवामा। पुलवामा जिले के अरमुला लस्सीपोरा इलाके में गुरुवार दोपहर बाद सुरक्षाबलों को तलाशी अभियान के दौरान प्रेशर कुकर आईईडी बरामद हुई है। सुरक्षाबलों ने तुरंत इसकी सूचना बम निरोधक दस्ते को दी जिसके बाद दस्ते ने मौके पर पहुंचकर आईईडी को डिफ्यूज कर दिया है। जिले के अरमुला लस्सीपोरा इलाके में स्थित बाग में सेना, सीआरपीएफ और पुलवामा पुलिस के संयुक्त तलाशी अभियान के दौरान प्रेशर कुकर आईईडी मिली। सुरक्षाबलों ने तुरंत इसकी सूचना बम निरोधक दस्ते को दी। कुछ ही देर बाद बम निरोधक दस्ता घटनास्थल पर पहुंच गया और सुरक्षित ढंग से आईईडी को डिफ्यूज करके बड़े हादसे को टाल दिया। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार इस सड़क पर हर समय काफी तादाद में वाहनों की आवाजाही रहती है। आतंकी मौका मिलते ही प्रेशर कुकर आईईडी को सड़क पर लगाने की फिराक में थे लेकिन सुरक्षाबलों ने समय रहते पता लगाकर एक अनहोनी को टाल दिया है।

प्रधानमंत्री आज और कल गुजरात दौरे पर रहेंगे

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शुक्रवार से गुजरात के दो दिवसीय दौरे पर रहेंगे। प्रधानमंत्री वडोदरा में गुजरात गौरव अभियान के दौरान 21,000 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने गुरुवार को बताया कि प्रधानमंत्री मोदी 17 और 18 जून को गुजरात के दौरे पर रहेंगे। प्रधानमंत्री 18 जून को सुबह करीब 9:15 बजे पावागढ़ पहाड़ी पर श्री कालिका माता के पुनर्विकसित मंदिर के दर्शन और उद्घाटन करेंगे। इसके बाद सुबह करीब साढ़े 11 बजे वह विराट वन का दौरा करेंगे। इसके बाद दोपहर करीब 12:30 बजे वे वडोदरा में गुजरात गौरव अभियान में भाग लेंगे, जहां वे 21,000 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे।

गुजरात गौरव अभियान - वडोदरा में गुजरात गौरव अभियान में सरकार की विभिन्न योजनाओं के लाभार्थी भाग लेंगे। प्रधानमंत्री 16,000 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न रेलवे परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। इनमें डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के 357 किलोमीटर लंबे न्यू पालनपुर-मदार सेक्शन को राष्ट्र को समर्पित करना; 166 किलोमीटर लंबे अहमदाबाद-बोटाद खंड का आमान परिवर्तन; 81 किलोमीटर लंबे पालनपुर-मीठा खंड का विद्युतीकरण सहित अन्य कार्य शामिल हैं। प्रधानमंत्री सूरत, उधना, सोमनाथ और साबरमती स्टेशनों के पुनर्विकास के साथ-साथ रेलवे क्षेत्र में अन्य पहलों की आधारशिला भी रखेंगे। इन परियोजनाओं से रसद लागत कम करने और क्षेत्र में उद्योग और कृषि क्षेत्र को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी। वे क्षेत्र में कनेक्टिविटी में भी

सुधार करेंगे और यात्री सुविधाओं को बढ़ाएंगे। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत, प्रधानमंत्री द्वारा कुल 1.38 लाख घर समर्पित किए जाएंगे, जिसमें शहरी क्षेत्रों में लगभग 1,800 करोड़ रुपये के घर और ग्रामीण क्षेत्रों में 1,530 करोड़ रुपये से अधिक के घर शामिल हैं। साथ ही 310 करोड़ रुपये से अधिक के करीब 3000 घरों का खत मुहूर्त भी किया जाएगा।

कार्यक्रम के दौरान, प्रधानमंत्री खेड़ा, आनंद, वडोदरा, छोटा उदयपुर और पंचमहल में 680 करोड़ रुपये से अधिक के विभिन्न विकास कार्यों को समर्पित और आधारशिला रखेंगे, जिनका उद्देश्य क्षेत्र में जीवन को आसान बनाना है। प्रधानमंत्री गुजरात के दभोई तालुका के कुंडेला गांव में गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय की आधारशिला भी रखेंगे। वडोदरा शहर से लगभग 20 किमी दूर स्थित, विश्वविद्यालय का निर्माण लगभग 425 करोड़ रुपये की लागत से किया जाएगा और यह 2500 से अधिक छात्रों की उच्च शिक्षा की जरूरतों को पूरा करेगा। मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य में सुधार पर ध्यान देने के साथ, प्रधानमंत्री 'मुख्यमंत्री मातृशक्ति योजना' शुरू करेंगे, जिसमें 800 करोड़ रुपये का परिव्यय होगा। योजना के तहत आंगनबाडी केन्द्रों से गर्भवती एवं स्तनपान कराने वाली माताओं को हर माह 2 किलो चना, 1 किलो अरहर की दाल और 1 किलो खाद्य तेल निःशुल्क दिया जाएगा। प्रधानमंत्री 'पोषण सुधा योजना' के लिए लगभग 120 करोड़ रुपये का वितरण भी करेंगे, जिसे अब राज्य के सभी आदिवासी लाभार्थियों तक पहुंचाया जा रहा है। आदिवासी जिलों की गर्भवती और स्तनपान कराने वाली माताओं को आयरन और कैल्शियम की गोलियां उपलब्ध कराने और पोषण पर शिक्षा देने के प्रयोग की सफलता के बाद यह कदम उठाया जा रहा है।

श्री कालिका माता के मंदिर में प्रधानमंत्री - प्रधानमंत्री पावागढ़ पहाड़ी पर श्री कालिका माता के पुनर्विकसित मंदिर का उद्घाटन करेंगे। यह क्षेत्र के सबसे पुराने मंदिरों में से एक है और बड़ी संख्या में तीर्थयात्रियों को आकर्षित करता है। मंदिर का पुनर्विकास 2 चरणों में किया गया है। पुनर्विकास के पहले चरण का उद्घाटन प्रधानमंत्री ने इस साल की शुरूआत में अप्रैल में किया था। कार्यक्रम में उद्घाटन होने जा रहे दूसरे चरण के पुनर्विकास की आधारशिला प्रधानमंत्री ने 2017 में रखी थी। इसमें मंदिर के आधार का विस्तार और तीन स्तरों पर 'परिसर', सड़क, लाइट, सीसीटीवी सिस्टम आदि जैसी सुविधाओं की स्थापना शामिल है।

चिदंबरम ने महाराष्ट्र से राज्यसभा की सदस्यता से दिया इस्तीफा

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री पी. चिदंबरम ने गुरुवार को राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। वह महाराष्ट्र से उच्च सदन के सदस्य थे। चिदंबरम ने ट्वीट कर यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु से राज्यसभा के लिए चुने जाने के बाद उन्होंने महाराष्ट्र से उच्च सदन की सदस्यता से त्यागपत्र दे दिया है। सभापति एम. वेंकैया नायडू ने उनके त्यागपत्र को स्वीकार कर लिया है। कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि संसद के उच्च सदन में महाराष्ट्र का प्रतिनिधित्व करना उनके लिए गर्व की बात है। उल्लेखनीय है कि हाल ही में संपन्न राज्यसभा चुनाव में चिदंबरम तमिलनाडु से उच्च सदन के लिए चुने गए हैं।

'अग्निपथ' पर उत्तर प्रदेश में प्रदर्शन, मुख्यमंत्री योगी ने की अपील

-प्रदेश में कई जिलो के हिस्सों में हुआ विरोध प्रदर्शन

लखनऊ। केंद्र सरकार की अग्निपथ योजना के विरोध में सेना भर्ती के अभ्यर्थियों ने सड़कों पर उतरकर जमकर बवाल काटा। अभ्यर्थियों ने बुलंदशहर, आगरा, फिरोजाबाद, गोण्डा, उन्नाव समेत कई जिलों में विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने बसों में तोड़फोड़ की। पुलिस प्रदर्शनकारियों को समझाने का प्रयास कर रही है। पुलिस मुख्यालय की ओर से भी इस पूरे मामले में नजर बनाये रखे हुए है। अग्निपथ योजना के खिलाफ आंदोलित छात्रों से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किसी के बहकावे में न आने की अपील की है अग्निपथ योजना के विरोध में सेना भर्ती के अभ्यर्थियों ने जनपद बुलंदशहर के मुख्य भूड़ चौराहे पर बड़ी संख्या में

बैनर पोस्टर लेकर विरोध प्रदर्शन किया। सड़क जाम कर दिया। जिले में कई जगह बड़ी संख्या में युवा बैनर पोस्टर लेकर हाईवे और चौराहे पर आ गए।

प्रदर्शन कर रहे युवाओं ने शहर के मुख्य भूड़ चौराहे पर जाम लगा दिया। इसी तरह खुर्जा में भी विरोध प्रदर्शन देखने को मिला। प्रदर्शन कर रहे युवाओं की खुर्जा इंस्पेक्टर और सीओ के साथ झड़प भी हुई। मामले की सूचना मिलने पर भारी संख्या में पुलिस फोर्स और पीएसी मौके पर पहुंची और हल्का बल प्रयोग करके सभी को वहां से खदेड़ा। इस दौरान कई युवाओं को हिरासत में लिया है। प्रदर्शनकारियों ने आगरा दिल्ली हाईवे पर जाम लगा दिया। जाम के कारण हाईवे पर वाहनों की लंबी-लंबी लाइन लग गई। प्रदर्शनकारी युवाओं की मांग थी कि सेना में भर्ती पुरानी प्रक्रिया के तहत कराई जाए। जाम की सूचना पर पुलिस फोर्स पहुंच गई। प्रशासनिक अधिकारियों ने प्रदर्शनकारी युवाओं को समझाया। इसके बाद युवा हाईवे से हटे। इस दौरान बाह में प्रदर्शनकारी युवकों ने रोडवेज बस पर पथराव कर दिया। बस के शीशे टूट गए। इधर, दोपहर करीब 12 बजे बड़ी संख्या में युवाओं ने शहर में भारतीय स्टेट बैंक तिराहे पर जाम लगा दिया। इससे एमजी रोड पर बड़ी संख्या में वाहन जाम में फंस गए। प्रदर्शनकारियों ने अलीगढ़ में भी बसों पर ईंट पत्थर चलाये हैं। बुलंदशहर, आगरा के अलावा उत्तर प्रदेश के जनपद फिरोजाबाद, गोण्डा, उन्नाव, अलीगढ़ समेत कई जिलों में प्रदर्शनकारियों ने सरकार का विरोध कर इस योजना पर रोक लगाकर पुरानी योजनाओं के तहत भर्ती प्रक्रिया को चालू रखाने की मांग की गई है।

'अग्निवीर' योजना को लेकर सरकार करें पुनर्विचार : मायावती

लखनऊ, (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के लोग केंद्र सरकार की 'अग्निवीर' योजना की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। वहीं, विपक्षीय दलों ने सरकार के इस योजना को लेकर घेरना शुरू कर दिया है। इसी कड़ी में बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की प्रमुख व उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने ट्वीट कर सरकार के इस फैसले पर पुनर्विचार करने को कहा है। अपने अधिकारिक ट्वीटर हैंडल से मायावती ने गुरुवार को लगातार तीन ट्वीट किए। पहले ट्वीट में उन्होंने कहा कि 'सेना में काफी लम्बे समय तक भर्ती लम्बित रखने के बाद अब केन्द्र ने सेना में 04 वर्ष अल्पावधि वाली 'अग्निवीर' नई भर्ती योजना घोषित की है, उसको लुभावना व लाभकारी बताने के बावजूद देश का युवा वर्ग असंतुष्ट एवं आक्रोशित है। वे सेना भर्ती व्यवस्था

को बदलने का खुलकर विरोध कर रहे हैं।

दूसरे ट्वीट में कहा कि इनका मानना है कि सेना व सरकारी नौकरी में पेंशन लाभ आदि को समाप्त करने के लिए ही सरकार सेना में जवानों की भर्ती की संख्या को कमी के साथ-साथ मात्र चार साल के लिए सीमित कर रही है, जो घोर अनुचित तथा गरीब व ग्रामीण युवाओं व उनके परिवार के भविष्य के साथ खुला खिलवाड़ है। तीसरे ट्वीट में देश में लोग पहले ही बढ़ती गरीबी, महंगाई, बेरोजगारी एवं सरकार की गलत नीतियों व अहंकारी कार्यशैली आदि से दुःखी व त्रस्त हैं, ऐसे में सेना में नई भर्ती को लेकर युवा वर्ग में फैली बेचैनी अब निराशा उत्पन्न कर रही है। सरकार तुरन्त अपने फैसले पर पुनर्विचार करे, बीएसपी की यह मांग।

मोदी सरकार ने की वादाखिलाफी, बड़े आंदोलन की तैयारी में किसान : टिकैत

मुजफ्फरनगर। भाकियू प्रवक्ता चौधरी राकेश टिकैत ने कहा कि किसान बड़े आंदोलन को तैयार रहे, सरकार ने किसान आंदोलन के दौरान जो वादे किए वे वादे सरकार पूरे नहीं कर रही है। सरकार की गलत नीतियों के चलते देश गरीबी और मजदूरों की बड़ी कालोनी बनता जा रहा है। बुलडोजर की कार्रवाई एक पक्षीय नहीं होनी चाहिए, सरकार विचार करे कि दंगे के हालात क्यों पैदा हुए? उत्तराखंड के हरिद्वार में किसान महापंचायत होगी। टिकैत ने कहा कि चुनाव से पूर्व सरकार ने किसानों से अनेक वादे किए थे, लेकिन उन्हें पूरा नहीं किया जा रहा है। किसानों को समय से गन्ना भुगतान नहीं हो रहा। मुफ्त बिजली दिए जाने का वायदा हवा-हवाई साबित हो रहा। बिजली समस्या विकराल रूप धारण ले कर रही है। किसानों के नलकूपों पर मीटर लगाए जा रहे हैं, जिसका भारतीय किसान यूनियन विरोध करेगी। इन मुद्दों

को लेकर 16 से 18 जून को हरिद्वार में किसान पंचायत होगी, जिसमें देश के सभी राज्यों से किसान नेता आएंगे। टिकैत ने कहा कि बिजली की समस्या पर भाकियू मेरठ में 27 जून को पावर कारपोरेशन के एमडी कार्यालय पर पंचायत करेगी। किसानों की फसल सस्ते में लूटी जा रही हैं, एमएसपी बढ़ाने का सरकार का मैकेनिज्म ठीक नहीं है। टिकैत ने कहा कि आठ साल में देश में 16 करोड़ युवा बेरोजगार हो चुके हैं। मानीनय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि प्रतिवर्ष देश में दो करोड़ युवाओं को रोजगार दूंगा, लेकिन रोजगार नहीं मिल रहा है। आरोप लगाया कि देश में केवल वोट के लिए काम हो रहा है। टिकैत ने कहा कि कुछ जगहों पर बुलडोजर भेदभाव से चल रहा है। सरकार को विकास का माडल तैयार करना चाहिए और शिक्षा पर काम हो। देश के हालात अजीब बनते जा रहे हैं। देश आने वाले समय में मजदूर और गरीबो कालोनी बन जाएगा। जहां बड़ी-बड़ी कंपनियां देश में आएगी, वहीं खेती करेंगी और फैक्ट्री लगाएंगी।

राजेंद्र नगर विधानसभा में दुर्गेश पाठक के लिये आज 'रोड शो' करेंगे मुख्यमंत्री

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक एवं मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल राजेंद्र नगर विधानसभा सीट पर हो रहे उपचुनाव में आप प्रत्याशी दुर्गेश पाठक के समर्थन में कल से रोड शो कर वहां की जनता से वोट मांगेंगे। मुख्यमंत्री का यह रोड शो 17, 18 और 19 जून को आयोजित होगा। इस रोड शो में आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी दुर्गेश पाठक समेत कई वरिष्ठ नेता भी मौजूद रहेंगे। मुख्यमंत्री के रोड शो को लेकर आप कार्यकताओं और समर्थकों के साथ राजेंद्र नगर विधानसभा क्षेत्र की जनता में भारी उत्साह और जोश है। आम आदमी पार्टी ने राजेंद्र नगर विधानसभा सीट पर हो रहे उपचुनाव के लिए पार्टी के वरिष्ठ नेता दुर्गेश

पाठक को प्रत्याशी बनाया है, जहां 23 जून को मतदान होना है। बीते दिल्ली विधानसभा चुनाव के दौरान आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं वर्तमान में राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा, राजेंद्र नगर विधानसभा सीट से एमएलए चुने गए थे। राघव चड्ढा ने क्षेत्र की जनता से आशीर्वाद प्राप्त कर भारी मतों के अंतर से जीत दर्ज की थी। अब आम आदमी पार्टी ने राघव चड्ढा को राज्यसभा में भेज दिया है, जिसके बाद से राजेंद्र नगर विधानसभा सीट खाली है और अब इस सीट पर उपचुनाव हो रहा है। आम आदमी पार्टी ने राजेंद्र नगर विधानसभा सीट से पार्टी के वरिष्ठ नेता दुर्गेश पाठक को प्रत्याशी बनाया है। राजेंद्र नगर में हुए विकास कार्य से वहां की जनता काफी खुश है और आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता दुर्गेश पाठक को प्रत्याशी बनाए जाने से उत्साहित है।

आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश संयोजक एवं कैबिनेट मंत्री गोपाल राय, उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया समेत अन्य वरिष्ठ नेता लगातार जनसंवाद कर क्षेत्र की जनता से अपने प्रत्याशी दुर्गेश पाठक को रिकॉर्ड मतों से जीत दिलवाने की अपील कर रहे हैं, ताकि क्षेत्र का विकास कार्य बाधित न हो सके।

सरकार में नहीं है सेना के प्रति सम्मान : राहुल गांधी

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने केन्द्र सरकार की ओर से शुरू की गई योजना "अग्निपथ" पर आपत्ति जताई है। राहुल ने गुरुवार को ट्वीट कर कहा कि केन्द्र सरकार न तो सेना का सम्मान करती है न ही युवाओं के भविष्य की चिंता है। राहुल ने कहा कि अग्निपथ योजना में न कोई रैंक है न ही कोई पेंशन की व्यवस्था है। बीते दो वर्षों में सेना में कोई सीधी भर्ती तक नहीं की गई है। उन्होंने कहा अग्निपथ योजना के तहत चार साल काम करने के बाद वह युवा कहां जाएंगे। राहुल ने कहा कि केन्द्र सरकार के इस कदम से साफ हो गया है कि वह सेना का सम्मान नहीं करती है। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी से अपील करते हुए कहा कि देश के बेरोजगार युवाओं की आवाज सुनिए। इन्हे 'अग्निपथ' पर चला कर इनके संयम की 'अग्निपरीक्षा' मत लीजिए। उल्लेखनीय है कि बीते मंगलवार को केन्द्र सरकार ने सेना में युवाओं की भर्ती के लिए "अग्निपथ" योजना की घोषणा की थी। इस योजना के तहत युवा सेना में चार साल की सेवा दे सकेंगे। चयनित युवा 'अग्निवीर' के नाम से जाने जाएंगे। योजना के तहत इन्हें 30 हजार रुपये वेतन दिया जाएगा। अग्निवीरों को 48 लाख रुपये का बीमा कवर भी मिलेगा।

सेवा के दौरान शहीद होने पर या दिव्यांग होने पर 44 लाख रुपये का मुआवजा देने का प्रावधान है। 'अग्निवीर के लिए लिए कोई भी 17.5 से 21 वर्ष के बीच का युवा आवेदन कर सकता है। इस योजना के तहत सरकार ने इस वर्ष 46 हजार युवाओं को भर्ती करने का लक्ष्य रखा है।

सम्पादकीय

ऐतिहासिक सच्चाई को समझे भारतीय मुसलमान

भारत विभाजन के समय जिन मुसलमानों की मानसिकता विभाजनकारी थी, वह सभी पाकिस्तान चले गए। लेकिन कई मुसलमान ऐसे भी थे, जिनको भारत ही पसंद था, ऐसे मुसलमानों ने भारत में ही रहना पसंद किया। वह एक प्रकार से शांति प्रिय मुसलमान ही था। आज भी भारत के मुसलमान शांति प्रिय हैं, लेकिन कुछ लोग पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगान के कट्टरपंथी मुसलमानों के संकेत पर भारत के मुसलमानों को भड़काने का काम कर रहे हैं। जो शांत प्रिय मुसलमानों को अशांत करने का एक बड़ा कारण माना जा सकता है। यहां बड़ा सवाल यह आता है कि आज विश्व के अनेक देशों में मुसलमानों को संदेह की दृष्टि से देखा जाता है। इस संदेह के कारण ही सीधा साधा और शांति प्रिय मुसलमान परेशान हो रहा है, वास्तव में जिहादी संगठन ही आज मुसलमानों की दुर्दशा के कारण हैं, मुसलमानों को इस सत्य को स्वीकार करना ही चाहिए। भारत में भी कई जगह जो मुसलमान शक के दायरे में हैं, हो सकता है कि वे मुसलमान भारत के न हों, क्योंकि हम जानते हैं कि देश में आज पाकिस्तान, बंगलादेश, अफगान और ईरान के मुसलमान भी निवास कर रहे हैं। कई लोग तो ऐसे हैं जो अपने देश से वीजा लेकर भारत आए और यहां आकर वह वीजा अवधि समाप्त होने के बाद भी रह रहे हैं, इतना ही नहीं आज उनकी पहचान करना भी मुश्किल हो रही है, क्योंकि वे कट्टरवादी, भारतीय मुसलमानों में समा गए हैं। सीधे शब्दों में कहा जाए तो यही कहना होगा कि उनको भारत में कट्टरवादी मुसलमानों ने ही आश्रय दिया है। जो उनके लिए अशांति का वातावरण निर्मित कर रहे हैं। जहां तक भारत के मुसलमानों का सवाल है तो यही कहा जा सकता है कि भारत के मुसलमान मूलतः हिन्दू हैं। उनके पूर्वज हिन्दू हैं। इनमें से कुछ मुसलमान इसलिए कट्टर हो गए हैं, क्योंकि वे पाकिस्तान या बांग्लादेश के कट्टरपंथियों के सम्पर्क में हैं। भारत का जो भी मुसलमान इन दोनों देशों से आया है, वह भारत के संस्कार नहीं समझ सकता। इसके विपरीत भारत का वास्तविक मुसलमान स्वभाव से हिन्दू होने के कारण आज भी शांति चाहता है। यही लोग एनआरसी का विरोध करते दिखाई देते हैं और यही लोग भारत को तोड़ने का दुस्साहस कर रहे हैं। इसलिए भारत के मुसलमानों को चाहिए कि वह इनके बहकावे में नहीं आएं, क्योंकि इससे उनका तो भला होगा, लेकिन भारत के मुसलमानों का नहीं। क्या कभी किसी ने इस बात पर गौर किया है कि आज अनेक मुस्लिम देश आतंक से परेशान हैं। आज समस्त विश्व वैश्विक शांति के लिए प्रयास कर रहा है, वर्तमान समय में यह आवश्यक भी है और तथ्यपरक बात यह है कि विश्व शांति के जिस दर्शन की ओर दुनिया के लोग जाने का प्रयास कर रहे हैं, वह दर्शन भारतीयता में हैं। कहना तर्कसंगत ही होगा कि भारतीय दर्शन से ही शांति की स्थापना हो सकेगी। हम जानते हैं कि भारत के जिन कट्टरपंथी मुसलमानों ने वर्ष 1947 में जिस प्रकार से पाकिस्तान का निर्माण किया। उसके पीछे केवल कट्टरवादिता ही थी। वे आज भारत के मुसलमानों के हाथ में पत्थर थमाना चाहते हैं। अगर उनको भारत के मुसलमानों के बारे में चिंता है तो वह उन्हें रोजगार के साधन देने का प्रयास करें, जिससे वह अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत कर सकें। इसके अलावा सबसे बड़ा सत्य तो यह है कि भारत और पाकिस्तान में निवास करने वाले मुसलमान के पूर्वज पहले हिन्दू ही थे। अगर वे इतिहास उठाकर देखेंगे, तो उन्हें इस सच्चाई का पता चल जाएगा। वैसे भारत के कई मुसलमान आज भी इस सत्य को बेहिचक स्वीकार करने का साहस दिखाते हैं। यह भी सच है कि दुनियाभर में जितने भी मुसलमान निवास करते हैं, उनमें सबसे ज्यादा सुरक्षित भारत में ही हैं। आज कुछ मुसलमान संदेह की दृष्टि से देखे जा रहे हैं, उसके पीछे भी सबसे बड़ा कारण स्वयं मुसलमान ही है। तथाकथित मुस्लिम समुदाय जहां भारत में अमन चैन व शांति को भंग करने के प्रयास में लगा हुआ है, वहीं बाहरी तत्व इसको हवा देने का कार्य कर रहे हैं। नूपुर शर्मा के मामले में यही कहा जाएगा कि इसमें मुसलमानों को गुमराह करने का काम किया गया। नूपुर शर्मा ने जो बोला, उस सत्य से मुसलमान भी परिचित है। उनकी किताब भी यही कहती है। फिर यह बवंडर क्यों? यह ऐतिहासिक सच्चाई है कि विदेशी मुस्लिम बादशाहों ने भारत पर कभी लूटपाट के लिए और कभी अपनी सत्ता स्थापित कर इस्लामी झंडा फहराते हुए भारत की धर्म, संस्कृति और परंपरा को क्रूरता से कुचलने की लगातार कोशिश की। चाहे बाबर, तैमूर, गौरी हो या औरंगजेब हो, सभी की बर्बरता की कहानी इतिहास चीख-चीखकर कह रहा है।

चिकित्सा शिक्षा में गुणवत्ता की कमी

लेखक-प्रमोद भार्गव
/ईएमएस

देश में चिकित्सकों की कमी के बावजूद चिकित्सा शिक्षा में स्नातकोत्तर कक्षाओं में 1456 सीटें खाली रह जाना चिंता का सबब हैं। ये सीटें राष्ट्रीय पात्रता प्रवेश परीक्षा (नीट पीजी) के बाद खाली रह गईं। इसे लेकर शीर्ष न्यायालय नाराजगी जताते हुए चिकित्सा परामर्श समीति (एमसीसी) को कड़ी फटकार लगा चुका है। हिदायत दी कि एक भी सीट खाली नहीं रहनी चाहिए। विशेष परामर्श से सीटें भरी जाएं। मगर अगली सुनवाई में न्यायालय ने केंद्र और एमसीसी के फैसले को सही मानते हुए कहा कि इसे मनमाना निर्णय नहीं कह सकते, क्योंकि पढ़ाई की गुणवत्ता से समझौता नहीं किया जा सकता। यदि ऐसा करते हैं तो लोक स्वास्थ्य प्रभावित होगा। अतैए एमसीसी का निर्णय जनस्वास्थ्य के हित में है। बावजूद इसके सच यह है कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की कमी के चलते बड़ी संख्या में सीटें खाली रह गईं। साथ ही कई प्रतिभावान छात्र जटिल विषयों में पीजी करना नहीं चाहते । जब कोई प्रचलित व्यवस्था संकट में आती है तो सवालों का उठना लाजिमी है। मेडिकल चिकित्सा के पीजी पाठ्यक्रमों में खाली सीटें रह जाने में छात्रों की रुचि नहीं होना भी है। इस परिप्रेक्ष्य में 2015-16 में शल्य चिकित्सक हृदय (कॉर्डियक) में 104, हृदयरोग विषेशज्ञ 55, बालरोग विषेशज्ञ 87, प्लास्टिक सर्जरी 58, स्नायु-तंत्र विषेशज्ञ (न्यूरोलॉजिस्ट)-48 और स्नायुतंत्र शल्यक्रिया विषेशज्ञों की भी 48 सीटें रिक्त रह गईं थीं। इस कमी के दो कारण गिनाए गए थे। एक -इन पाठ्यक्रमों की प्रवेश परीक्षा के लिए योग्य अभ्यर्थी पर्याप्त संख्या में नहीं मिले। दूसरा-पीजी के लिए जो योग्य विद्यार्थी मिले भी, उन्होंने इन पाठ्यक्रमों में पढ़ने से मना कर दिया। अब 1456 सीटें खाली रहने के पीछे योग्य विद्यार्थियों का उपलब्ध नहीं होना बताया गया है। आखिर क्या कारण हैं कि चिकित्सा शिक्षा में सुविधाएं बढ़ जाने के बावजूद गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध क्यों नहीं कराई जा पा रही है? ऐलौपैथी चिकित्सा विषेशज्ञों का मानना है कि विद्यार्थी उन पाठ्यक्रमों में अध्ययन करना नहीं चाहते, जिनमें विषेशज्ञता प्राप्त करने में लंबा समय लगता है। इसके उलट वे ऐसे पाठ्यक्रमों में दक्षता हासिल करना चाहते हैं, जहां जल्दी ही विषेशज्ञता की उपाधि प्राप्त कर धन कमाने के अवसर मिल जाते हैं। गुर्दा, नाक, कान, दांत, गला रोग एवं विभिन्न तकनीकी जांच विषेशज्ञ 35 साल की उम्र पर पहुंचने के बाद शल्य क्रिया शुरू कर देते हैं, जबकि हृदय और तांत्रिका-तंत्र विषेशयज्ञों को यह अवसर 40-45 साल की उम्र बीत जाने के बाद मिलता है। साफ है, दिल और दिमाग का मामला बेहद नाजुक है, इसलिए इनमें लंबा अनुभव भी जरूरी है। लेकिन यह समस्या अनवरत बनी रही तो भविष्य में इन रोगों के उपचार से जुड़े चिकित्सकों की कमी तय है। इस व्यवस्था में कमी कहां है, इसे ढूंढना और फिर उसका निराकरण करना तो सरकार और एलोपैथी शिक्षा से जुड़े लोगों का काम है। सवाल पूछा जा सकता है कि इसके कारणों के नेपथ्य में भारतीय चिकित्सा परिषद को खारिज कर ह्यराष्ट्रीय चिकित्सा परिषदह्य बनाना और चिकित्सा शिक्षा का लगातार महंगा होते जाना तो नहीं? साल 2016 में एमएमसी अस्तित्व में लाने का निर्णय केंद्र सरकार ने लिया था। आरंभ में इसका मकसद चिकित्सा शिक्षा के गिरते स्तर को सुधारना, इस पेशे को भ्रष्टाचार मुक्त बनाना और निजी चिकित्सा महाविद्यालयों के अनैतिक गठजोड़ को तोड़ना था। लेकिन जब एनएमसी कानून में आया तो इसमें प्रमुख लोच रहा कि आयुर्वेद, होम्योपैथी और यूनानी चिकित्सक भी सरकारी स्तर पर (ब्रिज कोर्स) करके वैधानिक रूप से एलोपैथी चिकित्सा करने के हक पा लेते हैं। यह सिलसिला अनेक स्वयंसेवी संगठनों के माध्यम से देशभर में चल भी पड़ा है। इस पाठ्यक्रम का 25,000 शुल्क है। हालांकि अभी भी इनमें से ज्यादातर चिकित्सक बेखटके ऐलोपैथी की दवाएं लिखते हैं, किंतु यह व्यवस्था अभी गैरकानूनी है और जिले के सरकारी स्वास्थ्य विभाग के कदाचरण पर चलती है। संभव है, इस विरोधाभास को खत्म करने और गैरकानूनी इलाज को कानूनी बना देने के नजरिए से ही इस कानून में सेतु पाठ्यक्रम की सुविधा देकर इन्हें एलोपैथी चिकित्सा की वैधता प्रदान करना रहा हो ? मगर मासूम और अहम सवाल यह है कि क्या किसी साधारण ऑटो-टैक्सी लाइसेंसधारी चालक को कुछ समय प्रशिक्षण देकर हवाई जहाज चलाने की अनुमति दी जा सकती है ?दरअसल उपचार की हरेक पद्धति वैज्ञानिक है। सैकड़ों साल के प्रयोग व प्रशिक्षण से वह परिपूर्ण हुई है। सबकी पढ़ाई भिन्न हैं। रोग के लक्षणों को जानने के तरीके भिन्न हैं और दवाएं भी भिन्न हैं। ऐसे में चार-छह माह की एकदम से भिन्न पढ़ाई करके कोई भी वैकल्पिक चिकित्सक एलौपैथी का मास्टर नहीं हो सकता। गोया जब दूसरी चिकित्सा प्रणाली को एलोपैथी उपचार करने की सुविधा मिल जाएगी तो फिर पीजी की कठिन पढ़ाई करने की जरूरत ही क्यों रह जाएगी। एमबीबीएस और इससे जुड़े विषयों में पीजी में प्रवेश के लिए बहुत कठिन परीक्षा है। एमबीबीएस में कुल 67,218 सीटें हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन 1000 की आबादी पर एक डॉक्टर की मौजदूगी अनिवार्य मानता है। हमारे यहां यह अनुपात 0.62.1000 है। 2015 में राज्यसभा में तत्कालीन केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने बताया था कि 14 लाख एलोपैथी चिकित्सकों की कमी है। किंतु अब यह कमी 20 लाख के पार चली गई है। इसी तरह 40 लाख नर्सों की कमी है। यह खाई कैसे पटेगी, यह गंभीर सवाल है। एमबीबीएस शिक्षा के साथ कई तरह से खिलवाड़ हो रहा है। कायदे से उन्हीं छात्रों को मेडिकल कॉलेज में प्रवेश मिलना चाहिए, जो सीटों की संख्या के अनुसार नीट परीक्षा से चयनित हुए हैं। आलम है कि जो छात्र दो लाख से भी ऊपर की रैंक में हैं, उसे भी धन के बूते प्रवेश मिल जाता है। यह स्थिति इसीलिए बनी हुई है। जो मेधावी छात्र निजी कॉलेज की फीस अदा करने में सक्षम नहीं हैं, वह मजबूरीवश अपनी सीट छोड़ देते हैं। बाद में इसी सीट को निचली श्रेणी में स्थान प्राप्त छात्र खरीदकर प्रवेश पा जाते हैं। यह किसी से छिपा नहीं है कि इस सीट की कीमत कथित तौर पर कई करोड़ रुपये होती है। गोया जो छात्र एमबीबीएस में प्रवेश की पात्रता नहीं रखते, वह भी इस जिम्मेदार पेशे के पात्र बन जाते हैं। ऐसे में इनसे दायित्व के प्रति कोई नैतिक प्रतिबद्धता की उम्मीद बेमानी है। ऐसे बच्चे कैसे अच्छे पेशेवर बनेंगे, यह सवाल लंबे समय उठ रहा है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

आज का कार्टून।

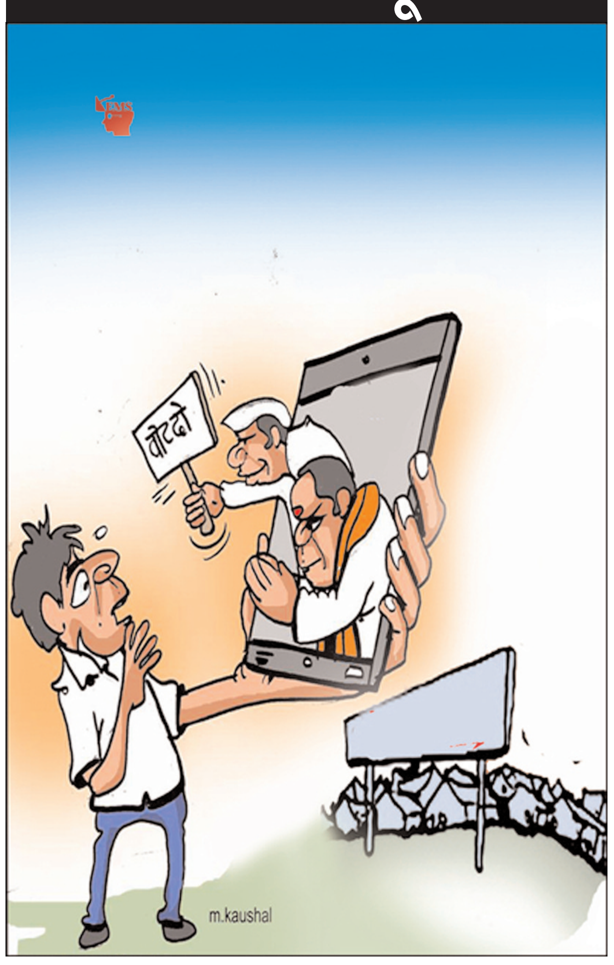

आतंक का सफाया

लेखक-सिद्धार्थ शंकर
/ईएमएस

जम्मू कश्मीर में आतंक का सफाया शतक पार कर गया है। 2022 के शुरूआती 5 महीनों और 12 दिन के अंदर पुलिस और सेना ने 100 आतंकी मार गिराए। इस साल अब तक घाटी के अलग-अलग इलाकों में हुई मुठभेड़ों में 71 स्थानीय और 29 विदेशी आतंकवादियों को मार गिराया गया है। सेना और पुलिस ने मिलकर आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के 63 और जैश-ए-मोहम्मबद के 24 आतंकी मार गिराए। जानकारी के मुताबिक इस साल कुल 61 एनकाउंटर हुए। इनमें 47 आतंकियों और उनके 185 मददगारों को गिरफ्तार किया गया। वहीं इन मुठभेड़ों में 17 आम नागरिकों और 16 पुलिस और सेना के जवानों को भी अपनी जान गंवानी पड़ी। पिछले साल इसी टाइम लिमिट में आतंकियों के मारने का आंकड़ा 50 तक ही पहुंच सका था। इनमें 49 लोकल टेररिस्ट और 1 विदेशी आतंकी शामिल था। लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा आदिल पारे के एनकाउंटर के बाद सैकड़ा पूरा हुआ। आदिल जम्मू-कश्मीर में दो पुलिस कर्मियों की हत्या में शामिल था। श्रीनगर के क्रिसबल पालपोरा संगम इलाके में आतंकवादियों और श्रीनगर पुलिस की एक छोटी टीम के साथ एक मुठभेड़ शुरू हुई। लश्कर का यह आतंकी जम्मू कश्मीर पुलिस दो जवानों हसन डार की हत्या और अंचार सौरा में सैफुल्ला कादरी की हत्या में शामिल था। इसने 9 साल की लड़की को घायल भी कर दिया था। जम्मू-कश्मीर में बड़ी संख्या में आतंकवादियां का मारा जाना निश्चित रूप से एक बड़ी कामयाबी है। लेकिन इस दौरान 16 जवानों सहित 17 नागरिकों की जान चली गई और यह देश के लिए बड़ा नुकसान है। इसके बावजूद यह कहा जा सकता है कि आतंकवाद से पीड़ित इस राज्य में सुरक्षा बलों को आतंकवादियों का सामना करने के मामले में कामयाबी की दर बढ़ रही है। पिछले कई दशक से आतंकवाद पर काबू पाने के मकसद से की जा रही तमाम कवायदों के बावजूद आज भी कई बार

आतंकी गिरोह सुरक्षा बलों पर हमले कर अपनी मौजूदगी का अहसास कराते रहते हैं। लेकिन यह भी सच है कि पिछले कुछ समय से खुफिया सूचनाओं के लेन-देन के मोर्चे पर अलग-अलग सुरक्षा एजेंसियों के बीच तालमेल बेहतर हुआ है और इसमें स्थानीय आबादी को भी सहयोग की भूमिका में लाने की कोशिश की गई है। इसका हासिल यह है कि आतंकवादियों के अचानक हमलों से निपटने के लिए की जाने वाली पूर्व तैयारी या रणनीति बनाने में काफी मदद मिली है। निश्चित तौर पर इससे हिज्बुल मुजाहिदीन और लश्कर-ए-तैयबा जैसे आतंकवादी संगठनों को करारा झटका लगा है, जो पाकिस्तान की शह पाकर भारत में आतंकवादी घटनाओं को अंजाम देते रहते हैं। विडंबना यह भी है कि भारत की ओर से लगातार चेतावनी और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर तमाम फजीहत के बावजूद पाकिस्तान लश्कर-ए-तैयबा जैसे आतंकी संगठनों के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई करने की जहमत नहीं उठाता। पिछले कुछ समय से जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद की ओर आकर्षित हो रहे युवाओं या उनके परिजनों से संवाद कायम कर उन्हें आतंक के रास्ते से वापस लाने की कवायदें भी साथ चल रही हैं। इनमें कुछ मामलों में परिजनों की अपील के बाद आतंकी दस्तों से कुछ युवाओं को वापस लाने में सफलता भी मिली है। जाहिर है, सुरक्षा बलों की चौकसी और अभियानों के साथ-साथ स्थानीय आबादी को विश्वास में लेने की रणनीति आतंकवाद की समस्या के दीर्घकालिक हल का रास्ता तैयार कर सकती है।

बल और बुद्धि में संतुलन जरुरी

एक बार बल और बुद्धि में विवाद हो गया। बल ने कहा,'मैं बड़ा हूं। मेरे बिना कुछ भी नहीं होता।' बुद्धि ने कहा,'तुम किसी काम के नहीं हो। मैं बड़ी हूं। मेरे बिना तुम्हारी उपयोगिता ही क्या है?' दोनों इस विषय पर उलझ गए। विवाद का निपटारा करने के लिए वे विवेक के पास पहुंचे। दोनों ने अपनी-अपनी श्रेष्ठता बताते हुए न्याय करने की प्रार्थना की। विवेक ने कहा,'मेरे साथ चलो। मैं न्याय करूंगा।' उसने अपने हाथ में एक हथौड़ा और लोहे की एक कील ली। वह कील मुड़ी हुई थी। विवेक उन दोनों को साथ लेकर चल पड़ा। वे तीनों एक वृद्ध व्यक्ति के पास पहुंचे। विवेक बोला,'आप समझदार हैं, बुद्धिमान और अनुभवी हैं। हमारा एक छोटा-सा काम कर दें। यह लोहे की कील टेढ़ी हो गई। आप इसे सीधी कर दें।' वृद्ध ने कहा-'हां कर दूंगा।' विवेक ने वृद्ध के हाथ में हथौड़ा थमा दिया। वृद्ध व्यक्ति ने हथौड़ा चलाना चाहा किंतु वह उसे चला नहीं सका। उसके हाथ इस कार्य को करने में असमर्थ थे। उसने हथौड़ा लौटाते हुए कहा,'भाई, यह कार्य संभव नहीं है।' विवेक ने बुद्धि से कहा,'देखो, बुद्धिमान होते हुए भी यह वृद्ध इस छोटे से कार्य को नहीं कर सका।' बुद्धि, बल और विवेक तीनों आगे बढ़े। विवेक ने देखा एक हट्टा-कट्टा जवान खेत में काम कर रहा है। वह शक्तिशाली था किंतु बुद्धिमान नहीं था। तीनों उस जवान के पास पहुंचे। विवेक ने कहा,'भैया, तुम बहुत शक्तिशाली हो। क्या तुम हमारा एक काम कर दोगे? यह लोहे की कील टेढ़ी हो गई है। इसे सीधा करना है। तुम इस हथौड़े से इसे सीधा बना दो।' जवान ने हथौड़ा हाथ में लिया। कील को रेतीले टीले पर रखा। उस पर हथौड़े से एक जोरदार प्रहार किया। उस तेज प्रहार से खूब रेत उड़ी और सबकी आंखों में भर गई। कील भूमि के अंदर तक चली गई। विवेक ने बल से कहा,'जब बल होता है, बुद्धि नहीं होती, तब यही स्थिति बनती है।' बल और बुद्धि दोनों का अहंकार आहत हो उठा। विवेक ने कहा-'बलवान वही है, जिसमें बल और बुद्धि दोनों हो।' जब तक मनुष्य में अपने बल और बुद्धि का घमंड रहेगा, उस पर भगवान की कृपा नहीं होगी। उसके बल की समाप्ति के बाद ही, भगवान का बल प्रारंभ होता है। भगवान को भूलकर मनुष्य कितना ही बुद्धि का विकास कर ले और कितना ही बलशाली बन जाए, उसे अपने लक्ष्य में सफलता नहीं मिल सकती। प्रेम से पुकारने पर भगवान खुद ही दौड़े चले आते हैं। सुदामा जब बाल सखा से मिलने पहुंचे तो उनके मन में कई शंकाएं थीं। भगवान श्रीकृष्ण को पता चला कि सुदामा उनसे मिलने आए हैं तो वे सुदामा को लाने के लिए नंगे पाव दौड़ पड़े।

हिंसा,समस्या है ,समाधान नहीं

लेखक-तनवीर जाफरी
(ईएमएस)

इस्लाम धर्म के पैगंबर हजरत मुहम्मद पर भारतीय जनता पार्टी की एक प्रवक्ता द्वारा गत 26 मई को एक न्यूज चैनल में चल रही डिबेट के दौरान की गयी आपत्ति जनक टिप्पणी तथा दिल्ली भाजपा के एक प्रवक्ता द्वारा अल्पसंख्यक समुदाय के विरुद्ध किये गये एक आपत्तिजनक ट्वीट को लेकर खड़ा हुआ विवाद बढ़ता ही जा रहा है। अरब जगत के कई देशों, 57 इस्लामिक देशों के संगठन ऑर्गेनाइजेशन ऑफ इस्लामिक कोऑपरेशन यानी ओआईसी तथा और कई देशों ने भाजपा प्रवक्ताओं की मुहम्मद साहब को लेकर की गयी टिपण्णी पर न केवल एतराज जताया बल्कि कुछ देशों ने भारत से माफी मांगने को भी कहा। जबकि कुछ देशों ने उनके अपने देशों में बिक रहे भारतीय उत्पादों का बहिष्कार करने की भी घोषणा की। हालांकि भारत सरकार ने अरब देशों को ये समझाने का प्रयास किया कि इन दोनों नेताओं के बयान का भारत सरकार के रूख व आधिकारिक नीतियों से कोई वास्ता नहीं है। भारत सभी धर्मों का समान रूप से सम्मान करने वाला देश है। और अपने इसी स्टैंड को स्पष्ट करते हुये सत्तारूढ़ भाजपा ने अपने इन दोनों ही नेताओं को पार्टी से यह कहते हुये निष्कासित भी कर दिया कि इन नेताओं के बयान सरकार व पार्टी की सोच को प्रतिबिंबित नहीं करते और यह नेता हाशिये पर गये हुये लोग हैं। यह विवाद इतना बढ़ा कि भारत में गत शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, तेलंगाना, महाराष्ट्र, झारखंड आदि राज्यों के विभिन्न शहरों में अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों द्वारा इन विवादित नेताओं के विरुद्ध नारेबाजी की गयी व प्रदर्शन किये गये। बंगाल,रांची व इलाहबाद जैसे कई शहरों में तो इन प्रदर्शनों ने हिंसक रूप धारण कर लिया। आये दिन अल्पसंख्यकों पर जुल्म ढाने वाला देश पाकिस्तान भी भारतीय अल्पसंख्यकों व पैगंबर की हमदर्दी में खड़ा दिखाई दिया। गौरतलब है कि पाकिस्तान स्वयं में ही एक ऐसा बदनाम व अनियंत्रित देश है जहां न तो वहां का अल्पसंख्यक स्वयं को सुरक्षित महसूस करता है न ही वहां अल्पसंख्यकों के आराधना स्थल सुरक्षित हैं। उपद्रवियों द्वारा पाकिस्तान में अनेक बार मंदिर,गुरद्वारों,इमामबार गाहों व दरगाहों पर हिंसक आक्रमण किये जा चुके हैं । इस ताजातरीन विवाद में भी पाकिस्तान में कराची के कोरंगी क्षेत्र में गत 8 जून को मारी माता मंदिर नामक एक हिन्दू धर्मस्थान में आधा दर्जन से अधिक सशस्त्र गुंडे बंदूकों के साथ मंदिर परिसर में घुस गए।

उन्होंने मंदिर में तोड़फोड़ की और एक मूर्ति को भी तोड़ दिया गया। आरोप है कि गुंडों ने पहले हनुमान मंदिर को तोड़ा, उसके बाद गणेश मंदिर को तोड़ा। स्थानीय हिन्दू समुदाय के लोगों का कहना है कि वे अपने परिवारों व समुदाय के साथ 1961 से इस क्षेत्र में रह रहे हैं परन्तु यहां पहले कभी ऐसा हादसा नहीं हुआ। पाकिस्तान में तो अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों के अपहरण,जबरन धर्म परिवर्तन तथा जोर जबरदस्ती शादीयाँ करने की भी खबरें आती रहती हैं। परन्तु आश्चर्य है कि वही पाकिस्तान भारत विरोध का मौका पाते ही भारत को नसीहत देने लगा ? हद तो यह है कि अफगानिस्तान जैसे कट्टरपंथी तालिबान शासित देश जो कि मानवाधिकार उल्लंघन और कट्टरपंथी सोच को लेकर पूरे विश्व में कुख्यात है। महात्मा बुद्ध जैसे विश्व शांति दूत की विश्व की सबसे विशाल प्रतिमाओं को तोपों से जिन तालिबानों ने ध्वस्त किया हो आज वह भी भारत को 'प्रवचन' देने वालों की पंक्ति में खड़ा दिखाई दे रहा है? इसमें कोई शक नहीं कि भारत में वर्तमान सत्तारूढ़ दल भाजपा अपने रूढ़ीवादी विचारों के प्रति पूर्वाग्रही दृष्टिकोण रखती है। परन्तु भाजपा के सत्ता में होने के बावजूद समग्र भारत का दृष्टिकोण आज भी गांधीवादी तथा सर्व धर्म समभाव का ही है। भाजपा को भारत में अल्पसंख्यकों से कहीं अधिक भारतीय उदारवादी हिन्दू समुदाय के लोगों का ही वैचारिक विरोध झेलना पड़ता है। लिहाजा भारतीय मुसलमानों को किसी ओ आई सी या पाकिस्तान व अफगानिस्तान जैसे तानाशाह, क्रूर व अल्पसंख्यक विरोध व अल्पसंख्यकों के धर्मस्थलों व आराध्यों का अपमान व निरादर करने वाले देशों की ओर देखने व उनके बहकावे में आने की कोई जरुरत नहीं है। बेशक हजरत मुहम्मद के अपमान से भारतीय मुसलमानों सहित पूरा मुस्लिम जगत आहत हुआ है परन्तु हिंसा,उपद्रव या अपमान जनक टिप्पणी का जवाब दूसरों के आराध्यों को अपमानित कर के देना,यह किसी समस्या का हल आखिर कैसे हो सकता है ? हिंसक प्रदर्शन कर,थानों व पुलिस की गाड़ियों में आग लगाकर,निजी व सरकारी संपत्तियों को नुकसान पहुंचाकर अपने हिंसक विरोध प्रदर्शनों को जायज नहीं ठहरा सकते। भारतीय मुसलमानों के समक्ष इस समय एक बड़ी अभूतपूर्व चुनौती दरपेश है । उन्हें पूरी सूझ बूझ और होश हवास से अपनी कोई प्रतिक्रिया देने की जरुरत है। यह देश किसी एक धर्म जाति का नहीं बल्कि समस्त भारत वासियों का है। और अपने देश में अमन शांति बनाये रखना प्रत्येक भारतवासी की पहली जिम्मेदारी है। शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन,धरना आदि निश्चित तौर पर हम सबका संविधान निहित अधिकार है परन्तु हिंसा व उपद्रव हरगिज नहीं। सी ए ए के विरुद्ध हुये राष्ट्रव्यापी धरने व दिल्ली में एक वर्ष तक चला शांतिपूर्ण किसान आंदोलन इसका जीता जागता सुबूत है। परन्तु राजनीति के बुलडोजर काल ' में और दिल्ली दंगों से लेकर जहांगीर पुरी दंगों तक व मध्य प्रदेश में कई जगहों पर हुई सांप्रदायिक हिंसा व इनके बाद कथित रूप से की गयी इकतरफा प्रशासनिक कार्रवाई से यह स्पष्ट हो चुका है कि हिंसक कार्रवाई में शामिल किसी भी व्यक्ति के विरुद्ध सरकार उसकी संपत्ति तहस नहस करने से लेकर कोई भी बड़ी से बड़ी कार्रवाई तक कर सकती है।

लिहाजा नीति और नीयत दोनों का ही यही तकाजा है कि लाख उकसावे के बावजूद मुल्क में अमन शांति बनाकर रखी जाये। भारतीय उदारवादी बहुसंख्य समाज तथा यहाँ के संविधान व कानून पर पूरा विश्वास किया जाये। इन्हीं हिंसक घटनाओं ने व पिछले 1400 वर्षों के हिंसा के इतिहास ने ही आज मुसलमानों के विरुद्ध 'इस्लामोफोबिया ' का विश्वव्यापी माहौल बना दिया है।

प्रसंगतः रेत का पुल

भारद्वाज ऋषि के पुत्र यवक्रीत को विद्यार्जन में रुचि नहीं थी। इसलिए वह अध्ययन से दूर रहे पर बाद में उन्हें अहसास हुआ कि अशिक्षित होने और शास्त्रों का ज्ञान नहीं होने के कारण समाज में उनका सम्मान नहीं होता। लेकिन चूंकि उनकी उम्र ज्यादा हो चुकी थी, विधिवत शिक्षा ग्रहण करने का समय निकल चुका था, इसलिए उन्होंने सोचा कि क्यों न देवताओं की तपस्या करके उन्हें प्रसन्न किया जाए और वरदान मांग कर सारी विद्याएं प्राप्त कर ली जाएं। वह गंगा किनारे भगवान को खुश करने के लिए ध्यानमग्न हो गए। भगवान इंद्र उनके मन की बात समझ गए। एक दिन वह साधु का वेश धारण करके वहां आए और दोनों हाथों से रेत उठा कर पानी में डालने लगे। थोड़ी देर में यवक्रीत की आंखें खुलीं। उन्होंने साधु को पानी में बालू डालते देख कर पूछा, 'आप यह क्या कर रहे हैं?' साधु ने कहा, 'गंगा के ऊपर पुल बना रहा हूं।' यवक्रीत ने कहा, 'आप तो बड़े ज्ञानी लगते हैं लेकिन यह मूर्खता वाला काम क्यों कर रहे हैं। कहीं बालू से पुल बनता है। बालू तो पानी में गिरते ही उसमें घुल जाता है।' यह सुन कर साधु ने कहा, 'यदि बिना पढ़े-लिखे ज्ञान मिल सकता है तो बालू से पुल क्यों नहीं बन सकता। अगर तपस्या करने से ही ज्ञान मिलता तो फिर पढ़ने- लिखने का कष्ट कौन उठाता। सभी आप की तरह तपस्या करके भगवान को खुश करके ज्ञान का वर मांग लेते।' यह सुन कर यवक्रीत सोच में पड़ गए। उन्होंने कहा, 'पर इतनी ज्यादा उम्र में पढ़ाई कौन करता है।' साधु ने कहा, 'वत्स, ज्ञान प्राप्त करने की कोई उम्र सीमा नहीं होती। यदि आप संकल्प कर लोगे तो अब भी अपने पिता के समान महान ज्ञानी बन सकते हो।' यवक्रीत ने कहा, 'आप ठीक कह रहे हैं। अब मैं अध्ययन करूंगा।' बाद में यवक्रीत महान विद्वान बने और तपोदत्त के नाम से जाने गए।

DELHI CRIME 17 june 2022:Layout 1 6/16/2022 6:42 PM Page 3

पलवल में अग्निपथ के खिलाफ भड़के युवा, पांच वाहन फूंके, दर्जनों पुलिस कर्मचारी जख्मी

-पुलिस के गार्द रूम, उपायुक्त निवास पर भारी पथराव

-पुलिस ने किए 20 राउंड की फायरिंग

फरीदाबाद, (हि.स.)। केंद्र सरकार की अग्निपथ योजना को लेकर गुरुवार को पलवल में युवाओं के द्वारा किया जा रहा प्रदर्शन उग्र हो गया। इस दौरान युवाओं और पुलिस के बीच जमकर पथराव व लाठीचार्ज हुआ। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस की 5 गाडिय़ों तथा उपायुक्त कार्यालय को आग के हवाले कर दिया गया। इस हिंसा में दर्जनों पुलिस कर्मी घायल हुए हैं। प्रदर्शनकारियों ने उपायुक्त कैंप कार्यालय में भी जमकर पथराव किया। पलवल में नेशनल हाईवे नंबर 19 पर सैकड़ों की संख्या में युवाओं ने राष्ट्रीय राजमार्ग की ग्रिलों को तोड़ दिया और उन्हें सडक पर रखकर जाम लगा दिया। इस प्रदर्शन के चलते दिल्ली-आगरा की तरफ जाने वाले वाहनों की लम्बी कतारें लग गई। प्रदर्शनकारियों ने किसी भी वाहन को आगे नहीं जाने दिया। पथराव के दौरान पुलिस कर्मी और पुलिस अधिकारी घायल हो गए। जिन्हें आनन फानन में उपचार के लिए सिविल अस्पताल भेजा गया। आक्रोषित प्रदर्शनकारियों ने पुलिस की गाडियों में तोडफोड करने के उपरांत पुलिस की गाडियों को पलट दिया और करीब पुलिस की पांच गाडियों को आग के हवाले कर दिया। प्रदर्शनकारी अग्निपथ स्कीम का विरोध करते हुए जिला उपायुक्त कैंप कार्यालय पर पथराव करते हुए वहां दाखिल हो गए। प्रदर्शनकारियों ने उपायुक्त कैंप कार्यालय में बने गार्द रूम में आग लगा दी। गार्द में तैनात पुलिस कर्मियों ने

करीब 20 राउंड हवाई फायर कर प्रदर्शनकारियों को भगाया गया। प्रदर्शनकारियों ने यहां बने मीडिया सेंटर को भी निशाना बनाया। पुलिस अधीक्षक मुकेश मल्होत्रा भारी पुलिस बल के साथ घटना स्थल पर पहुंचे और प्रदर्शनकारियों को काबू करने का प्रयास किया लेकिन प्रदर्शनकारी पुलिस को देखकर कैंप मार्किट और आगरा चौक की तरफ भागने में कामयाब हो गए। पुलिस ने नेशनल हाईवे 19 को खाली कराकर यातायात को सुचारू रूप से चलाया। डयूटी मजिस्ट्रेट नरेंद्र सिहं ने कहा कि प्रदर्शनकारियों द्वारा तोडफोड व आगजनी की घटनाऐं कर सार्वजनिक सम्पत्ति को नुकसान पहुंचाया है। जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन ने प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

पलवल जिले में इंटरनेट बंद, धारा 144 लागू - प्रशासन ने पलवल जिले में धारा 144 लागू कर दी गई है और इंटरनेट सेवा को भी फिलहाल बंद कर दिया गया है। पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद यातायात को सामान्य कराया और नेशनल हाईवे नंबर 19 करीब 4 घंटे के बाद चालू हो सका। पलवल में प्रदर्शन कर रहे प्रदर्शनकारियों ने टीओडी का विरोध करते हुए इसे वापिस लेने की मांग की।

पलवल में हिंसक प्रदर्शन के बाद फरीदाबाद पुलिस अलर्ट - अग्रिपथ योजना को लेकर देशभर में हो रहे धरने-प्रदर्शन व पलवल में हुए हिंसक प्रदर्शन को देखते हुए फरीदाबाद पुलिस पूरी तरह से अलर्ट हो गई है। फरीदाबाद के पुलिस कमिश्नर विकास कुमार अरोड़ा ने सभी डीसीपी एसीपी थाना व चौकी प्रभारियों को अलर्ट रहने के निर्देश जारी किए है। पुलिस कमिश्नर ने बताया कि फरीदाबाद पुलिस हर परिस्थितियों से निबटने में पूरी तरह से सक्षम, किसी को भी कानून हाथ में लेने की इजाजत नहीं दी जाएगी। विरोध के नाम पर कुछ असामाजिक तत्व सरकारी या प्राइवेट संपत्ति को नुकसान कर देते है ऐशे असामाजिक तत्वो के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। ताजा घटनाक्रम के संबंध में सभी एसीपी थाना प्रबंधक चौकी प्रभारी व क्राइम ब्रांच अपने फोटोग्राफर वीडियोग्राफर सहित अलर्ट रहेगी। पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने बताया कि पुलिस आयुक्त द्वारा दिए गए निर्देश में उन्होंने कहा कि रिर्जव पुलिस फोर्स को फील्ड में रखा जाए, कोई भी व्यक्ति कानून व्यवस्था के साथ खिलवाड़ करने की कोशिश न करें। थाना व चौकी प्रभारी अपने एरिया में लगातार पुलिस पेट्रोलिंग करते रहें। अपने फायदे के लिए कुछ उपद्रवी प्रकार के लोग दूसरे नागरिकों को भडकाने के लिए भडकाऊ बयानबाजी करते हैं जिसकी वजह से एक आम आदमी भी उनके प्रभाव में आकर हुड़दंगबाजी करने पर उतारू हो जाता है जिससे हिंसा की भावना को बढ़ावा मिलता है और हिंसा भडक जाती है जिसमें कई बार कुछ लोगों को अपनी जान से हाथ धोना पड़ जाता है तथा इसके साथ ही सरकारी संपत्ति को भी नुकसान पहुंचता है। पुलिस आयुक्त ने कहा कि कोई भी व्यक्ति कानून तोडने की कोशिश ना करे इसके लिए सभी पुलिस अधिकारी अपने एरिया में कानून व्यवस्था बनाए रखना सुनिश्चित करें। सीसीटीवी कैमरे फरीदाबाद पुलिस की आंख और कान जिनके द्वारा पूरे शहर में निगरानी रखी जा सकती है। पुलिस आयुक्त ने नागरिकों से भी अपील की है कि वह शांति व्यवस्था बनाए रखें और किसी भी प्रकार के भडकाऊ भाषण या बयानबाजी में न आए।

तोडफोड़ विभाग का क्लर्क न्यायिक हिरासत में भेजा

फरीदाबाद, (हि.स.)। एक लाख रुपये रिश्वत लेते हुए राज्य सतर्कता ब्यूरो की टीम द्वारा गिरफ्तार किए गए तोडफोड़ विभाग के क्लर्क को गुरुवार को अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे 14 दिन की न्यायिक हिरासत में 30 जून तक नीमका जेल भेज दिया गया। आरोपी का नाम योगेश है, जिसे विजिलेंस टीम ने बुधवार देर सायं एक लाख की रूपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया था। राज्य सतर्कता ब्यूरो के डीएसपी कैलाश चंद ने बताया कि नगर निगम तोडफोड़ विभाग की ओर से वार्ड नंबर 11 में तोडफोड़ कार्रवाई की जा रही है। विभाग में कार्यरत कर्मचारी योगेश ने कार्रवाई रोकने के लिए तीन लाख रुपये रिश्वत की मांग की,

लेकिन बाद में वह एक लाख रुपए में मान गया, इसकी शिकायत बिल्डिंग इंस्पेक्टर सुधीर वासुदेवा ने विजिलेंस टीम को दी और विजिलेंस टीम ने उच्चाधिकारियों से बातचीत करते टीम गठित की और ड्यूटी मैजिस्ट्रेट नेहा सारन की मौजूदगी में कैमिकल लगे नोट दिए, जैसे ही आरोपी ने रूपए लिए, तभी टीम ने दबिश दी गई और आरोपी क्लर्क योगेश को एक लाख रुपये रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार कर लिया।

राज्यपाल ने 104 बार रक्तदान करने वाले हिसार के वेद झंडई को किया सम्मानित

हिसार, (हि.स.)। भारतीय रेडक्रॉस समिति की हरियाणा राज्य शाखा की ओर से विश्व रक्तदाता दिवस के उपलक्ष्य में पंचकूला में आयोजित राज्यस्तरीय शतकवीर रक्तदाता सम्मान समारोह में हिसार के वेद झंडई को स्मृति चिह्न व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। समारोह के मुख्यातिथि रैडक्रॉस समिति की हरियाणा राज्य शाखा के प्रधान व हरियाणा के राज्यपाल महामहिम बंडारु दत्तात्रेय, सांसद रतनलाल कटारिया, हरियाणा विधानसभा के अध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता व रैडक्रॉस हरियाणा के सचिव डॉ. मुकेश अग्रवाल ने वेद झंडई को सम्मानित

किया। इस अवसर पर डीजी हेल्थ वीना सिंह, पंचकूला की एडीसी वनीता मलिक, हिसार रैडक्रॉस के सचिव रविन्द्र लोहान भी उपस्थित रहे। समारोह में 100 से अधिक बार रक्तदान करने वाले हरियाणा के 57 लोगों को शतकवीर रक्तदाता अवार्ड से पुरस्कृत किया गया।

जब विधायक ने अफसर से कहा, क्या गदर मचा रखा है...

गुरुग्राम, (हि.स.)। गुरुग्राम के विधायक सुधीर सिंगला द्वारा वार्ड नंबर-31 में लगाया गया जनता दरबार वहां के स्थानीय निवासियों के लिए काफी राहत भरा रहा। कार्यों में लापरवाही पर विधायक ने अधिकारियों को लताड़ भी लगाई, वहीं जनता द्वारा अधिकारियों की कार्यप्रणाली की सराहना करने पर उनकी पीठ भी थपथपाई। यह दरबार गांव वजीराबाद के कम्युनिटी सेंटर में सुबह 9 बजे से लगाया गया। जनता दरबार में विधायक सुधीर सिंगला के साथ जिला प्रशासन के विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। जनता दरबार में लोगों द्वारा जो समस्याएं रखी गई, उनमें मुख्य रूप से सीवरेज ब्लॉक होने, अतिक्रमण, पेयजल आपूर्ति, साफ-सफाई आदि की समस्याएं थी। श्री सिंगला ने शिकायत सुनने के दौरान उसी समय उनके समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को शिकायत सौंपते हुए उनका नंबर शिकायतकर्ता को देते हुए कहा कि समाधान ना हो तो इसके बारे में उन्हें सूचित करें। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जनता की समस्या का समाधान करना हमारा उत्तरायित्व है। इस मामले में लापरवाही कतई बर्दाश्त नही की जाएगी। उन्होंने कई समस्याओं के निवारण को लेकर हो रही देरी के लिए अधिकारियों को फटकार भी लगाई और कहा कि अधिकारियों की

मनमानी नहीं चलेगी। अपना काम ईमानदारी से करें। सीवरेज संबंधी समस्या को लेकर वहां के स्थानीय निवासी खासे परेशान दिखाई दिए। स्थानीय निवासियों द्वारा विधायक सुधीर सिंगला से गुहार लगाई गई कि मानसून आने को है, ऐसे में सीवरेज ब्लॉक होने से उनके वार्ड में जलभराव होना स्वाभाविक है। लोगों ने विधायक को ओवरफ्लो हो रहे सीवरेज की वीडियो भी दिखाई।

जिस पर उन्होंने मौके पर उपस्थित नगर निगम अधिकारी को फटकार लगाते हुए कहा कि-क्या गदर मचा रखा है, कब तक ठीक करवाओगे ओवरफ्लो। इस पर अधिकारी ने विधायक को आश्वासन देते हुए कहा कि वे आगामी तीन दिनों में सीवरेज लाइन की सफाई करवा देंगे। विधायक ने कहा कि यदि उनके वार्ड में 3 दिनों के भीतर सिवरेज की सफाई ना हो तो उन्हें बताएं, इसके बाद वे खुद अधिकारी से रिपोर्ट लेंगे। इसी प्रकार जनता दरबार में वार्ड नंबर-31 में अवैध रेहडिय़ों का सड़कों पर अतिक्रमण संबंधी विषय भी उठाया गया। इस पर विधायक ने निगम अधिकारी को निर्देश देते हुए तुरंत अवैध रेहडिय़ां सड़क से हटवाने को कहा। जिस पर निगम अधिकारी तुरंत हरकत में आए और मात्र आधे घंटे में ही रेहड़ी हटवाने की प्रक्रिया शुरू कर दी। जनता दरबार में वार्ड नंबर-31 में बिजली निगम द्वारा किए गए कार्यों की भी लोग तारीफ करते भी दिखाई दिए। जनता दरबार में बिजली निगम के एक्सईएन कुलदीप नेहरा की उपस्थित लोगों ने तारीफ की। लोगों ने विधायक से कहा कि ऐसे 5-6 अफसर और गुरुग्राम में लगवा दो, ताकि लोगों के काम जल्दी होने लगे।

हिसार के पांच विद्यार्थियों का बैंगलोर आधारित बायजूज प्राइवेट लिमिटेड में चयन

हिसार, (हि.स.)। यहां के गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सैल के सौजन्य से बेंगलुरू आधारित बायजूज प्राइवेट लिमिटेड के ई-कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव में विश्वविद्यालय के पांच विद्यार्थियों का चयन हुआ है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज कम्बोज व कुलसचिव प्रो. अवनीश वर्मा ने इस उपलब्धि पर चयनित विद्यार्थियों को बधाई दी है। प्लेसमेंट निदेशक प्रताप सिंह ने गुरूवार को बताया कि बायजूज एक भारतीय बहुराष्ट्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी कंपनी है, जिसका मुख्यालय बैंगलोर में है। इसकी स्थापना 2011 में बायजू रवींद्रन और दिव्या गोकुलनाथ ने की थी। मार्च 2022 तक बायजू का मूल्यांकन 22 बिलियन यूएस डॉलर है और इसमें 115 मिलियन से अधिक पंजीकृत विद्यार्थी हैं। प्लेसमेंट निदेशक ने फार्मास्युटिकल साइंस विभाग की अध्यक्षा डॉ. सुमित्रा सिंह, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग की अध्यक्षा डॉ. प्रीति प्रभाकर, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकशन इंजीनियरिंग विभाग की अध्यक्षा प्रो. सुमन दहिया, प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी विभाग के अध्यक्ष पंकज कुमार तथा संबंधित विभागों के ट्रेनिंग प्लेसमेंट कोर्डिनेटर्स को विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करने और उन्हें प्रेरित करने के लिए धन्यवाद किया है। इस प्लेसमेंट ड्राइव में विश्वविद्यालय के एमबीए, एमसीए, बीफार्मा, बीटेक फूड टेक्नोलॉजी, एमई, ईसीई, ईई, सीएसई व प्रिंटिंग के लगभग 95 विद्यार्थियों ने भाग लिया। सहायक निदेशक डॉ. आदित्यवीर सिंह ने बताया कि बीफार्मा से अनीष वारिकू, बीटेक ईसीई से अनमोल सिंह, बीटेक ईई से ईश्वर शर्मा, बीटेक प्रिंटिंग से लक्ष्मी वर्धन व एस. गनेश्वर को आठ लाख रुपये वार्षिक पैकेज पर चयनित किया गया है।

आकाशवाणी ने सत्यपाल अग्रवाल को किया सम्मानित

हिसार, (हि.स.)। सजग व यज्ञ हवन विश्व कल्याण के अध्यक्ष वास्तु आर्किटेक्ट एवं लाइफ काउंसलर सत्यपाल अग्रवाल को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए आकाशवाणी के हिसार केंद्र में कार्यक्रम इंचार्ज पवन कुमार ने स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर कार्यक्रम इंचार्ज पवन कुमार ने कहा कि अनेक संस्थाओं से जुड़े सत्यपाल अग्रवाल समाज हित में जागरूकता कार्य करने, यूफोरिया थैरेपी के माध्यम से लोगों के जीवन में व्याप्त मानसिक तनावों को दूर कर उन्हें खुशहाल जिंदगी जीने के लिए काउंसलिंग सेवा प्रदान करने व पर्यावरण, स्वास्थ्य एवं आत्मकल्याण के लिए घर घर हवन करने की निशुल्क व्यवस्था उपलब्ध करवाने आदि नेक कार्यों में कार्यरत रहते हैं। उन्होंने कहा कि अग्रवाल को उनके इन उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया गया है। इस अवसर पर केंद्र के इंजीनियर योगेश कुमार, उद्घोषिका रिम्पी लिखा, संदीप व कुलदीप सहित आकाशवाणी स्टाफ सदस्य उपस्थित थे।

युवाओं को रोजगार देने को लेकर प्रदेश की भाजपा-जजपा सरकार गंभीर नहीं : एमएल सहगल

-हरियाणा कौशल रोजगार निगम के अधीन एक लाख से अधिक नियमित भर्तियों पर रोक

हिसार, (हि.स.)। अखिल भारतीय राज्य कर्मचारी परिसंघ के राष्ट्रीय चेयरमैन एमएल सहगल ने कहा है कि हरियाणा कौशल रोजगार निगम के अधीन सभी सरकारी विभागों, बोर्ड, निगमों, विश्वविद्यालयों व सहकारी संस्थानों में एक लाख से अधिक नियमित भर्तियों पर रोक लगाई गई है। एक जुलाई के बाद आऊटसोर्सिंग नीति एक व दो तथा ठेकेदारों के माध्यम से भी भर्तियां बंद करने के सरकारी आदेश जारी किए गए हैं। एमएल सहगल ने गुरूवार को कहा कि हरियाणा कौशल रोजगार निगम में कर्मचारियों को सरकारी पद अनुसार वेतन, भत्ते, पेंशन, ग्रेच्युटी आदि का लाभ देय नहीं होगा। निगम के तहत लगने वाले कर्मचारियों को देय मासिक वेतन भी न्यूनतम वेतन दरों से कहीं कम मंजूर किया गया है। उन्होंने बताया कि हरियाणा कौशल रोजगार निगम के आधीन लगने वाले एक लाख से अधिक कर्मचारी किसी प्रकार के विवाद में न्याय की गुहार से वंचित रहेंगे। उच्चतम न्यायालय के आदेशानुसार समान काम-समान वेतन संबंधी निर्णय भी कच्चे कर्मचारियों पर लागू नहीं होगा। उन्होंने बताया कि सरकार के सभी विभागों, बोर्ड, निगमों, विश्वविद्यालयों व सहकारी संस्थानों में प्रति माह काफी संख्या में कर्मचारी सेवानिवृत हो रहे हैं। इन रिक्त हो रहे पदों की भरपाई न होने से अंततः सभी विभाग निजी एजेंसियों के हवाले किए जाने का खतरा मंडराने वाला है।

राष्ट्रीय चेयरमैन एमएल सहगल ने कहा कि प्रदेश की भाजपा-जजपा सरकार युवाओं को रोजगार देने के लिए कितनी गंभीर है इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि हरियाणा सरकार ने आयुष योगा कोच के लिए वर्ष 2021 में कांट्रेक्टर पर भर्ती निकाली, जो कौशल रोजगार निगम बनने के कारण रद्द कर दी गई, खेल विभाग में योगा कोच के 70 पद स्वीकृत हैं, जिनमें से 66 पद रिक्त चल रहे हैं। हरियाणा सरकार विभागों, बोर्ड, निगमों व सरकारी उपक्रमों में दो साल से रिक्त पड़े पदों को खत्म करे की तैयारी में है।

अनाज मंडियों में खाद, बीज व दवाइयों का व्यापार बंद करना अनुचित : बजरंग गर्ग

-जिन मंडियों में आढ़त का काम नहीं, उन मंडियों में अन्य व्यापार करने की इजाजत दे सरकार

हिसार, (हि.स.)। हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल के अध्यक्ष व हरियाणा कॉन्फैड के पूर्व चेयरमैन बजरंग गर्ग ने गुरुवार को जारी बयान में कहा कि हरियाणा मार्केटिंग बोर्ड द्वारा अनाज मंडियों की दुकानों में खाद, बीज व कीटनाशक दवाइयों का व्यापार तुरंत प्रभाव से बंद करने के जो आदेश दिए हैं वह उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि खाद, बीज व खेती में प्रयोग आने वाली दवाइयां खेती उपज में काम आती है और अनाज मंडियों से किसान आसानी से ये सामान ले जा सकता है। उन्होंने कहा कि सरकार को तुरंत प्रभाव से मार्केटिंग बोर्ड को प्रदेश की सभी मंडियों में खाद व बीज का काम करने का आदेश करना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसानों को

अपनी फसल की पैदावार करने के लिए सबसे पहले खाद, बीज व दवाइयों की जरूरत पड़ती है, किसान अपनी फसल को अनाज मंडियों में आढ़तियों के माध्यम से बेचता है जबकि किसान, आढ़ती व खाद, बीज के व्यापारियों का चोली दामन का साथ है। ऐसे में हरियाणा मार्केटिंग बोर्ड द्वारा खाद, बीज व दवाइयों का काम अनाज मंडियों में ना करने का फरमान जारी करना सरासर गलत है। हरियाणा मार्केटिंग बोर्ड को प्रदेश की अनाज मंडियों में खाद व बीज का व्यापार करने की अधिसूचना तुरंत प्रभाव से जारी करनी चाहिए। बजरंग गर्ग ने कहा कि काफी अनाज मंडियों में आढ़तियों के यहां व्यापार नहीं है जिसके कारण आढ़ती नुकसान में चल रहे हैं। सरकार को प्रदेश की अनाज मंडियों की सर्वे करवाकर जिन मंडियों में काम नहीं है, उन सभी मंडियों में हर ट्रेड का व्यापार करने की इजाजत देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हरियाणा की काफी मंडियों में इसी प्रकार हर ट्रेड का व्यापार चल रहा है। ऐसा करने से प्रदेश के व्यापारियों को राहत मिलेगी और जिन मंडियों में काम नहीं है, उन मंडियों में व्यापार शुरू हो जाएगा।

देश में बढ़ रही इस्लामिक जेहादी कट्टरता व हिंसा करने वालों पर कार्रवाई की मांग

-विहिप व बजरंग प्रतिनिधिमंडल ने उपायुक्त को सौंपा ज्ञापन

हिसार, (हि.स.)। विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के प्रतिनिधिमंडल ने देश में बढ़ रही इस्लामिक जेहादी कट्टरता और हिंसा करने वालों के खिलाफ कार्यवाही करने की मांग की है। संगठनों ने जिला संयोजक अमर चौधरी नेतृत्व में गुरूवार को महामहिम राष्ट्रपति के नाम उपायुक्त को ज्ञापन भी सौंपा। बजरंग दल के विभाग सह संयोजक संजीव चौहान ने बताया कि पिछले कुछ समय से देश में इस्लामिक जेहादी कट्टरता बढ़ती जा रही है और योजनापूर्वक हिंदुओं पर हमले किए जा रहे हैं। वर्ष प्रतिपदा और भगवान श्रीराम के प्रकटोत्सव श्रीराम नवमी पर देशभर में शोभा यात्राओं पर पथराव और हमले किए गए, जिसके कारण देशभर में तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई और अनेक स्थानों पर कर्फ्यू लगाना पड़ा। इसके अलावा श्री हनुमान जयंती की शोभा यात्राओं पर

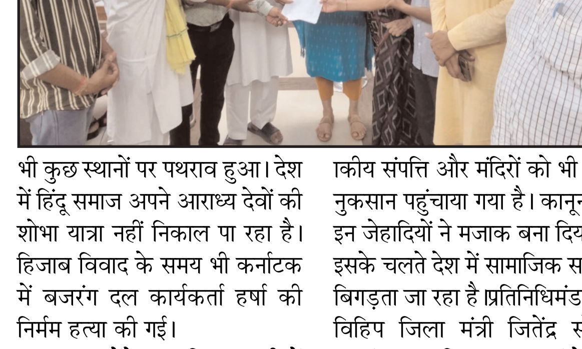

भी कुछ स्थानों पर पथराव हुआ। देश में हिंदू समाज अपने आराध्य देवों की शोभा यात्रा नहीं निकाल पा रहा है। हिजाब विवाद के समय भी कर्नाटक में बजरंग दल कार्यकर्ता हर्षा की निर्मम हत्या की गई।

उन्होंने कहा कि हाल ही में नुपुर शर्मा व नवीन जिंदल के बयान को लेकर गत दो शुक्रवारों को जुम्मे की नमाज के बाद मस्जिदों से हमले किए गए। हिंदुओं के घरों, दुकानों व वाहनों को आग लगा दी गई। शासकीय संपत्ति और मंदिरों को भी भारी नुकसान पहुंचाया गया है। कानून को इन जेहादियों ने मजाक बना दिया है। इसके चलते देश में सामाजिक सद्भाव बिगड़ता जा रहा है प्रतिनिधिमंडल में विहिप जिला मंत्री जितेंद्र सोनी, बजरंग दल विभाग सह संयोजक बजरंग दल संजीव चौहान, प्रांत मातृशक्ति संरक्षक सुनीता शर्मा, विजय नागपाल, मुन्ना बजरंगी, रामाशंकर, मदन, जयेश, राजू, गोविंद व रोहित आदि शामिल रहे।

दिल्ली क्राइम प्रेस के टीम लीडर राम नाथ, अनीता सिंह व राज कुमार कश्यप ने जयपुर में टीम लीडर राजेश खत्री और राजेश कुमार के साथ अभ्यर्थियों का रिपोर्टिंग का एग्जाम लिया। इस अवसर पर लोगों को ट्रेनिंग देने के साथ आवश्यक जानकारी भी दी गई

समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो यूनियन उठाएगी कड़ा कदमः जगमिन्द्र

-यूनियन की सातरोड सब यूनिट ने उपमंडल अधिकारी कार्यालय पर प्रदर्शन करके जताया रोष

हिसार, (हि.स.)। सर्व कर्मचारी संघ से संबंधित ऑल हरियाणा पावर कारपोरेशन वर्कर्स यूनियन ने चेताया है कि यदि अधिकारियों ने कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान नहीं किया तो कड़ा कदम उठाया जाएगा। यूनियन ने उप प्रधान रवि सैनी की अध्यक्षता में व सचिव मुकेश गौतम के संचालन में गुरूवार को प्रदर्शन करके अपना रोष जाहिर किया। इस अवसर पर उपस्थित राज्य उपप्रधान जगमिंद्र पूनिया, सर्कल सचिव ओमप्रकाश वर्मा, यूनिट नंबर-2 के प्रधान बिजेंद्र पूनिया, वरिष्ठ उपप्रधान रविंद्र बिश्नोई व सचिव रमेश सातरोडिया, यूनिट नंबर-1 के प्रधान सुरेश रोहिल्ला, यूनिट नंबर-1 सचिव अशोक सैनी, टीएंडएस के प्रधान राजबीर फौजी व यूनिट नंबर-1 के उपप्रधान अनिल बागड़ी ने उपमंडल अधिकारी पर कड़े आरोप लगाए। उन्होंने बताया कि उपमंडल अधिकारी की मंशा कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान ना करके माहौल खराब करने की है। यही कारण है कि उपमंडल अधिकारी कर्मचारियों की समस्याओं को लगातार अनदेखा कर कर्मचारियों को प्रताड़ित करने में लगे हैं। उन्होंने कहा कि अधिकारी की हठधर्मिता के कारण कर्मचारियों को भीषण गर्मी में आंदोलन करने को मजबूर होना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि सब यूनिट में काम का बहुत अधिक दबाव है। स्टाफ की कमी होने के साथ-साथ कर्मचारियों को ना के बराबर सुविधाएं दी जा रही हैं। सब डिवीजन में ट्रांसफार्मर बदलने के लिए गाड़ी का प्रबंध नहीं है। शिकायत केंद्रों पर, टीएंडपी, चैन ब्लॉक, रस्सा, रूल्ला आदि सामान का अभाव है।

सेना भर्ती की नई स्कीम को लेकर गांव ढाणी गोपाल में युवाओं ने किया विरोध प्रदर्शन

फतेहाबाद, (हि.स.)। सेना में भर्ती की नई योजना अग्निपथ गांव ढाणी गोपाल के युवाओं को भी पसंद नहीं आई। सैन्य भर्ती के इंतजार में तैयारी कर रहे युवाओं ने गुरुवार को विरोध प्रदर्शन करके योजना को वापस लेने की मांग की है। युवाओं ने केंद्र सरकार को चेतावनी दी है कि अगर दो दिन के अंदर योजना का निर्णय वापस नहीं लिया तो लाखों युवा सड़क पर उतर आएंगे और उग्र आंदोलन होगा। एडवोकेट राजकुमार गोदारा के नेतृत्व में 50 से अधिक युवाओं ने सरकार के विरुद्ध नारेबाजी की। गोदारा ने कहा द्धस्त्र अग्निपथ योजना को केंद्र सरकार वापस ले क्योंकि यह देशहित और युवाओं के भविष्य के लिए सुरक्षित नहीं है। उन्होंने कहा कि संविदा के तौर सेना में भर्ती की जा रही है। सालों से सेना भर्ती की तैयारी कर रहे युवाओं के साथ धोखा हुआ है। इस स्कीम से न सिर्फ युवाओं को नुकसान होगा

बल्कि सेना कि गपनीयता और विश्वसनीयता भी भंग हो सकती है, इसलिए केंद्र सरकार को इस योजना को बंद करें पहले की तरह भर्ती प्रक्रिया को शुरू करना चाहिए। ढाणी गोपाल वासी भूतपूर्व सैनिक देशराज कड़वासरा व दिनेश ढाका तथा विकास खिचड़ ने का कहना है कि महज 4 साल के लिए भर्ती किया जाना रोजगार के अधिकार का हनन करना है। युवा पिछले दो साल से सेना में भर्ती की तैयारी कर रहे हैं। इनमें कुछ ऐसे भी हैं जो मेडिकल टेस्ट में पास हो गए और एग्जाम का इंतजार करते रह गए। कुछ ने एग्जाम भी दे दिया था और रिजल्ट का इंतजार कर रहे हैं, लेकिन ये भी रद्द कर दिए गए। इसके विरोध में गांव ढाणी गोपाल के खेल मैदान में विरोध प्रदर्शन किया गया और युवाओं ने कहा कि अगर केंद्र सरकार यह कानून रद्द नहीं करेगी तो यह विरोध प्रदर्शन जोर शोर से किया जाएगा।

DELHI CRIME 17 june 2022:Layout 1 6/16/2022 6:42 PM Page 4

उत्तर कोरिया: में एक और महामारी का कहर, कई इलाकों में भेजी जा रही दवाइयां

प्योंगयांग (ईएमएस)। बीते दो महीने से उत्तर कोरिया कोरना वायरस के प्रकोप का सामना कर रहा है। इस बीच देश में एक और नई बीमारी ने कोहराम मचा दिया है। कई इलाकों में बड़े पैमाने पर ये बीमारी फैल रही है। कहा जा रहा है कि यहां की स्वास्थ्य व्यवस्था पर दवाब बढ़ गया है। वहां के सरकारी मीडिया के मुताबिक उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने बुधवार को पश्चिमी बंदरगाह शहर हेजू में पीड़ित रोगियों की मदद करने के लिए दवाएं भेजीं। इस बीमारी से कितने लोग प्रभावित हैं इसकी संख्या की फिलहाल कोई जानकारी नहीं है। लेकिन कहा जा रहा है कि ये बीमारी गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल ट्रैक्ट से जुड़े हैं। यानी ये पाचन संबधी बीमारियां है। खबरों के मुताबिक किम जोंग उन ने महामारी को जल्द से जल्द रोकने की आवश्यकता पर बल दिया है। ऐसे में उन्होंने संदिग्ध मरीजों को तुरंत क्वारंटीन करने का आदेश दिया है। बता दें कि उत्तर कोरिया में पिछले महीने ही कोरोना के चलते इमरजेंसी का ऐलान किया गया था। देश में कोरोना से लड़ने के लिए पहले से ही दवा और वैक्सीन की भारी किल्लत है। उत्तर कोरिया ने गुरुवार को बुखार के लक्षणों वाले 26,010 और लोगों की सूचना दी। अप्रैल के अंत से देश भर में बुखार के रोगियों की कुल संख्या 4.56 मिलियन के करीब दर्ज की गई। जबकि इसके चलते अब तक 73 लोगों की मौत हो गई है। प्योंगयांग हर रोज बुखार के रोगियों की संख्या की घोषणा कर रहा है, न कि कोविड से पीड़ित लोगों की। कहा जा रहा है कि यहां कोरोना टेस्ट किट की भारी कमी है। विशेषज्ञों को सरकार द्वारा नियंत्रित मीडिया के माध्यम से जारी किए गए आंकड़ों में कम रिपोर्टिंग का भी संदेह है। उत्तर कोरिया ने कहा है कि कोरोना की लहर कम हो रही है। लेकिन विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इस महीने की शुरूआत में प्योंगयांग के दावों पर संदेह जताते हुए कहा था कि वहां हालात खराब हो रहे हैं।

पाकिस्तान में पेट्रोल के दामों में लगी आग, एक दिन में 24 रुपये की बढ़ोतरी

-233 रुपये में मिल रहा 1 लीटर पेट्रोल

इस्लामाबाद (ईएमएस)। आर्थिक रूप से कंगाल हो चुके पाकिस्तान में पेट्रोल की कीमतो में आग लगी हुई है यहां एक लीटर पेट्रोल की कीमत 233.89 रुपये पहुंच गई है। यहां एक दिन में प्रति लीटर पेट्रोल पर 24 रुपये बढ़ाए गए हैं। वहीं, डीजल की कीमत में 16.31 रुपए की बढ़ोतरी के बाद 263.31 रुपये प्रति लीटर हो जाएगी। पाकिस्तान सरकार ने बुधवार को इस्का ऐलान किया। पाकिस्तान में पिछले 20 दिनों के भीतर इस तरह की तीसरी बढ़ोतरी है। पाकिस्तान के वित्त मंत्री ने इस्लामाबाद में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि नई कीमतें 15 जून आधी रात से लागू हो गए हैं। इस बीच, मिट्टी के तेल की नई कीमत 29.49 रुपये की वृद्धि के बाद 211.43 रुपये होगी। लाइट डीजल की कीमत 29.16 रुपये की वृद्धि के बाद 207.47 रुपये होगी। वित्त मंत्री इस्माइल ने कहा कि सरकार के पास अंतरराष्ट्रीय कीमतों का असर पाकिस्तान में उपभोक्ताओं पर डालने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। पाकिस्तान सरकार ने पिछले 20 दिनों में पेट्रोल की कीमत में 84 रुपये प्रति लीटर से अधिक की वृद्धि की है। पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में एक और बढ़ोतरी के कारणों के बारे में बताते हुए मंत्री ने कहा कि पेट्रोल की अंतरराष्ट्रीय कीमत 120 डॉलर प्रति लीटर थी। उन्होंने प्रेस कांफ्रेंस में कहा, हमारा देश अभी भी पेट्रोल में 24.03 रुपये, डीजल में 59.16 रुपये, मिट्टी के तेल में 29.49 रुपये और लाइट डीजल तेल में 29.16 रुपये का नुकसान झेल रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार पेट्रोल सब्सिडी पर 120 अरब रुपये खर्च कर रही है। मंत्री ने कहा, मैं 30 साल से देश के हालात देख रहा हूं, लेकिन महंगाई के लिहाज से ऐसी स्थिति मैंने कभी नहीं देखी।

खराब आर्थिक हालातों से गुजर रहे पाकिस्तान में खाने-पीने की चीजों के दाम लगातार बढ़ते जा रहे हैं। इसी बीच, पाकिस्तान ने अब अपने नागरिकों से चाय का इस्तेमाल कम से कम करने की गुजारिश की है। पाकिस्तान के योजना और विकास मंत्री अहसान इकबाल ने वहां की अवाम से कहा है कि वो चाय कम से कम पिएं। बता दें कि पाकिस्तान में दाल, चीनी, सब्जियों और फलों के दाम आसमान छू रहे हैं। जिसके चलते आम जनता की हालत खस्ता होती जा रही है। पाकिस्तान के मंत्री अहसान इकबाल के मुताबिक, हमें चाय बाहर से आयात करनी पड़ती है। अगर पाकिस्तान की जनता चाय की खपत कम करेगी तो इससे सरकार का आयात खर्च घटाने में मदद मिलेगी। अभी हम कर्ज लेकर बाहर से चाय का आयात करते हैं। चाय की खपत घटने से हमारा आयात खर्च कम होगा, जिससे आर्थिक ढांचे पर दबाव घटेगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पाकिस्तान की सरकार ने हाल ही में अपना आयात खर्च घटाने के लिए 41 चीजों के आयात पर 2 महीने के लिए रोक लगा दी थी। हालांकि इस आयात प्रतिबंध से खजाने में ज्यादा बढ़ोतरी नहीं हुई। इससे पाकिस्तान को अपना आयात बिल घटाने में करीब 60 करोड़ डॉलर का फायदा हुआ है।

अमेरिका में लगातार बढ़ रहे गर्भपात के मामले, 2017 के मुकाबले 2020 में बढ़े

वाशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिका में गर्भपात कराने के मामलों वृद्धि हुई है। लंबे समय तक मामले कम रहने के बाद गर्भपात के मामलों की संख्या में 2017 की तुलना में 2020 में बढ़ोतरी हुई है। गर्भपात के अधिकारों का समर्थन करने वाले एक शोध समूह की रिपोर्ट के अनुसार, 2020 में अमेरिका में 9,30,000 से अधिक गर्भपात के मामले सामने आए। जबकि यह आंकड़ा 2017 में करीब 8,62,000 था। खबर के मुताबिक अमेरिकी उच्चतम न्यायालय के 1973 के फैसले के बाद से 2017 में अमेरिका में राष्ट्रीय स्तर पर गर्भपात के आंकड़े सबसे कम थे। सुप्रीम कोर्ट ने 1973 के अपने फैसले में देश भर में गर्भपात की प्रक्रिया को वैध बना दिया था। रिपोर्ट के अनुसार 2020 में हर पांच गर्भवती महिलाओं में से एक ने गर्भपात कराया। यह आंकड़े उस समय में बढ़ रहे हैं, जब शीर्ष अदालत 1973 के फैसले को पलटने की तैयारी में है। स्वास्थ्य कानून एवं नीति की प्रोफेसर ने कहा कि गर्भपात कराने वाली महिलाओं की संख्या एक जरूरत को दशार्ती है। ये इस बात को साफ करती है कि सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय एक अत्यंत महत्वपूर्ण सेवा तक पहुंच के लिए कितना खतरनाक साबित हो सकता है। 2020 में सामने आए मामलों में से 54 प्रतिशत महिलाओं ने गर्भपात के लिए दवाओं का सहारा लिया। जिसके लिए उन्होंने गर्भपात की गोली आदि ली। हालांकि, कोविड-19 वैश्विक महामारी के कारण कुछ राज्यों में गर्भपात के मामलों में कमी भी आई है। रिपोर्ट के अनुसार न्यूयॉर्क में गर्भपात के मामलों में 2017 की तुलना में 2019 में बढ़ोतरी दर्ज की गई थी। लेकिन फिर 2019 और 2020 के बीच इसमें छह प्रतिशत गिरावट आई। वहीं टेक्सास में इस अवधि में गर्भपात के मामलों में दो प्रतिशत की कमी आई। रिपोर्ट के मुताबिक शोधकताओं ने पाया कि 2020 में कम महिलाएं गर्भवती हुईं और जो हुईं उनमें से बड़ी संख्या में महिलाओं ने गर्भपात करा लिया। जबकि आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार 2020 में गर्भपात की दर 15-44 आयु वर्ग में प्रति 1,000 महिलाओं पर 14.4 थी। जो 2017 में प्रति 1,000 महिलाओं पर 13.5 थी। पश्चिम में गर्भपात में 12 प्रतिशत, मिडवेस्ट में 10 प्रतिशत, दक्षिण में आठ प्रतिशत और पूर्वोत्तर में प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

14वीं शताब्दी में फैली प्लेग महामारी के रहस्य का शोधकर्ताओं ने किया खुलासा

बिश्केक (ईएमएस)। जानलेवा कोरोना वायरस के दंश से पहले भी अनेक प्रकार की महामारी से विश्व तबाह हो चुका है। अब तक की सबसे खतरनाक महामारियों में से ब्लैक डेथ भी है। ब्लैक डेथ या प्लेग की शुरूआत को लेकर रहस्य है। लेकिन अब शोधकताओं का मानना है कि उन्होंने 684 साल पुराने रहस्य का पता लगा लिया है। प्राचीन शवों का डीएनए टेस्ट करके शोधकताओं ने ये खोज की है। 14वीं शताब्दी में इस प्लेग ने पूरी दुनिया में तबाही मचाई थी। इसके कारण करोड़ों लोगों की मौत हुई थी। दशकों से शोधकताओं के बीच महामारी की उत्पत्ति बहस का विषय रही है, जिसमें बहुत सारे सिद्धांत थे, लेकिन कोई सबूत नहीं था। अब वर्तमान किर्गिस्तान में एक कब्रगाह से मिले डीएनए का विश्लेषण करने पर शोधकताओं ने प्लेग की शुरूआत की तारीख 1338 बताई है। शोधकताओं को यहां दफन लोगों के दांतों में प्लेग फैलाने वाले बैक्टीरिया का डीएनए मिला है। शोधकताओं ने कहा कि एक दशक से भी कम समय बाद पूरी दुनिया में प्लेग फैला जिसका डीएनए और किर्गिस्तान में मिला डीएनए लगभग एक समान है। जर्मनी के लीपज़िग में मैक्स प्लैंक इंस्टीट्यूट फॉर इवोल्यूशनरी एंथ्रोपोलॉजी के प्रोफेसर जोहान्स क्रूस और अन्य लेखकों ने अपनी खोज को एक जर्नल नेचर में प्रकाशित किया। इस खोज से कई तरह के अनुमान खत्म हो गए हैं। प्लेग दुनिया भर में कैसे फैला ये समझने में मदद मिलेगी। इसके साथ ही उन स्थितियों के बारे में पता चलेगा जिनके कारण ब्लैक डेथ उभरा। इस शोध के जरिए पुरानी बीमारियों को समझने में मदद मिलेगी। कई इतिहासकार लंबे समय से कहते रहे हैं कि किर्गिस्तान के कब्रिस्तान में प्लेग पीड़ितों को दफन किया गया। अब इस बात के सबूत मौजूद हैं। दक्षिण कैरोलिना विश्वविद्यालय में प्रोफेसर शेरोन डेविट कहते हैं कि ये ठोस सबूत हैं। अभी तक इन लोगों पर प्लेग से मरने का संदेह था। नई रिसर्च के निष्कर्ष आश्वस्त करने वाले हैं और संभव है कि इन लोगों की प्लेग के पहले चरण में मौत हुई हो। शेरोन डेविट के मुताबिक यह महामारी साल 1346 में पूरे यूरोप में फैल गई थी।

व्हाइट हाउस के प्रमुख चिकित्सा सलाहकार एंथनी फॉउची भी आए कोरोना की चपेट में, हुए आइसोलेट

वॉशिंगटन (ईएमएस)। महामारी कोरोना के वायरस से अमेरिका का अभी भी पीछा नहीं छूट रहा है। अब व्हाइट हाउस के प्रमुख चिकित्सा सलाहकार डॉक्टर एंथनी फॉउची बुधवार (स्थानीय समयानुसार) को कोरोना पॉजिटिव पाए गए। यह जानकारी नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ हेल्थ की तरफ से जारी प्रेस रिलीज के जरिये दी गई है। प्रेस रिलीज के मुताबिक डॉ. एंथनी फुल वैक्सीनेटेड थे और दो बार बूस्टर डोज भी ले चुके थे फिर भी वह कोरोना के चपेट में आ गए। हालांकि अभी वह कोरोना के हल्के लक्षणों से गुजर रहे हैं। डॉ. एंथनी ने खुद को आइसोलेट कर लिया है और वर्क फ्रॉम होम कर रहे हैं। डॉ. एंथनी पिछले कुछ समय से राष्ट्रपति जो बाइडेन के साथ-साथ किसी भी वरिष्ठ सरकारी अधिकारी के संपर्क में नहीं थे। डॉ. फॉउची जब तक कोरोना निगेटिव नहीं हो जाते तब तक कोविड गाइडलाइन का पालन करेंगे। डॉ. फॉउची रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्रों के कोरोना दिशानिदेर्शों और अपने डॉक्टर की सलाह का पालन करेंगे और वहीं कोरोना से ठीक होने के बाद ही काम पर वापस लौट पाएंगे। बता दें कि इससे पूर्व डॉ. फॉउची ने संकेत दिया था कि यूएस में कोरोना वैरिएंट ओमिक्रॉन के साथ लड़ाई के लिए चौथी खुराक देने की आवश्यकता हो सकती है। साथ ही यह भी कहा था कि बूस्टर डोज उम्र पर आधारित हो सकता है। प्रेस वार्ता के दौरान तीसरी खुराक से अधिक डोज की आवश्यकता दिखाने वाले डेटा पर पत्रकारों को जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि यह स्पष्ट रूप से एक ऐसा मुद्दा है जिसका बहुत बारीकी से पालन किया गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन के शीर्ष चिकित्सा सलाहकार ने कहा कि नवंबर में पहली बार कोरोना वायरस के ओमिक्रॉन वैरिएंट का पता चलने के बाद से दुनिया भर में आधे मिलियन लोग कोविड-19 से मर चुके हैं। बता दें कि इससे पूर्व अमेरिकी स्वास्थ्य और मानव सेवा सचिव जेवियर बेसेरा सोमवार को कोरोना संक्रमित पाए गए थे। वह एक महीने में दूसरी बार संक्रमित हुए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबाकि बेसेरा ने कैलिफोर्निया के सैक्रामेंटों में एंटीजन टेस्ट कराया था, जिसके बाद उनकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी।

आज का इतिहास 17 जून

1756 नवाब सिराजुद्दौला ने पचास हजार सैनिकों के साथ कलकत्ता पर हमला किया.

1917 महात्मा गांधी ने साबरमती आश्रम में हृदयकुंज को अपना आवास बनाया.

1925 युद्ध में जहरीली गैसों के प्रयोग के निषेध पर देशों ने समझौते पर हस्ताक्षर किए.

1928 आधुनिक उड़ीसा के निर्माता पंडित गोपबंधु दास का निधन हुआ था.

1944 आइसलैंड स्वतंत्र गणराज्य बना.

1950 शिकागो के डाक्टर रिचर्ड लालर ने गुर्दे के प्रत्यारोपण का पहला सफल ऑपरेशन किया.

1967 चीन ने हाइड्रोजन बम का पहला विस्फोट किया.

1972 वाटरगेट इमारत स्थित डेमोक्रैटिक पार्टी के कार्यालय में जासूसों का उपकरण लगाते हुए पांच व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया.

1991 दक्षिण अफ्रीका श्वेत बहुमत वाली संसद ने नस्ली वर्गीकरण संबंधी कानून को सम्मत किया.

1995 उत्तरप्रदेश में राज्यपाल मोतीलाल बोहरा ने अपने अधिकारों का इस्तेमाल करते हुए संविधान की धारा 175(2) के तहत विधानसभा को लिखित आदेश देकर अभूतपूर्व कदम उठाया.

1996 राष्ट्रीय स्वयंसेवक के पूर्व सरसंघ चालक बाला साहेब देवरस का निधन.

1997 स्व. लालबहादुर शास्त्री के ज्येष्ठ पुत्र व पूर्व केंद्रीय मंत्री हरिकृष्ण शास्त्री का निधन

1999 अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन ने बाल श्रम पर प्रतिबंध लगाने वाली संधि को मंजूरी दी.

2004 बगदाद में कार बम विस्फोट में 35 मरे, 127 घायल.

2005 हरियाणा में किसानों के 16 अरब रुपये के बिजली बिल माफ.

अमेरिकी खुफिया तंत्र की चीन पर नजर, चीनी-अमेरिकियों के लिए बन सकता है मुसीबत का सबब

वॉशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिका और चीन के बीच तकरार लगातार बढ़ती जा रही है। हाल ही में ताइवान को लेकर अमेरिका ने खुली चेतावनी दी थी कि अगर चीन ने दुस्साहस किया तो इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। दोनों देशों में तनातनी के बीच अमेरिकी खुफिया एजेंसियों ने चीन के खिलाफ अपने प्रयासों को तेज कर दिया है। लेकिन यह प्रयास नागरिक अधिकार समूहों के बीच चिंता बढ़ा दी है। क्योंकि उन्हें नागरिक स्वतंत्रता को प्रभावित करने वाली जासूसी के बारे में नयी चिंताएं बढ़ रही हैं। अमेरिका के राष्ट्रीय खुफिया निदेशक के कार्यालय की एक नयी रिपोर्ट में कई सिफारिशें की गई हैं। परमाणु हथियारों, भू-राजनीति और कोविड-19 महामारी की उत्पत्ति सहित विभिन्न मुद्दों पर चीन के निर्णय को बेहतर ढंग से समझने के लिए अमेरिकी खुफिया एजेंसियों पर लगातार दबाव है जिन्होंने बीजिंग पर ध्यान केंद्रित करने वाले नए केंद्रों और कार्यक्रमों को विस्तारित किया है। चीन को लेकर अमेरिकी दृष्टिकोण को जहां द्विदलीय समर्थन प्राप्त है, वहीं नागरिक अधिकार समूह और पैरोकार चीनी मूल के लोगों पर बढ़ी हुई निगरानी के असमान प्रभाव के बारे में चिंतित हैं। उदाहरण के रूप में, जो लोग चीन में रिश्तेदारों या संपर्कों से बात करते हैं, उन पर निगरानी की संभावना अधिक हो सकती है। राष्ट्रीय सुरक्षा के नाम पर नागरिकों के समूहों के खिलाफ अमेरिका सरकार के भेदभाव का एक लंबा इतिहास रहा है। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान जापानी-अमेरिकियों को नजरबंदी शिविरों में रखा गया था, 1960 के नागरिक अधिकार आंदोलन के दौरान अश्वेत नेताओं की जासूसी की गई थी, और 11 सितंबर के हमलों के बाद मस्जिदों की जासूसी की गई। संगठन एशियन अमेरिकन फेडरल एम्प्लॉइज फॉर नॉन डिस्क्रिमिनेशन की सह-संस्थापक आयार्नी ओंग ने कहा कि एशियाई मूल के लोगों पर कभी-कभी ह्यवफादार अमेरिकियों के रूप में पूरी तरह से भरोसा नहीं किया जाता।

यूक्रेन युद्ध पर अमेरिका की चीन की घुड़की नाकाम, पुतिन के समर्थन में उतरे चीनी राष्ट्रपति

बीजिंग (ईएमएस)। यूक्रेन युद्ध पर अमेरिका की चीन की गई घुड़की अंततः नाकाम साबित हुई। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन की चेतावनी को अनसुना करते हुए चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने यूक्रेन जंग के बीच रूस के संप्रभुता और सुरक्षा से जुड़े मुद्दों का जमकर समर्थन किया है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ बातचीत में जिनपिंग ने यह भी कहा कि सभी पक्षों को यूक्रेन संकट के समुचित समाधान के लिए पूरी जिम्मेदारी के साथ जोर देना चाहिए। उधर, रूसी राष्ट्रपति कार्यालय की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि पुतिन ने यूक्रेन में हालात के मूलभूत आकलन के बारे में बताया। रूस की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि शी जिनपिंग ने विदेशी ताकतों की ओर से पैदा किए गए सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए रूस के अपने मूलभूत राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए उठाए कदमों की वैधानिकता को स्वीकार किया। चीन ने रूस के यूक्रेन पर हमले की आलोचना नहीं की है और इसे उस तरह से देखा भी नहीं है। साथ ही नाटो और पश्चिमी देशों पर आरोप लगाया है कि वे रूस को हमला करने के लिए उकसा रहे हैं। इससे पहले अमेरिका ने चीन और रूस के बीच गठजोड़ पर चिंता जताई थी। अमेरिका ने उन देशों को चेतावनी दी है जो यूक्रेन पर रूस के हमले में पुतिन का समर्थन कर रहे हैं। अमेरिका ने कहा था कि ऐसे देश 'इतिहास के गलत पक्ष की ओर' होंगे। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, 'चीन का दावा है कि वह न्यूट्रल है लेकिन उसका व्यवहार यह स्पष्ट करता है कि वह रूस के साथ नजदीकी संबंध के लिए निवेश कर रहा है।' रूस के 24 फरवरी को यूक्रेन पर हमले से ठीक पहले पुतिन और शी जिनपिंग बीजिंग में मिले थे और एक समझौते के गवाह बने थे जिसमें कहा गया था कि रूस और चीन के रिश्ते इस तरह से बढ़ाया जाएगा जिस्की कोई सीमा नहीं होगी। यह अभी तक स्पष्ट नहीं है कि चीनी राष्ट्रपति उस समय रूस के यूक्रेन पर हमले की योजना के बारे में जानते थे या नहीं।

दोबारा खोजी कछुओं की विशालकाय प्रजाति

-करीब एक शताब्दी पहले ही हो गए थे विलुप्त

वाशिंगटन (ईएमएस)। वैज्ञानिकों ने कछुओं की विशालकाय पुरानी प्रजाति को दोबारा खोजने का दावा किया गया है। फर्नांडीना आइलैंड गैलापागोस विशाल कछुए जिन्हें 'फेंटास्टीक जाइंट टारटोइस' भी कहते हैं। अभी तक इस कछुए को 1906 में एक वैज्ञानिक अभियान के दौरान इकट्ठा किए गए एक नमूने के रूप में ही जाना जाता था। लेकिन 2019 में फर्नांडीना द्वीप पर फर्नांडा नाम की एक मादा कछुए को घूमते देखा गया था। जानकारी के अनुसार प्रिंसटन यूनिवर्सिटी और येल यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने 116 साल पुराने नमूनों के साथ फर्नांडा के डीएनए का मिलान किया। शोधकताओं ने खुलासा किया है कि दोनों चेलोनोइडिस फैंटास्टिकस कछुए ही हैं और आनुवंशिक रूप से गैलापागोस विशाल कछुए की अन्य सभी प्रजातियों से अलग हैं। प्रिंसटन यूनिवर्सिटी में जूलॉजी के प्रोफेसर और गैलापागोस के विशेषज्ञ पीटर ग्रांट ने कहा, 'कई साल से यह समझा जा रहा था कि 1906 में इकट्ठा किए गए मूल नमूने द्वीप से विलुप्त हो गए थे। लेकिन अब यह उन गिने-चुने लोगों में से एक हैं जो एक सदी के पहले भी जीवित थे। फर्नांडीना द्वीप गैलापागोस द्वीप समूह के पश्चिमी हिस्से में एक सक्रिय ज्वालामुखी है, जिसे चार्ल्स डार्विन ने 1835 में देखा था। 1906 की खोज के बाद फर्नांडीना द्वीप के कछुओं के जीवित होने बेहद मामूली सबूत ही मिले थे। जैसे 1964 में द्वीप के पश्चिमी हिस्से में 18 कवच देखे गए। 2000 के दशक की शुरूआत में एक विमान से अन्य कवचों के देखे जाने की भी सूचना मिली थी। इसके बाद 2014 में एक और संभावित कवच देखा गया था।

इजरायल में अदालत के बाहर प्रदर्शनकारी फिलिस्तीनी राष्ट्रपति मोहम्मद अल हलाबी के समर्थन में नारे लगाते हुए। (फोटो-ईएमएस)

DELHI CRIME 17 june 2022:Layout 1 6/16/2022 6:42 PM Page 5

क्रिप्टोकरेंसी मूर्ख बनाने वाली नकली चीज : बिल गेट्स

वाशिंगटन (ईएमएस)। माइक्रोसॉफ्ट के को-फाउंडर और अरबपति उद्योगपति बिल गेट्स फिर क्रिप्टोकरेंसी पर बरसे हैं। बिल गेट्स ने क्रिप्टोकरेंसी को मूर्ख बनाने वाली एक बड़ी थ्यौरी पर आधारित नकली चीज करार दिया है। उन्होंने कहा कि यह न लॉन्ग टर्म की और न ही शॉर्ट टर्म की संपत्ति है। रिपोर्ट के मुताबिक, बिल गेट्स ने क्रिप्टोकरेंसी पर कटाक्ष कर कहा, जाहिर है, बंदरों के महंगे चित्रों से दुनिया में सुधार होने जा रहा है। उनका इशारा नॉन-फंगिबल टोकन्स की ओर था। गौरतलब है कि बिल गेट्स क्रिप्टोकरेंसी के कटु आलोचक हैं, वे इसलेकर टेस्ला सीईओ एलन मस्क से भी भिड़ चुके हैं। बिल गेट्स ने पिछले साल बिटकॉइन को खुदरा निवेशकों के लिए बेहद जोखिम भरा बताया था। कॉइन्स की माइनिंग से पर्यावरण को होने वाले नुकसान को लेकर उनकी एलन मस्क से तीखी बहस हुई थी। डिजिटल एसेट्स पर बिल गेट्स को भरोसा नहीं है। गेट्स ने कहा था कि उन्होंने क्रिप्टोकरेंसी में अपना कोई पैसा नहीं लगाया है। बिल गेट्स ने कहा कि वे ऐसी चीज में पैसा लगाना पसंद करूंगा, जिसका कोई वैल्यूएबल आउटपुट हो। डिजिटल एसेट्स इसतरह के निवेश में नहीं आती हैं। नवंबर 2021 में ग्लोबल क्रिप्टोकरेंसी मार्केट कैप 2.9 लाख करोड़ डॉलर के पीक पर था, लेकिन इस साल क्रिप्टो की मार्केट वैल्यू में भारी कमी आई है। पिछले दो महीनों में इसकी वैल्यू 1 लाख करोड़ डॉलर कम हो चुकी है। बुधवार को भारतीय समयानुसार सुबह 9:42 बजे तक ग्लोबल क्रिप्टोकरेंसी मार्केट कैप लगभग 1.3 फीसदी की गिरावट के साथ 916 बिलियन डॉलर पर आ गई है। पिछले साल 10 नवम्बर के बाद से यह अब तक 70 फीसदी से ज्यादा गिर चुकी है।

एसबीआई ने अब होम लोन पर बढ़ाई ब्याज दरें

- बैंक ने आवास ऋण पर न्यूनतम ब्याज दर बढ़ाकर 7.55 प्रतिशत की

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश के प्रमुख बैंक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने आवास ऋण पर न्यूनतम ब्याज दर बढ़ाकर 7.55 प्रतिशत कर दी है। नई दरें बुधवार से लागू हो गई हैं। भारतीय रिजर्व बैंक ने पिछले सप्ताह प्रमुख नीतिगत दर रेपो को 0.50 प्रतिशत बढ़ाकर 4.90 प्रतिशत कर दिया है। इसके बाद कई बैंकों ने ऋण पर ब्याज दरों में बढ़ोतरी की है। मई में भी केंद्रीय बैंक ने रेपो दर में अचानक 0.40 प्रतिशत की वृद्धि की थी। एसबीआई की वेबसाइट पर उपलब्ध सूचना के अनुसार बैंक ने अपनी ब्राह्य बेंचमार्क आधारित ऋण दर (ईबीएलआर) को बढ़ाकर न्यूनतम 7.55 प्रतिशत कर दिया है। पहले यह दर 7.05 प्रतिशत थी। बैंक ईबीएलआर के ऊपर ऋण जोखिम प्रीमियम भी जोड़ते हैं। बैंक ने कोष की सीमांत लागत आधारित ऋण दर (एमसीएलआर) को 0.20 प्रतिशत बढ़ाया है, जो 15 जून से लागू है। इससे पहले भारतीय स्टेट बैंक ने जमा और कर्ज पर ब्याज दरों में बढ़ोतरी की थी। एसबीआई की वेबसाइट के अनुसार, दो करोड़ रुपए से कम की खुदरा घरेलू मियादी जमा पर संशोधित ब्याज दर 14 जून, 2022 से प्रभावी होगी। वेबसाइट पर उपलब्ध सूचना के अनुसार 211 दिन से लेकर एक साल से कम अवधि के लिए जमा पर ब्याज दर 4.60 प्रतिशत होगी, जो अभी 4.40 प्रतिशत है।

वरिष्ठ नागरिकों को 5.10 प्रतिशत ब्याज मिलेगा, जो अभी 4.90 प्रतिशत है। इसी प्रकार, एक साल से लेकर दो साल से कम अवधि की जमाओं पर ग्राहकों को 5.30 प्रतिशत ब्याज मिलेगा. इसमें 0.20 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वहीं, वरिष्ठ नागरिकों को 5.80 प्रतिशत ब्याज मिलेगा। इसके अलावा एसबीआई ने दो वर्ष से लेकर तीन साल से कम की जमा पर ब्याज दर को 5.20 प्रतिशत से बढ़ाकर 5.35 प्रतिशत कर दिया है। इसमें वरिष्ठ नागरिकों को 5.85 प्रतिशत ब्याज मिलेगा, जो पहले 5.70 प्रतिशत था। एसबीआई ने ने दो करोड़ रुपये और उससे अधिक की घरेलू थोक सावधि जमा पर ब्याज दर में 0.75 प्रतिशत तक की वृद्धि की है। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ने रेपो से जुड़ी ऋण दर (आरएलएलआर) को बढ़ाकर 7.15 प्रतिशत कर दिया है। यह पहले 6.65 प्रतिशत थी।

ई-कॉमर्स कारोबार पर सीमा शुल्क से छूट की समीक्षा होनी चाहिए: भारत

जिनेवा (ईएमएस)। भारत ने विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के सदस्य देशों से ई-कॉमर्स कारोबार पर सीमा शुल्क में छूट पर रोक को जारी रखने की समीक्षा तथा उस पर पुनर्विचार करने का आह्वान किया। भारत ने कहा कि यह विकासशील देशों की अर्थव्यवस्था को प्रभावित करने वाला मुद्दा है। डब्ल्यूटीओ के 12वें मंत्रिस्तरीय सम्मेलन के दौरान ई-कॉमर्स पर सत्र को संबोधित करते हुए वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि विकासशील देशों में इलेक्ट्रॉनिक ट्रांसमिशन में व्यापार चुनौतीपूर्ण बनी हुई है। इसका कारण विकसित और विकासशील देशों के बीच व्यापक स्तर पर डिजिटल अंतर का होना है। एक अनुमान के अनुसार 95 में से 86 विकासशील देश डिजिटल उत्पादों के शुद्ध आयातक हैं और केवल पांच बड़ी प्राद्योगिकी कंपनियां बाजार को नियंत्रित कर रही हैं। उन्होंने कहा कि कपड़ा, हथकरघा जैसे भौतिक उत्पादों के छोटे निर्यातकों को घरेलू कर के अलावा सीमा शुल्क भी देना होता है और इस प्रकार के उद्योग मुख्य रूप से विकासशील देशों में हैं। वहीं दूसरी तरफ बड़े डिजिटल निर्यातकों को सीमा शुल्क से छूट मिली हुई है। यह वास्तव में घरेलू विनिर्माण क्षमता को प्रभावित करेगा। इससे वास्तव में वे प्रतिस्पर्धी नहीं रह पाएंगी। मुझे लगता है कि 24 साल से जारी इस रोक की समीक्षा करने और इस पर फिर से विचार करने की जरूरत है।

एयरबस ए350 विमान खरीदेगी एयर इंडिया

नई दिल्ली (ईएमएस)। टाटा समूह की विमानन कंपनी एयर इंडिया ने अपने विमानों की पहली खेप के रूप में बड़े आकार के एयरबस ए350 विमान खरीदने का फैसला है। जानकारी के मुताबिक विमानन कंपनी को अपना पहला विमान मार्च, 2023 तक मिलने की उम्मीद है। हालांकि, यह फिलहाल स्पष्ट नहीं है कि कंपनी कितने ए350 विमान खरीदेगी। सूत्रों ने बताया कि एयर इंडिया ने अपने वरिष्ठ पायलटों से ए350 विमान के संचालन के लिए प्रशिक्षण लेने के बारे में भी पूछा है। गौरतलब है कि एयर इंडिया ने वर्ष 2006 से एक भी नया विमान नहीं खरीदा है। तब कंपनी ने 111 विमान खरीदने का ऑर्डर दिया था।

पेट्रोल और डीजल की कीमत 25वें दिन भी नहीं बदली

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश में तेल विपणन कंपनियों ने गुरुवार को पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया, जिससे लगातार 25वें दिन ईंधन के दाम स्थिर रहे। इंडियन ऑयल की अधिसूचना के मुताबिक दिल्ली में गुरुवार को पेट्रोल का दाम 96.72 रुपए और डीजल का दाम 89.62 रुपए प्रति लीटर है, जबकि मुंबई में पेट्रोल और डीजल की कीमत क्रमशः 111.35 रुपए और 97.28 रुपए प्रति लीटर पर है। देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतें वैट और माल ढुलाई शुल्क के आधार पर राज्यों में अलग-अलग हैं। केंद्र सरकार ने 25 मई को आम आदमी को बड़ी राहत देते हुए पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में क्रमशः आठ रुपए और छह रुपए प्रति लीटर की कटौती करने की घोषणा की थी। इससे पेट्रोल-डीजल के दाम कम से क्रमशः 9.5 रुपए और सात रुपए तक कम हो गए थे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में ऊतार-चढ़ाव जारी है। लंदन ब्रेंट क्रूड 0.38 प्रतिशत चढ़कर 118.96 डॉलर प्रति बैरल और अमेरिकी क्रूड 0.50 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 115.89 डॉलर प्रति बैरल पर है। पेट्रोल-डीजल के मूल्यों की प्रतिदिन समीक्षा की जाती है। देश के चार बड़े महानगरों में पेट्रोल और डीजल के दाम इस प्रकार रहेः- दिल्ली पेट्रोल 96.72 रुपए प्रति लीटर, डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई पेट्रोल 111.35 रुपए प्रति लीटर, डीजल 97.28 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता पेट्रोल 106.03रुपए प्रति लीटर, डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, और चेन्नई पेट्रोल 102.63 रुपए प्रति लीटर 94.24 रुपए प्रति लीटर।

अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने 0.75 फीसदी बढ़ाई ब्याज दरें

वाशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने ब्याज दरों में 0.75 फीसदी की बढ़ोत्तरी की घोषणा की है। यह 28 साल में सबसे बड़ा इजाफा है। अमेरिका में मुद्रास्फीति 40 साल में अपने उच्चतम स्तर पर है। मई के महीने में यह 8.6 प्रतिशत दर्ज की गई थी। ऐसे में महंगाई पर काबू पाने के लिए अमेरिका के केंद्रीय बैंक ने ब्याज दरें बढ़ाई हैं। ब्याज दरों में 0.75 फीसदी की बढ़ोत्तरी 1994 के बाद से सबसे ज्यादा है। अमेरिकी फेड की ब्याज दरें बढ़ने से भारतीय मुद्रा पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। ब्याज दरों में बढ़ोत्तरी डॉलर को मजबूत करेगी लेकिन इससे रुपया और ज्यादा गिर सकता है। डॉलर के मुकाबले रुपया पहले ही अपने सबसे निचले स्तर पर है। अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व की बैठक के नतीजों से पहले कारोबारियों ने बाजार से दूरी बना ली थी। यूएस फेड की बैठक से पहले ही ब्याज दरों में बढ़ोतरी के अनुमान के चलते दुनिया भर के शेयर बाजारों में गिरावट देखी गई थी। जब अमेरिका में ब्याज दरें कम रहती हैं, तो एफपीआई निवेश के रूप में उभरते बाजारों में बंपर पैसा आता है। इससे शेयर बाजारों में मजबूती आती है। अमेरिका में प्रमुख ब्याज दर बढ़ने पर दुनिया भर के देश अपने यहां भी प्रमुख ब्याज दरों में बढ़ोतरी करने लगते हैं। भारत में भी आरबीआई ने रेपो रेट को बढ़ाना तब शुरू किया, जब अमेरिका द्वारा ब्याज दरों में बढ़ोतरी की पूरी-पूरी उम्मीद थी। दरअसल, होता यह है कि अमेरिका में ब्याज दरें बढ़ने के साथ-साथ ही अमेरिका और भारत सरकार के बांड के बीच का अंतर कम होता जाता है। इस अंतर के चलते वैश्विक निवेशक इंडियन सिक्युरिटीज से पैसा निकालने लगते हैं।

हवाई किराये में 10-15 फीसदी की वृद्धि जरूरी: सिंह

नई दिल्ली (ईएमएस)। विमान ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी और रुपए के अवमूल्यन की वजह से घरेलू विमानन कंपनियों के पास हवाई किराया तत्काल बढ़ाने के अलावा कोई और विकल्प नहीं रह गया है। स्पाइसजेट के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक अजय सिंह ने यह बात कही। सिंह ने एक बयान में कहा कि परिचालन लागत वहनीय बनी रहे इसके लिए हवाई किराये में कम से कम 10 से 15 फीसदी की वृद्धि करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जून 2021 के बाद से विमान ईंधन के दाम में 120 फीसदी से अधिक की बढ़ोतरी हो चुकी है। दामों में बड़े पैमाने पर हुई यह वृद्धि वहनीय नहीं है और केंद्र तथा राज्यों की सरकारों को विमान ईंधन पर कर कम करने के लिए तत्काल कदम उठाना चाहिए।

केडब्ल्यूएच बाइक को 78,000 प्री-ऑर्डर मिले

- लॉन्चिंग से पहले ही विदेशों बाजारों से आई डिमांड

नई दिल्ली (ईएमएस)। बेंगलुरु स्थित इलेक्ट्रिक स्कूटर स्टार्टअप केडब्ल्यूएच बाइक को 78,000 प्री-ऑर्डर मिले हैं। खास बात यह कि कंपनी अपने व्हीकल के लिए कोई मार्केटिंग नहीं की है। कंपनी ने घोषणा की कि उसको भारत भर के 75 डीलरों से अपने आगामी ई-स्कूटर के 78,000 यूनिट की बुकिंग मिल गई है। इलेक्ट्रिक व्हीकल निमार्ता का लक्ष्य 2023 तक ई-स्कूटर का उत्पादन शुरू करना है। कंपनी ने एक बयान में कहा है कि व्हीकल के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू करने के पांच महीने के भीतर कंपनी को अपने ई-स्कूटर के लिए 1000 करोड़ रुपये से अधिक के ऑर्डर मिल चुके हैं। इस अवसर पर के केडब्ल्यूएच बाइक के संस्थापक और सीईओ सिद्धार्थ जंघू ने कहा है कि जो प्री-बुकिंग मिली हैं, वे बिना किसी मार्केटिंग के बिना ऑर्गैनिकली जेनरेट की गई हैं। हमारे व्हीकल को लेकर विदेशी बाजारों ने भी दिलचस्पी दिखाई है, लेकिन हम फिलहाल भारत पर ध्यान दे रहे हैं। यह हमारे लिए एक बड़ा मील का पत्थर है। कंपनी ने कर्नाटक, दिल्ली, महाराष्ट्र, हरियाणा, यूपी, बिहार, गुजरात, पश्चिम बंगाल और राजस्थान सहित नौ क्षेत्रों में डिस्ट्रिब्यूशन के लिए मौजूदा ऑटोमोटिव डीलरों और प्रमुख बी2बी प्लेयर्स के साथ भागीदारी की है। केडब्ल्यूएच की रेंज को लेकर कंपनी ने कहा है कि इस इलेक्ट्रिक स्कूटर में लिथियम-ऑयन बैटरी का इस्तेमाल किया गया है। इसे 4 घंटे में फुल चार्ज किया जा सकेगा। फुल चार्ज होने पर इसे 120-150केएम तक चलाया जा सकेगा। स्कूटर की टॉप स्पीड 75 किमी प्रति घंटा होगी। बता दें कि देश में इलेक्ट्रिक व्हीकल बनाने वाली कंपनियों का संख्या में तेजी से इजाफा हुआ है। यह कंपनियां इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर के डिजाइन, रेंज और कीमत से जरिए ग्राहकों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करने की कोशिश कर रही हैं।

मई में भारतीय कंपनियों में 5.3 अरब डॉलर का निवेश मिला: रिपोर्ट

मुंबई (ईएमएस)। निजी इक्विटी और उद्यम पूंजी कोषों ने मई, 2022 में भारतीय कंपनियों में 5.3 अरब डॉलर का निवेश किया है, जो एक साल पहले की समान अवधि की तुलना में 42 प्रतिशत अधिक है। उद्योग संगठन आईवीसीआर और परामर्श कंपनी ईवाई की रिपोर्ट के अनुसार अप्रैल में 7.5 अरब डॉलर के निवेश की तुलना में मई में निवेश 29 प्रतिशत कम था। वहीं सौदों के लिहाज से मई में 109 लेनदेन हुए जबकि एक साल पहले की इसी महीने में 66 और अप्रैल 2022 में 117 सौदे हुए थे। रिपोर्ट के अनुसार मई 2022 में दस करोड़ डॉलर से अधिक के 14 बड़े सौदे हुए जिनका मूल्य 3.9 अरब डॉलर है। इसमें अडाणी के नियंत्रण वाले मुंबई हवाईअड्डे द्वारा अपोलो ग्लोबल से 75 करोड़ डॉलर का ऋण जुटाना भी शामिल है।

ऑल-न्यू वोल्वो एक्ससी40 रिचार्ज जुलाई में होगी लांच

-400 किमी से ज्यादा रेंज वाली इलेक्ट्रिक कार

नई दिल्ली (ईएमएस)। ऑल-न्यू वोल्वो एक्ससी40 रिचार्ज जुलाई 2022 में लॉन्च की जाएगी। वोल्वो भारत में स्थानीय रूप से असेंबल किए गए ईवी की पेशकश करने वाला पहला लक्जरी ब्रांड होगा। इस कॉम्पैक्ट लग्जरी इलेक्ट्रिक एसयूवी को कंपनी के कर्नाटक में बेंगलुरु के पास होसाकोटे प्लांट में असेंबल करेगी। वोल्वो एक्ससी40 रिचार्ज से भारत में मार्च 2021 में पर्दा उठाया गया था। इसके लिए प्री-बुकिंग पिछले साल जून में शुरू हुई थी। डिजाइन के मामले में, यह अपने आईसीई कार की तरह ही दिखती है और इसे उसी कॉम्पैक्ट मॉड्यूलर आर्किटेक्चर प्लेटफॉर्म पर भी बनाया गया है। यह दो इलेक्ट्रिक मोटर्स से चलती, जिस्का आउटपुट 408 बीएचपी और 660 एनएम है। यह महज 4.7 सेकंड में 100 किमी प्रति घंटे की स्पीड पकड़ सकती है। इसकी टॉप स्पीड 180 किमी प्रति घंटा है। इस इलेक्ट्रिक एसयूवी में 78केडब्ल्यूएच की लिथियम-आयन बैटरी पैक का इस्तेमाल किया गया है। वोल्वो का दावा है कि यह एक बार चार्ज करने पर लगभग 400 किमी की दूरी तय कर सकती है। इसके अलावा 150केडब्ल्यू डीसी फास्ट चार्जर से इसे सिर्फ 40 मिनट में 80 प्रतिशत तक चार्ज किया जा सकता है।

वोल्वो एक्ससी40 रिचार्ज की डिलीवरी अक्टूबर 2022 में शुरू होगी।कार के फीचर्स की बात करें तो इसमें पैनोरमिक सनरूफ, टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, 12 इंच का इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, टेलगेट में हैंड्स फ्री फंक्शन, टू जोन ऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल, वायरलेस फोन चार्जिंग, 19 इंच के अलॉय व्हील, लेदर अपहोल्स्ट्री, एलईडी हैडलाइट्स एंड टेल लाइट्स जैसे फीचर्स दिए गए हैं।वोल्वो कार इंडिया की मैनेजिंग डायरेक्टर ज्योति मल्होत्रा ने कहा, हम भारतीय बाजार में आगे बढ़ने के लिए कमिटेड हैं। नई इलेक्ट्रिक कार एक्ससी40 रिचार्ज को बेंगलुरु स्थित प्लांट में असेंबल किया जाएगा। मोबिलिटी का भविष्य इलेक्ट्रिक है और एक कंपनी के रूप में हम पहले ही कह चुके हैं कि हम 2030 तक पूरी तरह से इलेक्ट्रिक कार कंपनी बन जाएंगे।

स्थानीय असेंबली पर हमारा ध्यान इस दिशा में एक कदम है। वहीं सेफ्टी के लिहाज से इसमें 7 एयरबैग, 360-डिग्री कैमरा, टायर प्रेशर मॉनिटर, ब्लाइंड-स्पॉट मॉनिटर, क्रॉस ट्रैफिक अलर्ट, ऑटो पार्किंग, ऑनकमिंग लेन मिटिगेशन, रोड साइन रिकॉग्निशन और हिल डिसेंट कंट्रोल जैसे सेफ्टी फीचर्स दिए गए हैं।

काकुरो पहेली - 5861

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

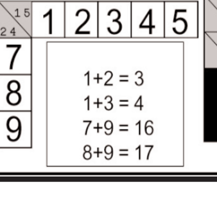

काकुरो - 5860 का हल

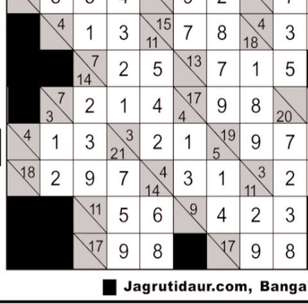

Jagrutidaur.com, Bangalore

मारुति सुजुकी ने 2.33 लाख यूनिट्स की थी शिप

-मारुति सुजुकी का यह अब तक का सबसे बड़ा डिस्पैच

नई दिल्ली (ईएमएस)। पिछले वित्त वर्ष में मारुति सुजुकी इंडिया ने भारतीय रेलवे की मदद से लगभग 2.33 लाख यूनिट्स शिप की थी। यह मारुति सुजुकी का अब तक का सबसे बड़ा डिस्पैच है। इस बारे में कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि मारुति सुजुकी के डिस्पैच में पिछले साल 23 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। एक रिपोर्ट के अनुसार मारुति सुजुकी ने पिछले आठ वर्षों में रेलवे के माध्यम से लगभग 11 लाख वाहनों का परिवहन किया है, जिससे 4,800 मीट्रिक टन कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन को कम करने में मदद मिली है। सड़क परिवहन से इस प्रक्रिया को पूरा करने में 1,56,000 ट्रक ट्रिप लगतीं और 174 मिलियन लीटर फ्यूल खर्च होता। ऐसे में भारतीय रेलवे का इस्तेमाल करके मारूती सुजुकी ने ग्रीनहाउस उत्सर्जन कम करने में मदद की है। इस संबंध में मारुति सुजुकी ने कहा कि वह अपने वाहनों को भेजने के लिए रेल परिवहन के उपयोग को बढ़ाने के लिए भारतीय रेलवे के साथ काम कर रही है। कंपनी के कार्यकारी निदेशक राहुल भारती ने कहा रेलवे लॉजिस्टिक्स कार्बन फुटप्रिंट को कम करने और सड़क पर भीड़ को कम करने की क्षमता प्रदान करता है। पिछले कुछ वर्षों में हमने अपने कारखाने से रेलवे का उपयोग करने वाले डीलरों के लिए कार डिस्पैच की हिस्सेदारी को जानबूझकर बढ़ाया है। भारती ने कहा ऑटोमेकर रेल परिवहन में मौजूदा 15 प्रतिशत के शेयर को और अधिक बढ़ाएगा। इसने कंपनी को रेलवे के नेटवर्क पर हाई स्पीड, हाई कैपेसिटी वाले ऑटो-वैगन रेक बनाने और संचालित करने की अनुमति दी। वर्तमान में ऑटोमेकर के पास 41 रेलवे रेक हैं। हर रेक में 300 से अधिक वाहनों रखने की क्षमता है। उन्होंने कहा कि हम शेयर को और बढ़ाने के लिए कई कदम उठा रहे हैं। इसके लिए हमने हंसलपुर और मानेसर में रेलवे पर मैन्यूफैक्चरिंग प्लांट स्थापित करने के लिए गुजरात और हरियाणा की सरकारों के साथ हाथ मिलाया है। बता दें कि मारुति सुजुकी इंडिया 2013 में ऑटोमोबाइल फ्रेट ट्रेन ऑपरेटर लाइसेंस प्राप्त किया था। वह एएफटीओ लाइसेंस हासिल करने वाली भारत की पहली ऑटोमोबाइल निमार्ता थी।

आज का भाग्य — आज का राशिफल

शुभ संवत 2079, शाके 1944, सौम्य गोष्ठ, आषाढ कृष्ण पक्ष, ग्रीष्म ऋतु, गुरु उदय पूर्वे तथा शुक्रोदय पूर्वे तिथि तीज, शुक्रवासरे, उ.षा.नक्षत्रे, ऐग योगे, विवकरणे, मकर की चंद्रमा, भद्रा सुबह 10.33 तक श्री गणेश चौथ क्रत, चंद्रोदय रात्रि 9/45 तक मुंडन कर्ण वेध, गृहारंभ, दक्षिण दिशा की यात्रा शुभ तथा उत्तम होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल........

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, चपल, चतुर, चंचल, उत्तम वृत्ति वाला, योगी-भोगी, वक्ता-प्रवक्ता, कुशल शासक-प्रशासक, उद्यम स्थापन करने वाला, रेत-ईंटा-सीमेन्ट का व्यापारी, सरिया चादर का व्यापारी, राज्य शासन की भागीदारी का व्यापारी होगा।

मेष राशि - हर्ष, यात्रा सुख, सफलता, हानि, गृह कलह, मानसिक अशांति का अनुभव होगा।
वृष राशि - विरोध, व्यय, कष्ट, अशांति रहेगी तथा लेखन कार्य में सफलता अवश्य मिलेगी।
मिथुन राशि - व्यापार में अति लाभ, यात्रा विवाद, उद्योग-व्यापार की स्थिति में कमी होगी।
कर्क राशि - शरीर मध्यम, भूमि व राजभय, सफलता का दिन, हर्ष रहेगा, फलप्रद स्थिति रहेगी।
सिंह राशि - वाहन भय, राज सुख, यात्रा से लाभ होगा तथा शुभ कार्यो में व्यवधान होगा।
कन्या राशि - व्यय, विरोध, भूमि लाभ होगा, शेष कार्य में व्यवधान होगा, धैर्य से कार्य करें।
तुला राशि - रोग भय, यात्रा सुख, यात्रा, व्यापार में सुधार हो सकता है, रुके कार्य बन जायेंगे।
वृश्चिक राशि - कार्य सिद्धी, लाभ, विरोध, भूमि लाभ, कार्य में बाधा, व्यवस्था बनी रहेगी।
धनु राशि - लाभ के कार्य होंगे, यश, हर्ष, यात्रा भय, शिक्षा जगत की स्थिति सामान्य रहेगी।
मकर राशि - विरोध, व्यापार में हानि, शरीर कष्ट, धार्मिक खर्च तथा विशेष व्यय होगा।
कुंभ राशि - लाभ-हानि की समान स्थिति रहेगी, विरोधी परेशान करने का प्रयास करेंगे, धैर्य रखें।
मीन राशि - राज भय, अंश लाभ, चोरी तथा चोर भय हो सकता है, परेशानियां बढ़ेंगी।

DELHI CRIME 17 june 2022:Layout 1 6/16/2022 6:42 PM Page 6

दक्षिण अफ्रीका के प्रांतीय टीम बोलैंड के मुख्य कोच बने जेपी डुमिनी

जोहान्सबर्ग, (हि.स.)। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व बल्लेबाज जेपी डुमिनी को प्रांतीय टीम बोलैंड का मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। डुमिनी का कार्यकाल दो साल का होगा। डुमिनी ने इससे पहले लायंस फ्रैंचाइजी के लिए बल्लेबाजी सलाहकार के रूप में काम किया था और कुछ समय के लिए टी 20 विश्व कप में राष्ट्रीय पुरुष टीम के साथ भी जुड़े थे। ईएसपीएनक्रिकइन्फो की रिपोर्ट के अनुसार डुमिनी ने कहा, "मैं बहुत उत्साहित हूं, घबराया हुआ हूं। खेलने के बाद कोचिंग स्पेस में आने का यह एक शानदार मौका है। बोलैंड मेरे दिल के करीब है। हमने बोलैंड में काफी समय बिताया।" उन्होंने कहा,"बोलैंड के लोग मेरे लिए बहुत मायने रखते हैं और उम्मीद है कि यह हमारे लिए समुदाय में बाहर निकलने और टीम को एक बार फिर समुदाय के करीब लाने और लोगों का प्रतिनिधित्व करने का अवसर है। मैं इसका एक बड़ा हिस्सा बनना चाहता हूं । बोलैंड से जुड़ना मेरे लिए एक बड़ी बात है।" बोलैंड क्रिकेट के सीईओ जेम्स फोर्टुइन ने कहा, "उनकी सबसे बड़ी ताकत में से एक मैन-मैनेजमेंट है। लोग उन्हें पसंद करते हैं। उनके पास बहुत बड़ा अनुभव है।" 2019 विश्व कप के बाद संन्यास लेने वाले डुमिनी ने दक्षिण अफ्रीका के लिए 46 टेस्ट, 199 वनडे और 81 टी20 मैच खेले हैं।

केन्या में होने वाली डब्ल्यूआरसी सफारी रैली में हिस्सा लेंगे गौरव गिल

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारत के सम्मानित रैली ड्राइवर और अर्जुन अवार्डी गौरव गिल विश्व रैली चैम्पियनशिप (डब्ल्यूआरसी) 2022 में हिस्सा लेंगे। तीन बार की एशिया पैसिफिक रैली चैंपियनशिप (एपीआरसी) और सात बार के इंडियन नेशनल रैली चैंपियनशिप (आईएलआरसी) विजेता गिल 23 जून से 26 जून तक केन्या में होने वाली डब्ल्यूआरसी सफारी रैली में भाग लेने के लिए तैयार हैं। गिल ब्राजील के सह-चालक गेब्रियल मोरालेस के साथ डब्ल्यूआरसी 2 में स्कोडा फैबिया फ्र चलाएंगे, जो 290 ँस्त्र का अधिकतम टॉर्क 425 न्यूटन मीटर का होगा। डब्ल्यूआरसी की सबसे चुनौतीपूर्ण रैलियों में से एक के रूप में जाना जाता है, सफारी में 19 विशेष चरण हैं जो लगभग 365 किलोमीटर की प्रतियोगिता को पार करते हुए चुनौतीपूर्ण सड़कों, चट्टानी और उबड़-खाबड़ पटरियों से होकर गुजरेगा। डब्ल्यूआरसी 2 में गिल की आखिरी आउटिंग 2019 में तुर्की की रैली में थी, जहां वह बेहतर प्रदर्शन के बावजूद जीत से चूक गए थे। वहीं, ऑस्ट्रेलिया की रैली में उनका आउटिंग रुक गया था क्योंकि न्यू साउथ वेल्स के कॉफ्स कोस्ट शहर के आसपास के जंगलों में भीषण आग के कारण अंतिम समय में कार्यक्रम रद्द कर दिया गया था। गौरव गिल ने कहा, "मैं दो साल से अधिक के अंतराल के बाद डब्ल्यूआरसी में लौटने के लिए उत्साहित हूं। मैंने अपनी पिछली भागीदारी को प्रतिबिंबित करने के लिए महामारी के इन दो वर्षों का उपयोग किया है और राष्ट्रीय रैली के अलावा विभिन्न शीर्ष गतिविधियों में शामिल होने के दौरान अपनी फिटनेस और प्रदर्शन को समग्र रूप से सुधारने पर काम किया है। मैं जेके टायर मोटरस्पोर्ट्स के समर्थन के लिए उनका आभारी हूं और मैं देश और टीम के लिए अच्छे परिणाम का दावा करने के लिए आशान्वित हूं।" घरेलू मोर्चे पर, 2022 जेके टायर के लिए एक उत्सव का वर्ष है क्योंकि कंपनी इस साल जेके टायर नेशनल रेसिंग चैंपियनशिप के लगातार 25 वें वर्ष की मेजबानी करेगी और अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी रेस सहित बौद्ध इंटरनेशनल सर्किट में अपने बड़े-टिकट वाले आयोजन को फिर से शुरू करेगी। जेके टायर के मोटरस्पोर्ट कार्यक्रम में अर्जुन मैनी, कुश मैनी, यश आराध्या, अखिल रवींद्र, स्नेहा शर्मा, मीरा एर्दा जैसे युवाओं को भी शामिल किया गया है।

यूएस ओपन गोल्फ 2022 का प्रसारण यूरोस्पोर्ट इंडिया और डिस्कवरी प्लस पर

मुंबई, (हि.स.)। वर्ष 2022 के तीसरे प्रमुख गोल्फ टूर्नामेंट - यूएस ओपन का प्रसारण यूरोस्पोर्ट इंडिया और डिस्कवरी प्लस ऐप पर किया जाएगा। 72-होल स्ट्रोक प्ले फॉर्मेट यूएस ओपन 2022 अपने 122वें संस्करण में 16-19 जून 2022 तक ब्रूकलिन, मैसाचुसेट्स में कंट्री क्लब कोर्स में खेला जाएगा। इस संस्करण से तीन दशकों से अधिक के अंतराल के बाद चौथी बार कंट्री क्लब में यूएस ओपन की वापसी भी होगी। इसने 1913, 1963 और 1988 में टूर्नामेंट की मेजबानी की थी। डिफेंडिंग चैंपियन और स्पैनिश गोल्फर जॉन रह्म दुनिया भर के कुछ शीर्ष गोल्फरों के साथ प्रतिष्ठित सम्मान के लिए प्रतिस्पर्धा करते हुए दिखाई देंगे। साझेदारी पर यूरोस्पोर्ट इंडिया के प्रमुख रुचिर जैन ने कहा, ह्यूरोस्पोर्ट इंडिया हमेशा भारत में खेल के प्रति उत्साही लोगों के लिए खेल की दुनिया में सर्वश्रेष्ठ लाने की कोशिश करता है।

हमने देखा है कि भारतीय गोल्फरों ने बड़े आयोजनों में इस तरह का जबरदस्त प्रदर्शन किया है, जिसमें अनिर्बान का भारतीय खेल इतिहास में सबसे अच्छा पुरस्कृत प्रदर्शन है और अदिति ओलंपिक गोल्फ में भारी प्रगति कर रही है। हम भारत में सभी गोल्फ प्रशंसकों और फॉलोवर्स लिए सबसे बहुप्रतीक्षित गोल्फ प्रमुखों में से एक - यूएस ओपन 2022 से लाइव एक्शन लाने के लिए उत्साहित हैं।" यूरोस्पोर्ट इंडिया पीजीए टूर, एलपीजीए टूर और एशियन टूर के कुछ सबसे सम्मानित और प्रतीक्षित गोल्फ आयोजनों का प्रसारण करता है, और शीर्ष भारतीय गोल्फरों के प्रदर्शन को लगातार प्रदर्शित करता है जिनमें अनिर्बान लाहिरी, अर्जुन अटवाल और अदिति अशोक शामिल हैं।

हरभजन ने आयरलैंड दौरे के लिए भारतीय टीम में शामिल किये जाने पर राहुल त्रिपाठी को दी बधाई

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारत के पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने सनराइजर्स हैदराबाद के बल्लेबाज राहुल त्रिपाठी को आयरलैंड दौरे के लिए भारतीय टीम में शामिल किये जाने पर शुभकामनाएं दीं हैं। टीम इंडिया 26 जून से डबलिन में शुरू होने वाली दो मैचों की टी20 सीरीज में आयरलैंड का सामना करेगी। हरभजन ने ट्वीट किया, "भारतीय टीम में आपके पहले कॉल-अप पर बधाई राहुल त्रिपाठी! आप इसके योग्य भी हैं। हार्दिक पांड्या को भी टीम इंडिया का कप्तान बनाए जाने पर बधाई।" राहुल का हैदराबाद के साथ एक असाधारण आईपीएल सीजन था। उन्होंने अपनी तरफ से खेले 14 मैचों में 37.55 की औसत से 413 रन बनाए। उन्होंने इस सीजन में 76 के सर्वश्रेष्ठ स्कोर और 158.23 के स्ट्राइक रेट के साथ तीन अर्द्धशतक बनाए। वह हैदराबाद के लिए दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी थे। अपने अब तक के आईपीएल करियर में, राहुल ने राइजिंग पुणे सुपरजायंट, राजस्थान रॉयल्स, कोलकाता नाइट राइडर्स और सनराइजर्स हैदराबाद का प्रतिनिधित्व किया है। उन्होंने अब तक अपने 76 आईपीएल मैचों में 27.66 की औसत से 1,798 रन बनाए हैं। उन्होंने आईपीएल में अब तक 93 के सर्वश्रेष्ठ स्कोर के साथ 10 अर्धशतक लगाए हैं। बता दें आयरलैंड दौरे के लिए हार्दिक पांड्या टीम की अगुवाई करेंगे जबकि तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार उपकप्तान होंगे। बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव और संजू सैमसन भी टीम में वापसी करेंगे। आयरलैंड दौरे के लिए भारत की टी-20 टीम इस प्रकार है: हार्दिक पांड्या (कप्तान), भुवनेश्वर कुमार (उपकप्तान), ईशान किशन, ऋतुराज गायकवाड़, संजू सैमसन, सूर्यकुमार यादव, वेंकटेश अय्यर, दीपक हुड्डा, राहुल त्रिपाठी, दिनेश कार्तिक (विकेटकीपर), युजवेंद्र चहल, अक्षर पटेल, रवि बिश्नोई, हर्षल पटेल, अवेश खान, अर्शदीप सिंह, उमरान मलिक।

रोहित शर्मा ने आज ही के दिन विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ लगाया था शतक

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारतीय क्रिकेट प्रशंसकों के लिए आज का दिन काफी यादगार है। आज ही के दिन तीन साल पहले 16 जून 2019 को भारतीय बल्लेबाज रोहित शर्मा ने आईसीसी विश्व कप 2019 के दौरान पाकिस्तान के खिलाफ 140 रनों की मैच जिताऊ पारी खेली थी। रोहित ने 113 गेंदों में 140 रनों की पारी खेली और भारत को 50 ओवरों में 337 रनों का विशाल लक्ष्य दिया। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने ट्वीट किया,"रोहित ने इसे एक बार फिर बड़े मंच पर किया है!' आज ही के दिन 2019 में, रोहित शर्मा ने पाकिस्तान के खिलाफ 2019 विश्व कप में मैच जिताने वाले 140 रन बनाए।" इसके अलावा, रोहित ने इसी टूर्नामेंट में चार और शतक भी लगाए और विश्व कप के एक संस्करण में पांच शतक बनाने वाले पहले बल्लेबाज बने। रोहित ने न केवल श्रीलंका के पूर्व कप्तान कुमार संगकारा के एक वनडे विश्व कप में सर्वाधिक शतकों के रिकॉर्ड को तोड़ा, बल्कि विश्व कप के इतिहास में मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर के सर्वाधिक शतकों के रिकॉर्ड की भी बराबरी की। रोहित ने विश्व कप 2019 में नौ मैचों में 81.00 के औसत के साथ 648 रन बनाए और टूर्नामेंट में सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी बने। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका, पाकिस्तान, इंग्लैंड, बांग्लादेश और श्रीलंका के खिलाफ शतक बनाए। पाकिस्तान के खिलाफ विश्व कप मुकाबले की बात करें तो इस मैच में रोहित के अलावा, विराट कोहली और केएल राहुल ने क्रमशः 77 और 57 रनों की पारी खेली। जवाब में, पाकिस्तान 40 ओवर में केवल 212 रन ही बना सका और डीएलएस पद्धति के बाद 89 रन से हार गया। भारत के लिए हार्दिक पांड्या, कुलदीप यादव और विजय शंकर ने दो-दो विकेट लिए।

स्टुअर्ट ब्रॉड ने की मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम की तारीफ, कहा-टीम में पहले से ही उनका प्रभाव

नॉटिंघम, (हि.स.)। तीन मैचों की श्रृंखला के दूसरे टेस्ट में न्यूजीलैंड पर पांच विकेट से जीत दर्ज करने के बाद, इंग्लैंड के तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड ने अपने नए मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम की तारीफ की और कहा कि वह टीम में पहले से ही अपना 'प्रभाव' डाल चुके हैं। जॉनी बेयरस्टो और कप्तान बेन स्टोक्स के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड को दूसरे टेस्ट मैच में पांच विकेट से हरा दिया। मई 2022 में उनकी नियुक्ति के बाद, इंग्लैंड की पुरुष टीम के मुख्य कोच के रूप में यह मैकुलम की पहली श्रृंखला है। ईएसपीएनक्रिकइंफो की रिपोर्ट के अनुसार ब्रॉड ने कहा, 'इसमें कोई शक नहीं कि मैकुलम का पहले ही प्रभाव रहा है। वह पूरी तरह से उत्साहित थे कि हमें तीसरे दिन 380 रन मिले। एक दिन में 380 रन बनाना खास है। मैकुलम हर छोटी-छोटी चीजें, क्षेत्ररक्षण, खेल में गति में बदलाव, इन सभी पर काफी ध्यान दिया।" उन्होंने कहा, "वह एक ऐसे कोच हैं,जिसके पास क्रिकेट दिमाग है जो हर समय काम कर रहा है। वह सोच रहे हैं कि हम खेल को कैसे बदल सकते हैं। मुझे लगता है कि उनमें काफी ऊर्जा है। उनका एजेंडा 'लेट्स अटैक द डेंजर' था और यही कारण है कि खिलाड़ियों ने अपना सर्वश्रेष्ठ देने और जीत दर्ज करने में सफलता हासिल की।" दूसरे टेस्ट की बात करें तो इस मैच में जॉनी बेयरस्टो और कप्तान बेन स्टोक्स ने बल्ले से बेहतरीन प्रदर्शन कर इंग्लैंड को न्यूजीलैंड पर पांच विकेट से जीत दिलाई और तीन मैचों की टेस्ट श्रृंखला में 2-0 की अपराजेय बढ़त हासिल कर ली।

यह मैच इसलिए भी खास था कि इस मुकाबले में दोनों टीमों ने पहली पारी में 500 का आंकड़ा पार किया था, जिससे मैच के ड्रा होने की ज्यादा उम्मीथ थी। न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड के सामने 299 रनों का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य निर्धारित किया, जिसे इंग्लैंड ने पांच विकेट और 20 से अधिक ओवर शेष रहते हासिल कर लिया। 299 रनों का पीछा करते हुए, इंग्लैंड की शुरूआत अच्छी नहीं रही और सलामी बल्लेबाज जाक क्रॉली 12 के कुल स्कोर पर बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए। इसके बाद ऑली पोप और एलेक्स लीज के बीच दूसरे विकेट के लिए 41 रन की साझेदारी हुई, लेकिन पोप 53 के कुल स्कोर पर 18 रन बनाकर तेज गेंदबाज मैट हेनरी का शिकार बने। रूट कुछ खास नहीं कर सके और केवल 3 रन बनाकर चलते बने। इसके बाद 93 के कुल स्कोर पर एलेक्स लीज 44 रन बनाकर टिम साउथी का शिकार बने। इसके बाद से बेयरस्टो और कप्तान बेन स्टोक्स ने कीवी गेंदबाजों की जमकर खबर ली। खासकर बेयरस्टो एक अलग ही लय में नजर आए और 77 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। दोनों के बीच पांचवें विकेट के लिए 179 रनों की साझेदारी हुई। इस साजेदारी को तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट ने तोड़ा, जिन्होंने बेयरस्टो को ब्लंडेल के हाथों कैच आउट कराया। बेयरस्टो 92 गेंदों में 14 चौकों और सात छक्कों की मदद से 136 रन बनाकर आउट किया। हालांकि, स्टोक्स ने दूसरी तरफ से रन बनाना जारी रखा और 70 गेंदों में 10 चौकों और चार छक्कों की मदद से 75 रन बनाए। विकेटकीपर-बल्लेबाज बेन फॉक्स 12 रन बनाकर नाबाद रहे।

पुलिस अधीक्षक ने कुश्ती चैंपियनशिप में दो रजत पदक जीतने वाले को किया सम्मानित

रि-भोई (मेघालय), (हि.स.)। पुलिस अधीक्षक ने गुरुवार को रि-भोई जिला मुख्यालय में राष्ट्रीय आर्म कुश्ती चैंपियनशिप में दो रजत पदक जीतने वाले फार्म ब्रांच कांस्टेबल अलान सून मावबानियांग को सम्मानित किया। विशेष रूप से देश भर के 28 राज्यों के 1,000 से अधिक पहलवानों ने टूनार्मेंट में भाग लिया था। हैदराबाद को इस प्रतियोगिता के आयोजन की मेजबानी करने का यह चौथा मौका मिला था। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि राष्ट्रीय

आर्म कुश्ती चैंपियनशिप में दो रजत पदक जीतकर अलान सून मावबानियांग ने मेघालय सहित मेघालय पुलिस का नाम रोशन किया है। आने वाले समय में भी उन्हें खेलने का मेघालय पुलिस की ओर से हर मौका दिया जाएगा।

मेरे पास आईपीएल को दुनिया के हर हिस्से में क्रिकेट प्रशंसकों तक ले जाने का मिशन : नीता अंबानी

मुंबई, (हि.स.)। आईपीएल मीडिया अधिकार नीलामी 2022 के समापन के बाद, रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड की निदेशक नीता अंबानी ने कहा कि उनके पास 'आईपीएल को दुनिया के हर हिस्से में क्रिकेट प्रशंसकों तक ले जाने का मिशन' है। मंगलवार को ई-नीलामी में 410 मैचों के लिए आईपीएल टीवी और 2023-2027 चक्र के डिजिटल अधिकार क्रमशः स्टार इंडिया और वायकॉम 18 को 48,390 करोड़ रुपये में बेचे गए। आईपीएल अब प्रति मैच मूल्य के मामले में दुनिया की दूसरी सबसे मूल्यवान खेल लीग है। वायकॉम18 ने भारतीय उपमहाद्वीप में 2023 से 2027 तक के सीजन के लिए इंडियन प्रीमियर लीग मैचों को डिजिटल रूप से स्ट्रीम करने के अधिकार हासिल कर लिए हैं। इसने हर सीजन में 18 खेलों के विशेष पैकेज के लिए भारत के डिजिटल अधिकार भी जीते हैं। विश्व स्तर पर, वायकॉम18 ने प्रमुख क्रिकेट देशों सहित पांच अंतरराष्ट्रीय क्षेत्रों में से तीन में टेलीविजन के साथ-साथ डिजिटल अधिकार भी जीते हैं। नीता अंबानी ने बुधवार को एक आधिकारिक वायकॉम 18 विज्ञप्ति के अनुसार कहा, "खेल हमारा मनोरंजन करते हैं, हमें प्रेरित करते हैं और हमें एक साथ लाते हैं। क्रिकेट और आईपीएल सर्वश्रेष्ठ खेल और भारत के सर्वश्रेष्ठ का प्रतिनिधित्व करते हैं, यही कारण है कि हमें इस महान खेल और इस अद्भुत लीग के साथ अपने जुड़ाव को गहरा करने पर गर्व है। हमारा मिशन आईपीएल के आनंदमय अनुभव को हमारे देश के हर हिस्से में और दुनिया भर में क्रिकेट प्रशंसकों तक ले जाना है।" पैकेज ए (टीवी का) स्टार इंडिया को 23,575 करोड़ रुपये में बेचा गया है, जो प्रति मैच 57.5 करोड़ रुपये है और डिजिटल राइट्स के पैकेज बी के साथ-साथ भारत के लिए प्रत्येक सीजन में डिजिटल स्पेस में चयनित वायकॉम-18 को 18 23,758 रुपये में गेम के पैकेज सी को बेचा गया है। रिलायंस के स्वामित्व वाली वायकॉम-18 ने ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका और यूनाइटेड किंगडम के अधिकार भी जीते। टाइम्स को टएठअ (मध्य पूर्व उत्तरी अफ्रीका) और संयुक्त राज्य अमेरिका और शेष विश्व अधिकार मिले हैं।

जकार्ता में इंडोनेशियाई ओपन के मिश्रित युगल मुकाबलों में खेलती हुई चीनी जोड़ी।

(फोटो-ईएमएस)

इंडोनेशिया ओपन 2022 से बाहर हुई पोनप्पा-रेड्डी की भारतीय महिला युगल जोड़ी

जकार्ता, (हि.स.)। अश्विनी पोनप्पा और एन सिक्की रेड्डी की महिला युगल जोड़ी गुरुवार को जकार्ता में प्री क्वार्टरफाइनल में हारकर इंडोनेशिया ओपन 2022 से बाहर हो गई। कोर्ट 1 पर खेलते हुए भारतीय जोड़ी को 39 मिनट तक चले मैच में चीन की चेन किंगचेन और जिया यिफान ने 21-16, 21-13 से शिकस्त दी। उनके अलावा, भारतीय शटलर समीर वर्मा भी अपने पुरुष एकल मुकाबले में हार गए और टूनार्मेंट से बाहर हो गए। वह 41 मिनट तक चले मैच में मलेशिया के ली जी जिया से 21-10, 21-13 से हार गए। आज बाद में एचएस प्रणय पुरुष एकल मुकाबले में हांगकांग के एंगस एनजी का लोंग के खिलाफ उतरेंगे, जबकि एम आर अर्जुन और ध्रुव कपिला पुरुष युगल मुकाबले में चीन के लियू युचेन और ओ जुआनी का सामना करेंगे।

आईपीएल को ढाई महीने की विंडो दिये जाने का विरोध करेगा पीसीबी

कराची (ईएमएस)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने कहा है कि वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) के अगले भविष्य दौरा प्रोग्राम (एफटीपी) कैलेंडर में आईपीएल को ढाई महीने की विंडो दिए जाने के प्रस्ताव का विरोध करेगा। पीसीबी ने कहा है कि इस मामले में वह अन्य देशों के क्रिकेट बोर्ड से बातचीत के बाद ही कोई फैसला करेगा। पीसीबी का मानना है कि आईपीएल के कारण अन्य देशों का क्रिकेट कार्यक्रम भी प्रभावित होगा क्योंकि सभी शीर्ष क्रिकेटर इसमें व्यस्त हो जाएंगे। इससे पहले बीसीसीआई सचिव जय शाह ने कहा था कि आईसीसी की ओर से साल 2024 से 2031 के एफटीपी चक्र में आईपीएल के लिए ढाई महीने का विंडो मिल सकता है। शाह ने कहा था , अगले एफटीपी चक्र से आईपीएल के लिए ढाई महीने का विंडो रहेगा। इस प्रकार सभी शीर्ष अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर इसमें खेल सकेंगे। साथ ही कहा कि हमने इस मामले में दूसरे बोर्ड और आईसीसी से भी इस पर बात की है। वहीं दूसरी ओर पीसीबी का मानना है कि मामले पर चर्चा की जरूरत है। पीसीबी के एक अधिकारी ने कहा , आईसीसी बोर्ड की बैठक बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों के दौरान जुलाई में होगी और तभी इस मामले पर बात होगी। एक पीसीबी अधिकारी ने कहा कि क्रिकेट में पैसा आना अच्छा है पर आईपीएल के लिए हर साल शीर्ष क्रिकेटरों को पूरी तरह से बुक करने की बीसीसीआई की योजना का अंतरराष्ट्रीय द्विपक्षीय श्रृंखलाओं पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा। गौरतलब है कि बीसीसीआई ने आईपीएल में पाकिस्तानी क्रिकेटरों के खेलने पर रोक लगायी हुई है जिसके कारण भी पीसीबी आईपीएल को ढाई महीने की विंडो दिये जाने का विरोध कर रहा है।

अग्निपथ योजना : अगले दशक में भारतीय सेना का आधा हिस्सा 'अग्निवीर' होंगे

- अब अधिकारियों को छोड़कर सभी भर्तियां अग्निपथ योजना के तहत ही की जाएंगी
- भविष्य में युद्ध लड़ने के लिहाज से 'सैनिक बनाम युवाओं' में संतुलन बनाएंगे 'अग्निवीर'

नई दिल्ली, (हि.स.)। 'अग्निपथ' योजना के तहत सशस्त्र बलों में युवाओं की भर्ती का असर यह होगा कि अगले एक दशक में सेना का आधा हिस्सा 'अग्निवीर' होंगे। अब अधिकारियों को छोड़कर सभी भर्तियां अग्निपथ योजना के तहत ही की जाएंगी। इस साल 40 हजार भर्तियों से शुरूआत की जाएगी। इसके बाद सातवें या आठवें साल तक 1.2 लाख और फिर दसवें या ग्यारहवें साल तक 'अग्निवीरों' की संख्या 1.6 लाख हो जाएगी। भारतीय सशस्त्र बलों में युवाओं की भर्ती के लिए सरकार की ओर से 'अग्निपथ' योजना लॉन्च होने के दूसरे दिन सेना के उप प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल बीएस राजू ने 'हिन्दुस्थान समाचार' से बातचीत की। उन्होंने कहा कि 'अग्निपथ' योजना की शुरूआत इस साल 40 हजार 'अग्निवीरों' की भर्ती करके की जाएगी। इसके बाद हम इस योजना के तहत वार्षिक भर्ती को उत्तरोत्तर बढ़ाने जा रहे हैं। जमीनी अनुभव और परिचालन आवश्यकताओं के आधार पर जरूरत पड़ने पर इसमें बदलाव किया जाएगा। उन्होंने बताया कि अब सशस्त्र बलों में अधिकारियों को छोड़कर सभी भर्तियां 'अग्निपथ' योजना के तहत ही की जाएंगी। यह प्रक्रिया लगातार चलने से सातवें या आठवें साल तक 1.2 लाख और फिर दसवें या ग्यारहवें साल तक 1.6 लाख अग्निवीर प्रतिवर्ष भर्ती किए जाएंगे। इस तरह 2030-2032 तक मौजूदा 12 लाख सैनिकों वाली भारतीय सेना का आधा हिस्सा 'अग्निवीर' होंगे जो भविष्य में युद्ध लड़ने के लिहाज से 'सैनिक बनाम युवाओं' में संतुलन बनाएंगे। उन्होंने कहा कि सरकार पहले से ही केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों, रक्षा सुरक्षा कोर, सार्वजनिक उपक्रमों और अन्य एजेंसियों और विभागों में अग्निशामकों को शामिल करने की योजना पर काम कर रही है। सेना उप प्रमुख ने कहा कि भारतीय वायुसेना और नौसेना में इस वर्ष 3,000 अग्निवीरों की भर्ती की जाएगी, जिनकी संख्या आने वाले वर्षों में आनुपातिक रूप से बढ़ेगी। प्रत्येक बैच से 25% 'सर्वश्रेष्ठ' अग्निवीरों का चयन करके उन्हें नियमित सैनिकों के रूप में 15 साल की सेवा के लिए रखा जाएगा। अन्य 75% को चार साल के बाद हटा दिया जाएगा। आने वाले समय में सेना में अग्निवीरों का अनुपात 50:50 होगा, यानी 50 फीसदी पूर्व अग्निवीर नियमित कैडर सैनिक के रूप में और 50 फीसदी चार साल के कार्यकाल वाले अग्निवीर होंगे। लेफ्टिनेंट-जनरल राजू ने कहा कि मौजूदा समय में एक सैनिक की औसत आयु 32 वर्ष है जो अगले छह से सात वर्षों में 24-26 तक होने की उम्मीद है। अग्निवीरों की भर्ती किये जाने से आने वाले समय में तकनीक की समझ रखने वाली युवा सेना बन जाएगी। उन्होंने उन आशंकाओं को सिरे से नकार दिया कि केवल चार वर्षों के लिए बड़ी संख्या में सैनिकों की भर्ती करने की योजना से सेना की व्यावसायिकता, रेजिमेंटल लोकाचार और लड़ाई की भावना प्रभावित होगी। उन्होंने कहा कि इस योजना से समाज का सैन्यीकरण होगा और हर साल 35 हजार से अधिक युद्ध प्रशिक्षित युवाओं को रोजगार मिलेगा। सेना के उप प्रमुख ने कहा कि भारतीय सेना सभी वर्गों या समुदाय के लड़ाकों के एक साथ रहने, एक साथ खाने और एक साथ लड़ने वाले सैनिकों का समूह है, इसलिए 'नाम, नमक और निशान' के मूल सिद्धांतों को कमजोर नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय राइफल्स, गार्ड्स ब्रिगेड, पैरा-स्पेशल फोर्स बटालियन और ऐसी कई अन्य इकाइयां एक साथ अच्छी तरह से काम करने के व्यावहारिक उदाहरण हैं। लेफ्टिनेंट जनरल राजू ने कहा कि 11.7 लाख रुपये के 'सेवा निधि' एक्जिट पैकेज के साथ अनुशासित और अच्छी तरह से कुशल अग्निवीर, कई सार्वजनिक और निजी क्षेत्र की नौकरियों के लिए पात्र उम्मीदवार होंगे।

बुलडोजर एक्शन पर सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार से तीन दिन में मांगा जवाब

नई दिल्ली, (हि.स.)। सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश में बुलडोजर की कार्रवाई रोकने के लिए जमीयत-उलमा-ए-हिंद और अन्य की याचिकाओं पर उत्तर प्रदेश सरकार को नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने कहा कि अवैध निर्माण हटाने में पूरी प्रक्रिया का पालन किया जाना चाहिए। कोर्ट ने यूपी सरकार को तीन दिनों के अंदर जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। मामले की अगली सुनवाई 21 जून को होगी। सुनवाई के दौरान जमीयत-उलमा-ए-हिंद की ओर से वकील सीयू सिंह ने कहा कि दिल्ली के जहांगीरपुरी में बुलडोजर की कार्रवाई पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी थी। इस मामले में यूपी सरकार को नोटिस दिया गया था लेकिन यूपी में अंतरिम आदेश के अभाव में तोड़फोड़ की गई। सीयू सिंह ने कहा कि ये मामला दुर्भावना का है। हिंसा फैलाने के आरोप में दर्ज एफआईआर में उल्लेखित नामों की संपत्तियों को चुन-चुनकर ध्वस्त किया गया है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश नगर पालिका अधिनियम की धारा 27 में देश भर में शहरी नियोजन अधिनियमों के अनुरूप नोटिस देने का प्रावधान है। अवैध निर्माण को हटाने के लिए कम से कम 15 दिन का समय देना होगा, 40 दिन तक अवैध निर्माण न हटने पर ही उसे ध्वस्त किया जा सकता है। प्रावधान के मुताबिक पीड़ित पक्ष नगरपालिका अध्यक्ष के समक्ष अपील कर सकते हैं, इसके अलावा और भी संवैधानिक उपाय हैं। उत्तर प्रदेश सरकार ने इन आरोपों को खारिज किया कि प्रयागराज और कानपुर में अवैध निर्माण गिराने के पहले नोटिस नहीं दिया गया। राज्य सरकार के वकील हरीश साल्वे ने कहा कि सभी प्रक्रिया का पालन किया गया है। उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि हमने जहांगीरपुरी में पहले के आदेश के बाद हलफनामा दायर किया है। किसी भी प्रभावित पक्ष ने याचिका दायर नहीं की है। जमीयत-उलमा-ए-हिंद ने याचिका दायर की है जो प्रभावित पक्ष नहीं है। उन्होंने कहा कि साल्वे बताएंगे कि किस ढांचे को नोटिस दिया गया और कानून का किस तरह पालन किया गया है। कोर्ट ने कहा कि हमें ये पता है कि जिनका घर गिरा हो, वे कोर्ट आ सकने की स्थिति में नहीं होंगे। तब साल्वे ने कहा कि हम हलफनामा दे सकते हैं कि प्रयागराज में नोटिस जारी किए गए। दंगे से पहले मई में ही नोटिस दिए गए थे। 25 मई को डिमोलेशन का आदेश पारित किया गया था। इनकी मूल्यवान संपत्ति है इसलिए ये नहीं कहा जा सकता है कि वे कोर्ट नहीं आ सकते हैं। साल्वे ने हलफनामा दाखिल करने के लिए तीन दिन का समय देने की मांग की। तब जस्टिस बोपन्ना ने कहा कि इस दौरान सुरक्षा कैसे सुनिश्चित होगी। सुरक्षा हमारा कर्तव्य है। अगर कोर्ट सुरक्षा नहीं देगी तो ये ठीक नहीं है। बिना नोटिस के डिमोलिशन कार्रवाई नहीं होगी। जमीयत ने याचिका दायर करके यूपी में आगे कानून का पालन किए बगैर कोई भी तोड़फोड़ नहीं करने का दिशा-निर्देश जारी करने की मांग की है। याचिका में मांग की गई है कि बिना किसी कानूनी प्रक्रिया का पालन किए घरों को गिरानेवाले अफसरों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। जमीयत-उलेमा-ए-हिंद की ये याचिका दिल्ली के जहांगीरपुरी में दुकानों और घरों को गिराने के खिलाफ दायर याचिका के संदर्भ में दायर की गई है। सुप्रीम कोर्ट जहांगीरपुरी में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई पर रोक लगा चुकी है। इसके अलावा वकील कबीर दीक्षित और सरीम नावेद की ओर से दाखिल एक नयी याचिका में कहा गया है कि कानपुर में आरोपितों के आवासीय और व्यावसायिक संपत्तियों को नुकसान पहुंचाने के लिए कानून से अलग कोई भी कार्रवाई करने पर रोक लगाने का दिशा-निर्देश जारी किया जाए। याचिका में कहा गया है कि आरोपितों के घरों को नोटिस दिए बिना और उनका पक्ष सुने बिना नहीं गिराया जा सकता है।

'अग्निपथ' पर अखिलेश ने सरकार को घेरा, वरुण गांधी ने भी उठाए सवाल

लखनऊ, (हि.स.)। सेना की 'अग्निपथ योजना को लेकर बसपा सुप्रिमों मायावती के बाद समाजवादी पार्टी(सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी केंद्र सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि यह योजना युवाओं के भविष्य की रक्षा के लिए घातक साबित होगी। वहीं भाजपा सांसद वरुण गांधी ने भी सरकार के इस कदम पर सवाल खड़ा किये हैं। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अपने अधिकारिक ट्वीटर हैंडल से ट्वीट करते हुए कहा कि, 'देश की सुरक्षा कोई अल्पकालिक या अनौपचारिक विषय नहीं है। यह अति गंभीर व दीर्घकालिक नीति की अपेक्षा करती है। सैन्य भर्ती को लेकर जो खानापूर्ति करने वाला लापरवाह रवैया अपनाया जा रहा है, वह देश और देश के युवाओं के भविष्य की रक्षा के लिए घातक साबित होगा। अग्निपथ से पथ पर अग्नि न हो। भाजपा सांसद वरुण गांधी ने ट्वीट कर कहा, 'अग्निपथ' योजना को लेकर देश के युवाओं के मन में कई सवाल हैं। युवाओं को असमंजस की स्थिति से बाहर निकालने के लिए सरकार अतिशीघ्र योजना से जुड़े नीतिगत तथ्यों को सामने रख कर अपना पक्ष साफ करे। जिससे देश की युवा ऊर्जा का सकारात्मक उपयोग सही दिशा में हो सके।

युवाओं के सपनों को चार साल में बांधकर मत रखिए: अरविंद केजरीवाल

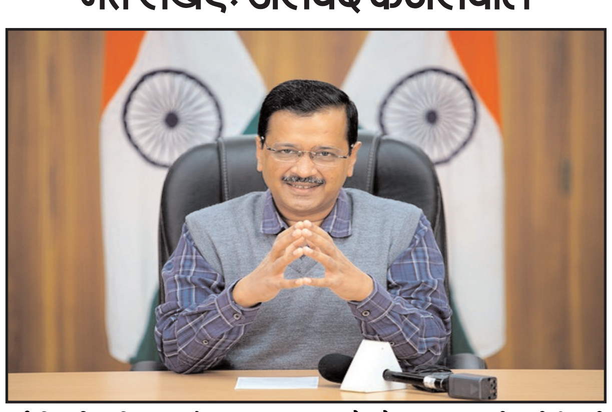

नई दिल्ली, (हि.स.)। केंद्र सरकार की नई स्कीम 'अग्निपथ' के देशभर में हो रहे विरोध को देखते हुए मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट कर कहा कि सेना भर्ती में केंद्र सरकार की नई योजना का देश में हर तरफ विरोध हो रहा है। युवा बहुत नाराज हैं। उनकी मांग एकदम सही हैं। सेना हमारे देश की शान है, हमारे युवा अपना पूरा जीवन देश को देना चाहते हैं, उनके सपनों को चार साल में बांधकर मत रखिए। आगे उन्होनें केंद्र सरकार से अपील कि है कि युवाओं को चार साल नहीं, पूरी ज़िंदगी देश सेवा करने का मौका दिया जाए। पिछले दो साल सेना में भर्तियां ना होने की वजह से जो ज्यादा उम्र के हो गए, उन्हें भी मौका दिया जाए। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार की नई स्कीम 'अग्निपथ' का देशभर में उग्र रूप से विरोध हो रहा है। बेरोजगार युवा इसे केंद्र सरकार की चाल बताते हुए वापस लेने की मांग कर रहे हैं। इनका कहना है कि सालों पसीना बहाने के बाद सिर्फ चार साल के लिए सेना में नौकरी कौन करेगा।

कांग्रेस सांसदों के प्रतिनिधिमंडल ने लोकसभा अध्यक्ष से की दिल्ली पुलिस की शिकायत

नई दिल्ली, (हि.स.)। लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी के नेतृत्व में पार्टी सांसदों के एक प्रतिनिधिमंडल ने गुरूवार को अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात कर दिल्ली पुलिस की शिकायत दर्ज कराई है। चौधरी के नेतृत्व में कांग्रेस सांसदों के प्रतिनिधिमंडल ने संसद भवन स्थित लोकसभा अध्यक्ष के कार्यालय में बिरला से मुलाकात की। इस मुलाकात के बाद चौधरी ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि कांग्रेस सांसदों, नेताओं और कार्यकताओं पर बीते तीन दिनों से जिस तरह का अत्याचार और उनके साथ हिंसा हुई है इसके बारे में प्रतिनिधिमंडल ने लोकसभा अध्यक्ष को विस्तृत जानकारी दी। कांग्रेस मुख्यालय में जाते हुए पार्टी कार्यकताओं और सांसदों पर जिस तरह से पुलिसिया कार्रवाई हुई उससे उन्हें काफी गहरी चोट लगी है। कांग्रेस नेता ने कहा कि गत बुधवार थाने में पुलिस ने पार्टी कार्यकताओं और सांसदों के साथ ऐसा बर्ताव किया जैसे वे आतंकवादी हैं। चौधरी ने कहा कि हमें किसी भी पूछताछ से कोई समस्या नहीं है। हम तो बस यही कहना चाहते हैं कि जो भी करो उसमें बदले और हिंसा की राजनीति ना हो। उल्लेखनीय है कि मनी लांड्रिंग के मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) राहुल गांधी से पूछताछ कर रहा है। इसके विरोध में कांग्रेस नेता व कार्यकर्ता ने सड़कों पर उतर प्रदर्शन किया।

भारत ने किया परीक्षण, परमाणु संपन्न बैलिस्टिक मिसाइल पृथ्वी-2 ने लक्ष्य को मारा

- सतह से सतह पर 350 किमी. रेंज की मिसाइल में तरल ईंधन वाले दो इंजन लगाए गए

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारत ने बुधवार शाम को परमाणु संपन्न छोटी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल पृथ्वी-2 का सफल परीक्षण किया। मिसाइल ने उच्च स्तर की सटीकता के साथ लक्ष्य को भेदकर अपनी उपयोगिता साबित की। डीआरडीओ प्रवक्ता की ओर से देर रात दी गई के अनुसार पृथ्वी-2 मिसाइल का प्रक्षेपण एकीकृत परीक्षण रेंज, चांदीपुर, ओडिशा से शाम को लगभग 07.30 बजे किया गया। यह मिसाइल प्रणाली उच्च स्तर की सटीकता के साथ लक्ष्य को भेदने में सक्षम है। आज के प्रशिक्षण प्रक्षेपण ने मिसाइल के सभी परिचालन और तकनीकी मानकों को सफलतापूर्वक मान्य किया। परमाणु संपन्न यह मिसाइल सतह से सतह पर मार करने में सक्षम है। पृथ्वी-2 मिसाइल को रक्षा अनुसंधान व विकास संगठन (डीआरडीओ) ने स्वदेशी ज्ञान कौशल से विकसित किया है। पृथ्वी-2 मिसाइल 500 से 1000 किलोग्राम वजन तक के हथियारों को ले जाने में सक्षम है। सतह से सतह पर 350 किलोमीटर से ज्यादा तक मार करने वाली इस मिसाइल में तरल ईंधन वाले दो इंजन लगाए गए हैं। इसे तरल और ठोस दोनों तरह के ईंधन से संचालित किया जाता है। डीआरडीओ सूत्रों की माने तो 350 किमी. रेंज से हमला करने वाली इस मिसाइल को एक मोबाइल लांचर से दागा गया। हालांकि इस परीक्षण को नियमित अभ्यास करार दिया जा रहा है, लेकिन मिसाइल के प्रक्षेपण पथ पर ट्रैकिंग प्रणाली और टेली मैट्रिक केंद्रों से नजर रखी गई। इसके परीक्षण के मौके पर रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन तथा आईटीआर से जुड़े वरिष्ठ अधिकारियों और वैज्ञानिकों का दल मौजूद था। अगली सीरीज की अग्नि-5 और अग्नि-4 से लेकर इस सीरीज की अधिकांश मिसाइलों के परीक्षण सुबह, दोपहर और शाम के वक्त किए गए हैं। अब इसके बाद वैज्ञानिकों ने सभी मिसाइलों, मिसाइल राकेट या फिर बैलिस्टिक सीरीज की बड़ी मिसाइलों के परीक्षण रात को शुरू किए हैं। शायद वैज्ञानिक अब यह जानने की कोशिश कर रहे हैं कि जब किसी भी देश से युद्ध छिड़ता है तो सुबह हो या शाम, दिन हो या रात किसी भी समय मिसाइलों का इस्तेमाल किस तरह किया जा सकता है। सूत्रों की मानें तो आने वाले दिनों में कई नई और पुरानी मिसाइलों का आधुनिकीकरण करके इसके परीक्षण किए जाएंगे। आने वाले समय में लगातार इस मिसाइल के परीक्षण से पड़ोसी देश चीन और पाकिस्तान जरूर कांपेंगे।

हमारे सहयोगी संरक्षक एवम् ब्यूरो प्रमुख

प्रधान सम्पादक – नरेन्द्र कुमार

सहयोगी संरक्षक

अनिल सेठी

नरेश ए बाबू-कार्यकारी निदेशक

संपादन सहयोगी - मोहित शुक्ला

सदस्य एवं रिपोर्टर

- •राजकुमार कश्यप (दिल्ली) •दीपक कुमार (पटियाला)
- • वीरेन्द्र कुमार ठाकुर •वीरेंद्र सिंह बघेल (फरीदाबाद)
- • अनीता सिंह •राम नाथ •मुकेश गुप्ता, मीनाक्षी निगम
- •मोहम्मद शमशेर (दिल्ली) •मुकेश जोशी (उत्तराखण्ड)
- •अशोक कुमार, काजल शर्मा (गुरूग्राम)
- • अवध किशोर त्रिपाठी (अहमदाबाद)
- •श्याम लाल (मेरठ) •रामनरेश सिंह (पडरौना, उत्तरप्रदेश)
- •नवीन सुरेल, तालबहेट, ललितपुर, (झाँसी)
- • ओम शुक्ला, मनीष शुक्ला, शिवम शुक्ला (कानपुर)
- • ओमपाल वर्मा, इन्द्रमणी मंडल (रायपुर छत्तीसगढ़)
- • फ्रूमू लामों सिलीगुड़ी, रोशन कुमार मिश्रा (पश्चिम बंगाल)
- ▪ पिंटू बनर्जी (पश्चिम बंगाल)

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक हैं।

समाचार पत्र में प्रकाशित सामग्री, लेख, रचनाओं, एवम् विज्ञापनों में लेखकों और विज्ञापन दाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए दिल्ली क्राईम व भ्रष्टाचार विरोधी मोर्चा की किसी भी तरह की जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही मान्य होगा।

विशेष :- किसी भी परिस्थिति में निर्णय लेने का अधिकार केवल संपादक को है।

S-529, स्कूल ब्लॉक, शकरपुर, दिल्ली - 110092

संपर्क – 011-35631400

Customer Care No.

83750 00628

ADVERTISMENT RATE TARIFF PLAN

FULL PAGE | HALF PAGE | QUARTER PAGE

FULL FRONT PAGE	₹1,20,000/-
FULL INNER PAGE	₹60,000/-
FULL BACK PAGE	₹90,000/-
HALF FRONT PAGE	₹66,000/-
HALF PAGE INNER	₹36,000/-
HALF PAGE BACK	₹51,000/-
QTR. PAGE FRONT	₹36,000/-
QTR. PAGE INNER	₹21,000/-
QTR. PAGE BACK	₹30,000/-

Classifieds Ads. Per Column / 3 CM. Rs.2100/-

Visiting Card Size Advertisements:

Front Page Rs. 6000/- Back Page Rs. 4500/-

Inner Page Rs.3000/-

DELHI CRIME 17 june 2022:Layout 1 6/16/2022 6:42 PM Page 8

वेधा बनना मेरे लिए किसी भी काम से अलग था: ऋतिक

-ऋतिक, सैफ अभिनीत 'विक्रम वेधा' की शूटिंग हुई पूरी

मुंबई (ईएमएस)। फिल्म 'विक्रम वेधा' बालीवुड एक्टर ऋतिक रोशन ने कहा, "फिल्म में वेधा बनना मेरे तहत पहले कभी किए गए किसी भी काम से अलग था। मुझे 'हीरो' होने के सांचे को तोड़ना था और एक अभिनेता के रूप में पूरी तरह से बेरोजगार क्षेत्र में कदम रखना था। यात्रा ऐसा लगा जैसे मैं स्नातक कर रहा था।" ऋतिक और सैफ के साथ फिल्मांकन के अनुभव के बारे में बात करते हुए, निर्देशक पुष्कर और गायत्री ने एक संयुक्त बयान में कहा, "हमारे देश के प्रमुख सुपरस्टार ऋतिक और सैफ के साथ शूटिंग करना एक शानदार अनुभव रहा है।" यह फिल्म भारतीय लोककथा 'विक्रम और बेताल' पर आधारित है, और एक बेहतरीन एक्शन क्राइम थ्रिलर है, जो एक सख्त पुलिस अधिकारी की कहानी बताती है। अपने फिल्मांकन के अनुभव के बारे में बात करते हुए, सैफ अली खान ने साझा किया

"पुष्कर और गायत्री महान रचनात्मक ऊर्जा के साथ काफी गतिशील जोड़ी हैं और उनके साथ काम करना बहुत फायदेमंद रहा है।" 'विक्रम वेधा' गुलशन कुमार, टी-सीरीज फिल्म्स और रिलायंस एंटरटेनमेंट द्वारा फ्राइडे फिल्मवर्क्स और वाईनॉट स्टूडियोज के सहयोग से प्रस्तुत किया गया है। फिल्म का निर्माण एस. शशिकांत और भूषण कुमार ने किया है। फिल्म, जिसमें रोहित सराफ, योगिता बिहानी, शारिब हाशमी और सत्यदीप मिश्रा भी हैं, 30 सितंबर को दुनिया भर के सिनेमाघरों में आने के लिए तैयार है। बता दें कि नियो-नोयर एक्शन थ्रिलर 'विक्रम वेधा', जिसमें ऋतिक रोशन, सैफ अली खान और राधिका आप्टे हैं, का फिल्मांकन पूरा हो गया। पुष्कर और गायत्री द्वारा निर्देशित फिल्म ने अक्टूबर 2021 में अबू धाबी, लखनऊ और मुंबई में विभिन्न शेड्यूल में फिल्मांकन शुरू किया।

मैं एक अभिनेत्री के रूप में बेहद खुश हूं

-बॉलीवुड अभिनेत्री नुसरत भरुचा ने कहा

मुंबई (ईएमएस)। फिल्मों में बोल्ड और ग्लैमरस भूमिकाओं के साथ अपने करियर की शुरूआत करने वाली बॉलीवुड अभिनेत्री नुसरत भरुचा ने गियर बदलते हुए और फिल्मों में अधिक परिभाषित भूमिकाएं निभाई हैं। इस बारे में नुसरत ने कहा कि 'प्यार का पंचनामा', 'प्यार का पंचनामा 2' और 'सोनू के टीटू की स्वीटी' के समय, मेरी चाची कहती थीं, 'अगली बार तू कुछ ऐसी फिल्म क्यों नहीं करती जहां पर तू वास्तव में कुछ कर रही हो', फिर जब 'छलंग', 'छोरी' जैसी फिल्में या 'अजीब दास्तान' जैसी वेब प्रोजेक्ट आई तो मैं एक अभिनेत्री के रूप में संतुष्ट महसूस करने लगी। व्यक्तिगत रूप से, एक अभिनेत्री के रूप में, मैं बेहद खुश हूं मैंने अपने लिए जिस तरह की जगह बनाई है।" उन्होंने आगे उल्लेख किया, "यदि आपको एक फिल्म के लिए माना जाता है, लेकिन चीजें काम नहीं करती हैं, तो यह ठीक है, लेकिन सबसे ज्यादा दुख तब होता है जब आपको किसी विशेष परियोजना के लिए भी नहीं माना जाता है। उस चरण में, आपका दिमाग या तो आपको डुबो सकता है या आपका नेतृत्व कर सकता है।"उन्होंने निष्कर्ष निकाला, "मैंने अपने काम पर ध्यान केंद्रित करके और मेरे रास्ते में आए काम का जश्न मनाते हुए बाद वाले को चुना। व्यक्तिगत रूप से, मैं अपनी पसंद को संतुलित

करना चाहूंगी। हालांकि, छोरी के बाद मेरे रास्ते में महिला-उन्मुख स्क्रिप्ट का प्रवाह आया है। फिल्म निमार्ता बताते हैं जब मैंने शुरूआत की थी, तो वे मेरे ग्लैम अवतार से परे मेरी कल्पना नहीं कर सकते थे, लेकिन मुझे लगता है कि अब यह बदल गया है।" काम के मोर्चे पर, नुसरत भरुचा अगली बार अक्षय कुमार और इमरान हाशमी के साथ 'सेल्फी', अक्षय कुमार के साथ 'राम सेतु' और 'छोरी 2' में दिखाई देंगी। वह एक आगामी अभी तक बिना शीर्षक वाली अखिल भारतीय फिल्म में बेलमकोंडा श्रीनिवास के साथ भी दिखाई देंगी। बता दें कि बॉलीवुड अभिनेत्री नुसरत भरुचा अपनी हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'जनहित में जारी' में किए गए काम को लेकर बेहद संतुष्ट हैं। दिबाकर बनर्जी की अत्यधिक प्रयोगात्मक एंथोलॉजी ड्रामा 'लव सेक्स और धोखा' और 'प्यार का पंचनामा' जैसी फिल्मों में भी काम किया है।

विक्रम मचा रही सिनेमाघरों में तहलका

-एक हफ्ते के अंदर ही 200 करोड़ रुपये कमाई

मुंबई (ईएमएस)। कॉलीवुड के सुपरस्टार कमल हासन की हालिया रिलीज फिल्म विक्रम इन दिनों तमिलनाडु और तेलुगु राज्यों के सिनेमाघरों में तहलका मचा रही है। फिल्म ने धमाकेदार कमाई करते हुए रिलीज के महज एक हफ्ते के अंदर ही वर्ल्डवाइड स्तर पर 200 करोड़ रुपये कमाई का कुल आंकड़ा पार कर लिया है। जबकि तमिलनाडु और तेलुगु राज्यों में भी कमल हासन, विजय सेतुपति, फहाद फासिल और सूर्या स्टाररर निर्देशक लोकेश कनगराज की फिल्म जबरदस्त कमाई कर रही है। फिल्म के सभी पात्रों ने दर्शकों से तारीफें पाई है। ऐसे में टॉलीवुड के मेगा स्टार चिरंजीवी ने बीती रात अपने घर पर इस फिल्म की सफलता के लिए एक शानदार पार्टी रखी। दिलचस्प बात यह है कि इस पार्टी में सुपरस्टार सलमान खान को भी बुलाया गया था। जहां सलमान खान ने ग्रैंड एंट्री मारी। मेगा स्टार चिरंजीवी ने इस दौरान सुपरस्टार सलमान खान और कमल हासन को फूलों का गुलदस्ता देकर वेलकम किया। जिसके बाद चिरंजीवी ने कमल हासन को एक बेहद प्यारी पर्पल कलर की सिल्क शॉल भी तोहफे में दी। इस दौरान इन तीनों सुपरस्टार्स के साथ निर्देशक लोकेश

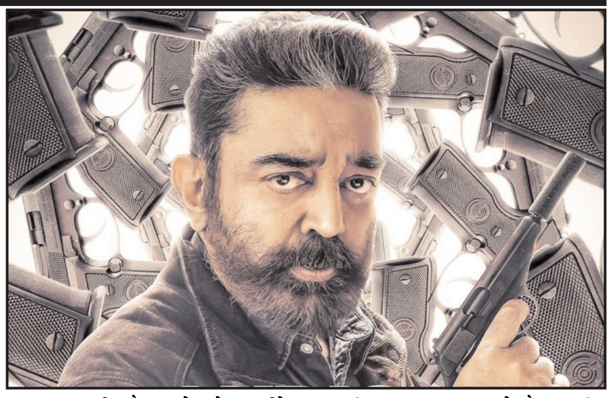

कनगराज भी मौजूद थे। ये तस्वीरें खुद चिरंजीवी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की हैं। इन तस्वीरों को शेयर करते हुए चिरंजीवी ने कैप्शन में लिखा, मेरे प्यारे सल्लू भाई, लोकेश कनगराज और टीम के साथ, बीती रात मेरे घर पर विक्रम की शानदार सफलता पर मेरे सबसे पुराने दोस्त कमल हासन के लिए जश्न मनाना बेहद शानदार और खुशियों भरा रहा। ये कितने सम्मान की बात है। कितनी गहन और शानदार फिल्म थी। आपको बधाइयां। आप और ज्यादा तरक्की करें। गौरतलब है कि बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान इन दिनों अपनी फिल्म कभी ईद कभी दीवाली की शूटिंग की वजह से हैदराबाद में ही हैं। वो यहां पूजा हेगड़े स्टारर अपनी इस फिल्म की शूटिंग का शिड्यूल पूरा कर रहे हैं। जबकि इसके अलावा सलमान खान और चिरंजीवी जल्दी ही एक साथ तेलुगु फिल्म गॉडफादर में भी नजर आएंगे। इसमें सलमान खान एक कैमियो रोल में दिखेंगे। मालूम हो कि 4 साल के लम्बे अन्तराल के बाद परदे पर विक्रम के जरिये सफलतापूर्वक वापसी करने वाले दक्षिण भारत के साथ-साथ हिन्दी सिनेमा के दिग्गजों में शामिल रहे अभिनेता कमल हासन को हाल ही में चिरंजीवी ने उनकी फिल्म की सफलता की बधाई स्वयं द्वारा आयोजित एक पार्टी में दी। इस पार्टी में जहाँ कमल हासन के साथ विक्रम के निर्देशक लोकेश कनकराज नजर आए वहीं दूसरी ओर बॉलीवुड के सुपर सितारे सलमान खान ने भी शिरकत की।

अहान शेट्टी ने खुद को बताया नेपोटिज्म का प्रोडक्ट

बॉलीवुड एक्टर सुनील शेट्टी के बेटे अहान शेट्टी ने हाल ही में 'तड़प' के लिए बेस्ट एक्टर का अवॉर्ड जीता है। अपना पहला अवॉर्ड जीतने के बाद उन्होंने नेपोटिज्म के बारे में बात की। अहान ने कहा कि वो इस बात से सहमत हैं कि वो नेपोटिज्म का हिस्सा हैं। साथ ही उन्होंने अपने करियर पर नेपोटिज्म के इम्पैक्ट के बारे में भी बात की है। अहान ने कहा, 'जब नेपोटिज्म की बात आती है, तो मैं इसे स्वीकार करता हूं। मैं नेपोटिज्म का प्रोडक्ट हूं। मेरे पिता एक एक्टर हैं। मैं हमेशा से एक एक्टर बनना चाहता था और हां हमारे लिए ये आसान है। मैं इस बात से बिल्कुल भी इनकार नहीं कर रहा हूं। लेकिन दिन के आखिरी में, सभी को कड़ी मेहनत करनी पड़ती है। इस इंडस्ट्री में होने के लिए आपको सच में कड़ी मेहनत करनी पड़ती है। मैं इस इंडस्ट्री का हिस्सा बनकर बहुत खुश और सम्मानित महसूस करता हूं। मैं इसका फायदा नहीं उठाना चाहता। इसलिए मैं सिर्फ कड़ी मेहनत कर रहा हूं।'

थ्रिलर वेबसीरीज 'मासूम' में नजर आएंगी उपासना

-एक्ट्रेस ने सांझा किया ईरानी के साथ काम करने का अनुभव

मुंबई (ईएमएस)। मशहूर छोटे परदे की एक्ट्रेस उपासना सिंह आगामी मनोवैज्ञानिक थ्रिलर वेबसीरीज 'मासूम' में नजर आएंगी। उपासना ने बोमन ईरानी के साथ काम करने के अनुभव को शेयर किया है। अभिनेत्री ने एक बयान में कहा, "मैं आपको बोमन जी के बारे में क्या बताऊं। वह इतने सुंदर, अच्छे स्वभाव और जमीन से जुड़े इंसान हैं। वह काम करने के लिए बहुत ही शानदार अभिनेता हैं, बहुत सहज हैं। मुझे नहीं लगता कि मैं किसी और के साथ काम करने में इतना सहज होता, उन्होंने इसे इतना आसान और मैत्रीपूर्ण बना दिया कि मैं अपने सभी दृश्यों को करने में सक्षम हो गया।"उन्होंने कहा, "जब भी आप शो देखेंगे तो आप उस केमिस्ट्री को देखेंगे, आप यह नहीं कह सकते कि हम पति-पत्नी नहीं हैं। लेकिन मुझे उनके साथ काम करने में बहुत मजा आया। शायद बहुत कम कलाकार हैं, जिनके साथ मैं इतना सहज महसूस करती हूं।" यह शो आयरिश श्रृंखला 'ब्लड' का एक भारतीय प्रस्तुतीकरण

है। यह किसी प्रियजन को खोने के बाद पारिवारिक संबंधों और धोखे की पड़ताल करता है।

पंजाब के फालौली में सेट, यह सीरीज कपूर परिवार के जीवन को प्रभावित करने वाले अनकहे सच को सामने लाएगी, जहां समय और महत्वाकांक्षा के साथ जटिल संबंधों की गतिशीलता बदल जाती है। छह एपिसोड की इस सीरीज में समारा तिजोरी, मंजरी फडनीस, वीर राजवंत सिंह और मनुर्षि चड्ढा भी हैं। इन्हें मिहिर देसाई ने निर्देशित किया है। रिलायंस एंटरटेनमेंट के स्वामित्व वाले प्रीमियम कंटेंट स्टूडियो ड्रीमर्स एंड डूअर्स कंपनी के बैनर तले निर्मित 'मासूम' 17 जून को डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज होने के लिए तैयार है। उपासना सिंह के माने तो बोमन के साथ काम करना बहुत सुकून देने वाला रहा है, क्योंकि वह इस परियोजना में शामिल अभिनेताओं के लिए सेट पर एक दोस्ताना माहौल लेकर आए थे।

टाइगर श्रॉफ ने दिशा पाटनी के साथ स्टंट करते हुए शेयर किया वीडियो

बॉलीवुड एक्ट्रेस दिशा पाटनी के रूमर्ड बॉयफ्रेंड टाइगर श्रॉफ ने सोशल मीडिया के जरिए दिशा को स्पेशल तरीके से बर्थडे विश किया है। वहीं टाइगर के साथ-साथ उनकी मां आयशा और बहन कृष्णा ने भी एक्ट्रेस को बड़े ही क्यूट अंदाज में विश किया। टाइगर ने दिशा के साथ स्टंट करते हुए एक वीडियो शेयर किया। एक्टर ने वीडियो शेयर कर लिखा, 'उम्मीद करता हूं कि इस साल आप और भी ज्यादा ऊंचा उड़ो। हैपी बर्थडे एक्शन हीरो। आज यमी फूड खाना और खूब मजे करना।' जहां टाइगर की मां आयशा ने दिशा के साथ एक सेल्फी शेयर करते हुए लिखा, 'हैप्पी बर्थडे दिशेशवर। तुम्हारा ये साल बेस्ट हो।' आयशा के इस पोस्ट से लग रहा है कि वो दिशा को दिशेश्वर नाम से बुलाती हैं। वहीं टाइगर की बहन कृष्णा ने भी दिशा के साथ

एक सेल्फी शेयर की और लिखा, 'मेरी फेवरेट ब्यूटी को हैप्पी बर्थडे। जब तुम वापस आओगी तब पिज्जा खाएं?'

मेजर के जीवन का दिलचस्प वाकया नहीं दिखा सके फिल्म में

-लेखक और मुख्य अभिनेता अदिवि शेष ने किया खुलासा

मुंबई (ईएमएस)। मेजर संदीप उन्नीकृष्णन के जीवन पर आधारित फिल्म 'मेजर' के लेखक और मुख्य अभिनेता अदिवि शेष ने खुलासा किया है कि वह संदीप की जिंदगी का एक दिलचस्प वाकया फिल्म में नहीं दिखा सके। शेष ने कहा कि फिल्म की भावना और मनोदशा को ध्यान में रखते हुए संदीप के जीवन की कुछ आकर्षक घटनाओं को एक लेखक के रूप में वह फिल्म की मुख्य कथा में नहीं रख सके। शेष ने कहा, "अम्मा ने मुझे एक कहानी सुनाई थी, जब संदीप सर किशोर थे। एक दिन, चाचा घर वापस आए और जब उन्होंने प्रवेश किया, तो उन्होंने देखा कि लगभग 30 लड़कियों के सैंडल थे। वह सोच रहा था कि क्या हुआ और फिर उसे पता चला कि इतनी सारी लड़कियां अचानक यहां क्यों हैं।" "स्कूल में एक अफवाह थी कि संदीप की शादी तय हो रही है और

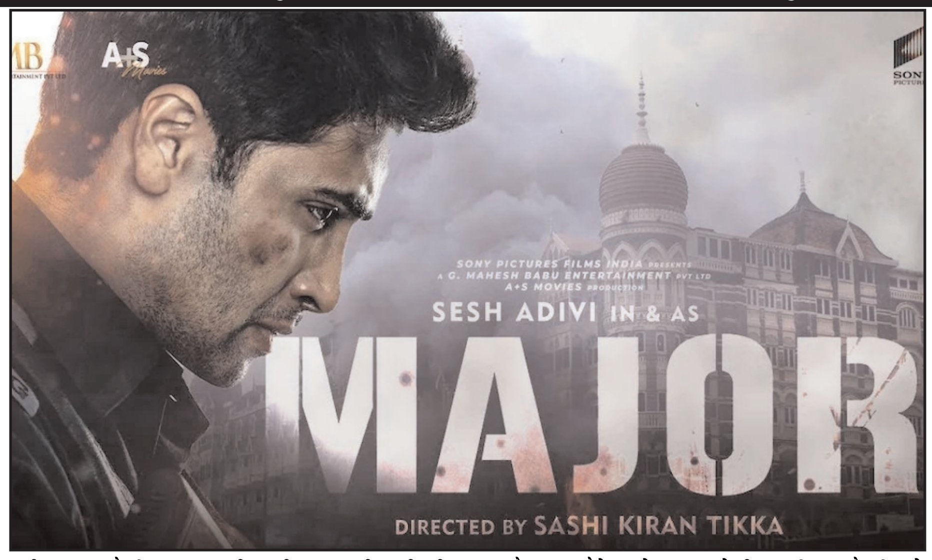

यही कारण है कि स्कूल की सभी लड़कियां अम्मा को प्रभावित करने और उन्हें संदीप सर से शादी करने के लिए मनाने के लिए आई थीं। बेशक, चाचा और अम्मा के बारे में अच्छी हंसी थी यह। और जब मैंने वह कहानी सुनी तो मैं इसे फिल्म में रखना चाहता था, लेकिन मैं नहीं कर सका, संदीप सर बचपन से ही सभी के लिए सबसे पसंदीदा थे।"अदिवि ने कहा, "ऐसी कहानियां और किस्से थे जो वास्तव में साबित करते थे कि वह एक जन्मजात नायक थे। लेकिन इन छोटे-छोटे पलों को हम फिल्म में नहीं रख सकते थे, अन्यथा हमें एक प्रतिक्रिया मिलती और कहानी का मूड बदल जाता।" 'मेजर' की कहानी 26/11 के मुंबई आतंकी हमले के दौरान 36 घंटे के ऑपरेशन के इर्द-गिर्द घूमती है। मेजर संदीप एक एनएसजी प्रशिक्षण अधिकारी थे, जो बंधकों की जान बचाने के लिए ताजमहल होटल में बचाव अभियान के लिए टीम कमांडर थे। दूसरों की जान बचाते हुए वह शहीद हो गए। एनएसजी ने उस ऑपरेशन में 250 बंधकों की जान बचाई थी। फिल्म 'मेजर' का निर्देशन शशि किरण टिक्का ने किया है, जिसमें प्रकाश राज, शोभिता धूलिपाला, सई मांजरेकर, रेवती ने भी अभिनय किया है। बता दें कि 26/11 के हमले के दौरान देश के दुश्मनों पर कार्रवाई में नायक रहे मेजर संदीप उन्नीकृष्णन के जीवन पर आधारित 'मेजर' को दर्शकों और आलोचकों से समान रूप से प्यार मिल रहा है।

सूडोकु नवताल- 6104

★☆☆☆☆ सरल

5		9		8	3	2		
	2		4					8
3	8		5	2	6	1		
	7						9	5
9		3	6		8	7		4
2	6						1	
		5	2	7	1		8	6
6					4		7	
		8	9	6		4		2

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6103 का हल

8	2	5	3	6	7	9	1	4
4	6	1	8	9	2	3	7	5
3	7	9	1	5	4	6	8	2
1	3	7	4	2	9	5	6	8
6	5	2	7	1	8	4	9	3
9	8	4	6	3	5	1	2	7
2	4	6	9	8	3	7	5	1
5	1	3	2	7	6	8	4	9
7	9	8	5	4	1	2	3	6

शब्दजाल - 6851

श	रा	कै	फी	आ	ज	मी	ट	झ	क	न
नौ	च	र	ह	रिं	लै	ता	दि	शा	को	र
शा	र	श	बा	ना	आ	ज	मी	अ	ल	गि
द	म	दा	च	ल	क	ड़	हा	मि	र	स
य	क	र	ष	अ	मि	री	चि	ता	र	ट
ह	ह	मा	व	दा	भि	ला	ती	भ	न	ती
ट	ट	बु	ल	र	म	जी	ह	ब	ह	क
बा	जी	वा	ला	अ	छ	स	त	च्च	जू	ट
स	थो	शे	व	ह	म	दा	ने	न	र	द
र	ल	लें	ति	रं	ट	रो	बें	न	रु	थो
र	वीं	द्र	जै	न	ख	बौ	ही	स	मी	र

शब्द जाल में उत्तर प्रदेश के 10 प्रमुख सिने व्यक्तित्व के नाम ढूंढिए. नाम ऊपर से नीचे एवं तिरछे भी हो सकते हैं.

नौशाद, कमाल अमरोही, कैफी आजमी, नरगिस, शेलेंद्र, समीर, अभिजीत, रवींद्र जैन, शबाना आजमी, अमिताभ बच्चन

शब्दजाल - 6850 का हल

प्र	अ	मे	आ	ए	का	धि	का	र	प	क
न	का	क	दि	इं	डो	ने	ग	ति	मा	री
अ	दा	र	ला	मा	ग	अ	द	ह	प	म
है	द	रा	बा	द	न	स	नं	ह	लि	न
त	अ	अ	द	न	कृ	ष्णा	ह	त	न	ग
ख	म्म	न	र	व	प	का	त	ह	पु	र
ग	मा	ल	मा	व	चि	ला	र	मा	न	र
र	न	भा	र	न	प	तु	रा	ल	वि	ला
क	गु	बा	क	ड	प्पा	प	र	न	जू	दे
र	टु	ति	मा	न	सिं	ब्रा	रु	का	प	श
बां	र	ल	प	रु	स	क	नूं	ल	र	र

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग-5804

6	1	4		2		
5	35	3	27	1	28	7
7		5			6	
	31		37	7	34	
	3	6		5	2	4
2	27		41	4	29	
4		7		6		

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 5803 का हल

4	1	5	6	2	7	3
6	35	6	30	1	32	7
7	5	1	3	6	4	2
1	29	2	31	4	31	5
2	4	7	5	3	6	1
3	29	4	40	5	34	6
5	1	3	6	7	2	4

Jagrutidaur.com, Bangalore

स्वामी एवं संपादक इंद्रा द्वारा S-529, स्कूल ब्लॉक, शकरपुर, दिल्ली - 110092 से जारी
Customer Care No:- 8375000628, For News & Advertisement- 8588881461, Email-info@delhicrimepress.in, Website- www.Delhicrimepress.in